दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 ▸ अंक 115 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 22 जनवरी, 2026
माघ शुक्ल पक्ष 04, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

टी-20 विश्व कप की तैयारी

विजयी आगाज

नागपुर, जेएनएन। भारत ने पहले टी-20 में न्यूजीलैंड को 48 रनों से हराते हुए पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अभिषेक शर्मा (35 गेंदों में 84 रन) की आक्रामक पारी की बदौलत 238/7 का स्कोर खड़ा किया था। यह इस फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा स्कोर भी है। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ग्लेन फिलिप्स (40 गेंदों में 78 रन) की शानदार पारी के बावजूद 190/7 का स्कोर ही बना सकी।

(संबंधित खबर पेज-10 पर)

दावोसः 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केल' सेशन में मुख्यमंत्री ने गिनाईं प्रदेश की खूबियां

वैश्विक मानचित्र पर मध्य प्रदेश बेहतर पर्यटन डेस्टिनेशनः सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मप्र वर्तमान में आकांक्षी और तीव्र गति से विकास की राह पर अग्रसर प्रदेश है। राज्य केवल अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण ही भारत का हृदय नहीं है, बल्कि नवाचारी नीतियों और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित कर पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर एक बेहतरीन डेस्टिनेशन बनकर उभरा है।

डॉ. यादव बुधवार को दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में निवेश की संभावनाओं पर मप्र की खूबियां बता रहे थे। उन्होंने 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केल-हाउ मप्र इज ड्राइविंग ग्रोथ थ्रू इनोवेशन, कल्चर एंड कनेक्टिविटी' विषय पर आयोजित सेशन में इन्वेस्टमेंट हॉस्पिटिलिटी सेक्टर्स के प्रतिनिधियों को मप्र में निवेश करने का न्यौता दिया। उन्होंने बताया कि राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, पुरातात्विक वैभव को आधुनिक सुविधाओं के साथ जोड़कर पर्यटन के एक नूतन युग का सूत्रपात किया जा रहा है। सीएम ने कहा, मप्र न सिर्फ निवेश के अवसर प्रदान करता है, बल्कि अतिथि देवो भवः की सनातन संस्कृति और आधुनिक नवाचार के उत्कृष्ट समन्वय कर संगम भी है। उन्होंने कहा, नवाचार, सुदृढ़ कनेक्टिविटी के माध्यम से मप्र पर्यटन के क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

दावोस में उच्च स्तरीय राउंड टेबल बैठक में शामिल हुए सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने कहा, नवकरणीय ऊर्जा मप्र के समावेशी और टिकाऊ विकास की आधारशिला है। राज्य स्वच्छ, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अंतर्राज्यीय सहयोग और बेहतर समन्वय से राज्य में बिजली और जल आपूर्ति में स्थिरता आई है। सीएम बुधवार को दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 में डी-रीस्किंग द ग्रीन लीप-सब नेशनल ब्लू प्रिंट फॉर यूटिलिटी स्केल एनर्जी ट्रांजीशन विषय पर उच्च स्तरीय राउंड टेबल बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित होकर मप्र ने हरित ऊर्जा को विकास की मुख्य धारा में शामिल किया है। सीएम ने सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण से जुड़ी नई परियोजनाओं की प्रगति, योजनाओं की जानकारी भी दी।

संबंधित खबरें पेज-2 और पेज-12 पर

ऊर्जा नीति की हुई सराहना

इंडोनेशिया के ईस्ट जावा प्रांत के उपराज्यपाल एमिल एलेस्टियांतो डार्डक ने कहा, उप-राष्ट्रीय सरकारें भी राष्ट्रीय नीतियों में परिवर्तन की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र की प्रगतिशील नीतियों की सराहना की। राउंड टेबल मीटिंग में प्रतिभागियों में वैश्विक और घरेलू कंपनियों के कॉरपोरेट प्रतिनिधि व निवेशक शामिल थे, जिन्होंने राज्य की नीतियों, हरित ऊर्जा, तथा डेटा सेंटर जैसी नई प्रौद्योगिकी एवं नवाचारों के संबंध में जानकारी ली। यह चर्चा भी हुई कि मप्र जैसे क्षेत्रीय सरकारें इसमें नवाचार का नेतृत्व कर सकती हैं।

ड्रॉफ्ट फ्रेमवर्क किया प्रस्तुत

राउण्ड टेबल मीटिंग में मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, डीजी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन अशोक खन्ना, एसीएस नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मनीष सिंह, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह, प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी, आयुक्त जनसम्पर्क दीपक कुमार सक्सेना एवं एमडी एमपीआईडीसी चन्द्रमौली शुक्ला उपस्थित रहे। मीटिंग में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक ड्रॉफ्ट फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया।

भारत से जल्द ट्रेड डील मुमकिन : ट्रंप

दावोस, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भाषण के बाद ट्रंप ने भारतीय मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और उन्हें अपना दोस्त बताया। ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत और अमेरिका में जल्द एक अच्छा व्यापार समझौता होने वाला है। ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव सुलझाया। आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच 35 साल से चल रहा संघर्ष को सिर्फ एक दिन में खत्म कर दिया। ट्रम्प के मुताबिक इस पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें फोन किया और कहा कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि ट्रम्प ने वह युद्ध सुलझा दिया, क्योंकि वह खुद 10 साल तक कोशिश करते रहे लेकिन सफल नहीं हो पाए। ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि खूबसूरत दावोस में फिर से आकर बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि यहां इतने सारे कारोबारी नेता, इतने सारे दोस्त, कुछ दुश्मन और सभी सम्मानित मेहमान मौजूद हैं।

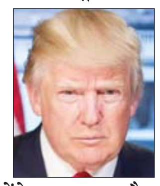

(संबंधित खबर पेज-11 पर)

संक्षिप्त खबरें

अयोध्याः नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

लखनऊ, जेएनएन। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों ने उनके कुछ टेस्ट कराएं हैं। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद उसी के हिसाब इलाज शुरू किया जाएगा। 87 साल के नृत्य गोपाल दास को सोमवार रात से उल्टी-दस्त हो रहे थे। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के रिटायर्ड डॉक्टर एसके पाठक ने उनका चेकअप किया था। फिर उन्हें मेदांता रेफर कर दिया था। जानकारी के मुताबिक, महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। श्रीराम हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया कि महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। डॉक्टर्स की टीम ने उनकी जांच की। इसके बाद मेडिकल टीम और एक एम्बुलेंस के साथ उन्हें मेदांता अस्पताल रवाना कर दिया गया। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास भी उनके साथ है। अब वहां से मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कोई जानकारी दी जा सकती है।

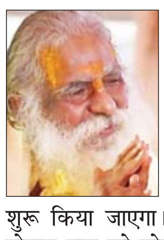

आदित्य हटे, मालवीय होंगे अशोकनगर के नए कलेक्टर

विसं भोपाल। राज्य शासन ने बुधवार को अशोकनगर के कलेक्टर आदित्य सिंह को बदल दिया। अब साकेत मालवीय अशोकनगर के नए कलेक्टर होंगे। मौजदा कलेक्टर आदित्य सिंह को भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग में उपसचिव बनाया गया है।

कलेक्टर आदित्य सिंह के खिलाफ एक जमीन के नामांतरण में रिश्वत मांगने की शिकायत हुई थी। मामला दिल्ली तक पहुंचा था, जिसके बाद राज्य शासन ने इस पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारियों के नाम का पैनल चुनाव आयोग के पास भेजा था। जहां से साकेत मालवीय के नाम पर सहमति मिलने के उपरांत सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा उनके स्थानांतरण का आदेश जारी कर दिया।

नई ऊंचाइयों पर दाम : चांदी 10 हजार बढ़कर 3.19 लाख पहुंची

सोने की कीमत पहली बार 1.5 लाख के पार

नई दिल्ली, जेएनएन। सोने की कीमत 21 जनवरी को 1.50 लाख रुपए पार कर गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार सोना 1,55,204 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला था। हालांकि, इसके बाद इसके दाम में थोड़ी गिरावट आई और ये 6,818 रुपए बढ़कर 1,54,227 रुपए पर बंद हुआ। सोना इस साल अब तक 21,032 रुपए महंगा हो चुका है। कल ये 1,47,409 रुपए पर था। वहीं 1 किलो चांदी 3,20,075 रुपए किलो पर ओपन हुई थी। हालांकि, इसके बाद इसकी कीमत में भी थोड़ी कमी आई और ये 9,752 रुपए बढ़कर 3,19,097 रुपए पर बंद हुई। इससे पहले कल ये 3,09,345 रुपए पर थी। चांदी इस साल सिर्फ 21 दिनों में ही 88,677 रुपए महंगी हो चुकी है। सोने-चांदी के दाम लगातार तीसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर हैं।

तेजी के बड़े कारण

ग्लोबल टेंशन और 'ग्रीनलैंड' विवाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी से वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।

रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी

भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। जानकारों के मुताबिक, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।

सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का आरबीआई) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

1.90 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 में 1,90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी 4 लाख रुपए तक जा सकती है।

2025 में सोना 75 चांदी 167 फीसदी महंगी

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75 फीसदी) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167 फीसदी) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई। चांदी में तेजी के पीछे इंडस्ट्रियल डिमांड, सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी में भारी इस्तेमाल प्रमुख है। चांदी अब सिर्फ ज्वेलरी नहीं, जरूरी कच्चा माल बन गई है।

अरावली में रोक के बाद भी अवैध खनन : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को अरावली पहाड़ियों पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि रोक के बावजूद भी अवैध खनन चल रहा है। इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा, खनन रोकने के लिए विशेषज्ञों की एक एक्सपर्ट कमेटी गठित करेगा। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से गारंटी ली कि अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का खनन नहीं होने दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा, कुछ तरह की अवैध गतिविधियां अब भी जारी हैं। अवैध खनन से ऐसे हालात बन सकते हैं, जिन्हें सुधारा नहीं जा सकेगा। नई रिट याचिकाएं दाखिल न करें। हमें पता है कि ये याचिकाएं क्यों दायर की जा रही हैं। अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा, हम अरावली का इतिहास जानते हैं। इसकी परिभाषा के पीछे विज्ञान होना चाहिए। सीजेआई ने कहा, हमें अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की जरूरत है। सभी लोग नाम सुझाएं। हम चरणबद्ध तरीके से एक्सपर्ट्स की टीम बनाएंगे। सिब्बल ने कहा, कृपया 30 मिनट की प्रारंभिक सुनवाई हो।

आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी व संचालक के घर राजस्थान एसटीएफ का छापा

फर्जी मार्कशीट से जुड़ा मामला, तीन टीमों ने की कार्रवाई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी की आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी समेत संचालक सुनील कपूर के घर पर राजस्थान एसटीएफ ने फर्जी मार्कशीट मामले में मंगलवार को छापे मारे हैं। इस कार्रवाई के दौरान यूनिवर्सिटी परिसर, शाखा कार्यालय और संचालक सुनील कपूर के घर की जांच की सूचना मिली है। मंगलवार सुबह लगभग 11 बजे राजस्थान स्पेशल टास्क फोर्स की टीम आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी से जुड़े तीन स्थानों पर एक साथ पहुंची।

जानकारी के अनुसार, यह रेड राजस्थान में फर्जी मार्कशीट और शैक्षणिक प्रमाण पत्रों से जुड़े एक घोटाले की जांच के तहत की गई। इस घोटाले में कुछ फर्जी मार्कशीट राजस्थान पुलिस के हाथ लगी थीं, जिसके बाद राजस्थान की टीमें भोपाल पहुंचीं। जानकारी के मुताबिक, राजस्थान पुलिस की तीन टीमों ने गांधी नगर स्थित आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी कैंपस, कोलार इलाके में स्थित ब्रांच ऑफिस और संचालक सुनील कपूर के निवास पर तलाशी अभियान चलाया। इस पूरी कार्रवाई को बेहद गोपनीय रखा गया था।

एसटीएफ के आते ही मेन गेट किया बंद

मंगलवार सुबह जैसे ही एसटीएफ की टीम आरकेडीएफ के कैंपस में पहुंची, वैसे ही मुख्य द्वार बंद करा दिए गए। इस दौरान परिसर में मौजूद कर्मचारियों और स्टाफ को न तो बाहर जाने की अनुमति दी गई और न ही स्टूडेंट्स को एंट्री मिली। अचानक हुए इस एक्शन से यूनिवर्सिटी में अफरा-तफरी का माहौल रहा। गेट बंद होने की जानकारी कुछ छात्रों ने सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दी। बताया जा रहा है कि राजस्थान में दर्ज एक प्रकरण की जांच के दौरान आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी से जारी कथित फर्जी मार्कशीट और अन्य शैक्षणिक दस्तावेजों के उपयोग के सुराग मिले थे। छापे के दौरान राजस्थान एसटीएफ द्वारा यूनिवर्सिटी के अलग-अलग विभागों से फाइलें, कंप्यूटर डेटा और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड जब्त करने की भी सूचना मिली है। हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे के अनुसार राजस्थान एसटीएफ की टीम मंगलवार को पहले पुलिस स्टेशन पहुंची और कार्रवाई की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस थाने की फोर्स के साथ राजस्थान एसटीएफ की टीम ने कार्रवाई की।

लिवइन में महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी मानें: कोर्ट

चेन्नई, जेएनएन। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को सुरक्षा तभी मिलेगी, जब उन्हें पत्नी का दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे रिश्तों में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा नहीं मिल पाती इसलिए कोर्ट की जिम्मेदारी बनती है कि महिलाओं को संरक्षण दें। जस्टिस एस श्रीमथी ने यह टिप्पणी एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। शख्स पर आरोप है कि वह महिला के साथ पहले लिव-इन में रहा। फिर शादी का झूठा वादा कर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि पुरुष पहले मॉडर्न बनकर लिव-इन का रिश्ता बनाते हैं। बाद में रिलेशनशिप खराब होने पर महिला के कैरेक्टर पर सवाल उठाते हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन को लेकर कोई नियम नहीं हैं।

क्या था पूरा मामला

पीड़ित ने कहा कि वे और आरोपी स्कूल से एक-दूसरे को जानते थे, बाद में रिलेशनशिप में आए। अगस्त 2024 में दोनों घर से भाग गए और शादी करने का मन बनाया। लेकिन महिला के परिवार ने गायब होने की शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने कपल को पकड़कर घर पहुंचा दिया। बाद में आरोपी एग्जॉम देने के बहाने शादी टालता रहा। इस दौरान उनके बीच शारीरिक संबंध भी बने। रिश्ता बाद में टूट गया और महिला ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। आरोपी ने अग्रिम जमानत मांगी और कहा, रिश्ता सहमति से था। उसे महिला के पिछले बॉयफ्रेंड के बारे में जानकारी मिली, जिससे उसने रिश्ता तोड़ दिया। आरोपी ने बेरोजगारी और आर्थिक तनाव का हवाला देते हुए शादी नहीं करने के कारण बताए।

उदयनिधि का बयान हेट स्पीच

मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन की सनातन के खिलाफ की गईं बातें हेट स्पीच के दायरे में आती हैं। साल 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए कहा था कि इसे मिटा देना चाहिए। इस बयान का काफी विरोध हुआ। भाजपा आईटी विभाग के हेड अमित मालवीय ने स्टालिन के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह बयान देश के 80 फीसदी सनातन धर्म मानने वालों के खिलाफ है। हालांकि, स्टालिन की डीएमके पार्टी के एक नेता ने उल्टा मालवीय के खिलाफ केस कर दिया। आरोप लगाया कि मालवीय ने स्टालिन के बयान को तोड़-मरोड़ के पेश किया। मालवीय ने एफआईआर के खिलाफ कोर्ट में याचिका लगाई। तीन साल बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने अब एफआईआर को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस. श्रीमथी ने कहा, मालवीय ने स्टालिन के बयान पर केवल प्रतिक्रिया दी थी। ऐसी प्रतिक्रिया पर केस चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। हाईकोर्ट ने कहा कि दुख की बात यह है कि हेट स्पीच देने वाले पर कोई केस नहीं, जबकि उस पर प्रतिक्रिया देने वाले पर एफआईआर दर्ज कर दी गई।

तकनीक

मशहूर इन्वेस्टर नोबल ने बताया क्यों गहरे संकट में है ऑल्टमैन की कंपनी

रियल टाइम में तेजी से गिर रहा है ओपनएआई

नई दिल्ली, जेएनएन। मशहूर इन्वेस्टर जॉर्ज नोबल ने चेतावनी दी है कि 500 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन के बावजूद ओपनएआई टूट रहा है। उन्होंने इंटरनल कोड रेड अलर्ट, घटते चैटजीपीटी ट्रैफिक, 12 बिलियन डॉलर के बड़े तिमाही नुकसान और सोरा जैसे टूल्स की अनसस्टेनेबल कॉस्ट का हवाला दिया। बड़े लोगों के जाने और एलन मस्क के मुकदमे ने इंटरनल उथल-पुथल और फाइनेंशियल स्ट्रेन को और हाईलाइट किया है।

पुराने इन्वेस्टर जॉर्ज नोबल ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, एआई की यह पसंदीदा कंपनी अपनी वैल्यूएशन के बावजूद रियल टाइम में बिखर रही है। एक्स पर एक कड़े एनालिसिस में नोबल ने उन बातों पर जोर दिया जिन्हें वे परेशानी के साफ संकेत कहते हैं।

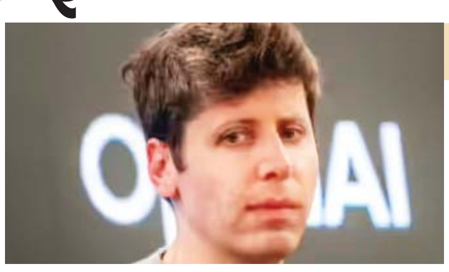

सबसे बड़ा रेड फ्लैग?

दिसंबर में ओपनएआई का इंटरनल कोड रेड मेमो, जिसमें सैम ऑल्टमैन ने कथित तौर पर कर्मचारियों से सबकुछ छोड़ने को कहा था, क्योंकि गूगल की जेमिनी, चैटजीपीटी के दबदबे को कम कर रही है। यह खतरा कोई मनगढ़ंत बात नहीं है। चैटजीपीटी ट्रैफिक लगातार दो महीनों से कम हो रहा है, जबकि जेमिनी के मंथली यूजर्स बढ़कर 650 मिलियन हो गए हैं।

वित्तीय नुकसान और भी बुरा

नोबल ने माइक्रोसाफ्ट के खुलासों की ओर इशारा किया, जिसमें दिखाया गया है कि ओपनएआई ने एक ही तिमाही में 12 बिलियन डॉलर गंवा दिए। ड्यूश बैंक का अनुमान है कि कंपनी प्रॉफिट कमाने से पहले 143 बिलियन डॉलर का नुकसान उठाएगी। वीडियो टूल सोरा को चलाने में अकेले रोजाना 15 मिलियन डॉलर का खर्च आता है।

टीम से आधे लोग बाहर

सीटीओ मीरा मुराती, चीफ साइंटिस्ट इल्या सुत्स्केवर और एआई सेफ्टी टीम के आधे लोग बाहर चले गए हैं। इस बीच जीपीटी-5 इतनी बुरी तरह फ्लॉप हुआ कि ओपनएआई को यूजर्स के विरोध के 24 घंटे के अंदर जीपीटी-4 को रिस्टोर करना पड़ा। अब एलन मस्क का 134 बिलियन डॉलर का मुकदमा अप्रैल में ट्रायल के लिए तैयार है।

असली कहानी पैसे की है

माइक्रोसॉफ्ट के फाइनेंशियल डिस्क्लोजर के अनुसार, ओपनएआई को एक तिमाही में 12 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। ड्यूश बैंक का अनुमान है कि कंपनी के प्रॉफिटेबल होने से पहले कुल नेगेटिव कैश फ्लो 143 बिलियन डॉलर था। उनके एनालिस्ट ने साफ-साफ कहा, इतिहास में किसी भी स्टार्टअप ने इतने बड़े पैमाने पर नुकसान के साथ काम नहीं किया है।

बहुत निराशा के साथ लॉन्च हुआ जीपीटी-5

रिपोर्ट्स बताती हैं कि 2025 में ओपनएआई के बड़े ट्रेनिंग रन पिछले वर्शन से बेहतर मॉडल बनाने में फेल रहे। जीपीटी-5 को बहुत निराशा के साथ लॉन्च किया गया। यूजर्स ने इसे बहुत कमजोर और बहुत खराब कहा। ओपनएआई को 24 घंटे के अंदर जीपीटी-4श को रिस्टोर करना पड़ा, क्योंकि यूज़र्स पुराने मॉडल को पसंद करते थे। ऑल्टमैन ने वादा किया था कि जीपीटी-5, जीपीटी-4 को थोड़ा शर्मनाक महसूस कराएगा। इसके बजाय यूज़र्स ने शिकायत की कि यह बेसिक मैथ और जियोग्राफी में खराब था। उन्होंने तब से जीपीटी-5.1, जीपीटी-5.2 रिलीज किए हैं।

कोई भी शक्ति अनियंत्रित नहीं हो सकती: कोर्ट

एसआईआर के परिणाम गंभीर होंगे, 7 दस्तावेज तय तो 11 क्यों

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा, मतदाता सूची में एसआईआर के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं होते। कोर्ट ने कहा 'कोई भी शक्ति अनियंत्रित नहीं हो सकती।' सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बैंच बिहार समेत विभिन्न राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने दलीलें रखीं। जस्टिस बागची ने दस्तावेजों की सूची का जिक्र करते हुए कहा, जहां फॉर्म-6 में 7 दस्तावेज तय हैं, वहीं एसआईआर प्रक्रिया में 11 दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। क्या आयोग मनमाने ढंग से दस्तावेज जोड़-घटा सकता है।

प.बंगाल की फाइनल वोटरलिस्ट की बदल सकती है तारीख

पश्चिम बंगाल में एसआईआर की समय-सीमा बढ़ाई जा सकती है। चुनाव आयोग 14 जनवरी को जारी होने वाली फाइनल वोटर लिस्ट की तारीख बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आयोग ने सुनवाई की अंतिम तारीख 7 फरवरी और फाइनल वोटर लिस्ट की अंतिम तारीख 14 फरवरी तय की थी। ईसी अधिकारी ने कहा- लोकल लेवल पर लिस्ट लगाना, हर वोटर को रसीद देना लंबी प्रोसेस है। जल्दबाजी नहीं कर सकते। अधिकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन करना मौजूदा समय-सीमा में मुश्किल है।

संक्षिप्त खबरें

सहायक प्रोफेसर नियुक्ति याचिका के निर्णय के अधीन

जागरण, जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने शासकीय मेडिकल कॉलेज खंडवा के दंत चिकित्सा विभाग में सहायक प्रोफेसर नियुक्ति को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन कर दिया है। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, नेशनल मेडिकल एजुकेशन, नंद कुमार सिंह चौहान मेडिकल कॉलेज खंडवा के डीन व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। ग्वालियर निवासी डॉ राहुल शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने बताया कि सहायक प्रोफेसर (डेंटिस्ट्री) की चयन प्रक्रिया में याचिकाकर्ता मेरिट पर नंबर एक पर था। इसके बावजूद साक्षात्कार के लिए उसे नहीं बुलाकर अपनों को उपकृत करने के उद्देश्य से कम मेरिट वालों को बुलाया गया। विगत 20 जनवरी को साक्षात्कार हो चुका है।

रीवा कॉलेज में गोपनीय प्रतिवेदन पर विवाद

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। रीवा के गर्ल्स पीजी कालेज में गोपनीय प्रतिवेदन (सीआर) को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। प्राध्यापक संघ ने अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग और आयुक्त उच्च शिक्षा को पत्र लिखकर प्रभारी प्राचार्य एवं प्रभारी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक द्वारा लिखे गए गोपनीय प्रतिवेदनों को अमान्य करने और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। संघ के अनुसार कालेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. विभा श्रीवास्तव ने 33 प्राध्यापकों में से 22 के गोपनीय प्रतिवेदन में 'निकृष्ट, अक्षम और अनुशासनहीन' जैसी गंभीर टिप्पणियां दर्ज की हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी कनिष्ठ या समकक्ष अधिकारी वरिष्ठ पद के प्रभार में रहते हुए अपने समकक्ष अधिकारियों का गोपनीय प्रतिवेदन नहीं लिख सकता।

अवकाश नकदीकरण का लाभ 60 दिन में दें

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने एक याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण कर दिया कि अवकाश नकदीकरण का लाभ 60 दिन के भीतर प्रदान किया जाए। याचिकाकर्ता बालाघाट निवासी कलीमुद्दीन कुरैशी की ओर से अधिवक्ता प्रेमेंद्र सेन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता ने अवकाश के बदले नकदीकरण के लाभ का प्रविधान है। इसी आधार पर विभाग में अभ्यावेदन दिया गया था। उसे दरकिनार कर दिया गया। इसी कारण हाई कोर्ट की शरण ली गई है। कोर्ट ने आदेश में साफ किया कि नियत अवधि में शिकायत दूर कर याचिकाकर्ता को निर्णय से अवगत कराया जाए।

एसआईआरः प्रभारी बनाए गए नायब तहसीलदार

जागरण, भोपाल। एसआईआर का काम समय पर पूरा करने अपर कलेक्टर ने आदेश जारी कर नायब तहसीलदारों को विधानसभा स्तरीय निर्वाचन शाखा प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। इसमें बैरसिया का नायब तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद त्यागी, उत्तर का केके पंडोले, नरेला का दृष्टि चौबे, दक्षिण-पश्चिम का इदरीश खान, मध्य का प्रेम प्रकाश गोस्वमी,गोविंदपुरा का अंकिता यदुवंशी और हुजूर के प्रभारी शुभम जैन को बनाया गया है। यह नायब तहसीलदार निर्वाचन कार्य करने व जिला निर्वाचन कार्यालय से संवाद स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाएंगे।

निरीक्षण में अनुपस्थित मिले वार्ड प्रभारी निलंबित

जागरण संवाददाता, भोपाल। बुधवार को अशोका गार्डन क्षेत्र स्थित वार्ड 71 में औचक निरीक्षण करने पहुंचे सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग को वार्ड प्रभारी कार्यालय में नदारद मिले। इसके पहले मंत्री सारंग को स्थानीय लोगों से वार्ड प्रभारी के संबंध में शिकायतें मिली थीं, जिसके चलते मंत्री वार्ड कार्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। मौके पर पेंशन संबंधी कार्यों के लिए आए नागरिकों को वार्ड प्रभारी के नदारद रहने के परेशान होना पड़ रहा था। मंत्री ने वार्ड कार्यालय से ही नगर निगम आयुक्त को फोन कर वार्ड को तत्काल निलंबित करने के लिए कहा, जिसके बाद आयुक्त संस्कृति जैन ने वार्ड प्रभारी को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए।

दावे पर लो उचित निर्णय

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एडीशनल डायरेक्टर वित्त भोपाल को निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता के ग्रेज्युटी व अन्य भुगतान संबंधी अभ्यावेदन पर विचार कर उचित निर्णय पारित करें। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने इसके लिए 60 दिन की मोहलत दी है। मंडला निवासी संजीव कुमार उइके की ओर से अधिवक्ता प्रभात असाटी ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ता रानी दुर्गावती महाविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के पद पर पदस्थ थे। छठवें वेतनमान की गणना करने के बाद उन्हें 2 लाख 93 हजार रुपए का भुगतान किया गया।

पर्यटन क्षेत्र में मध्यप्रदेश के साथ काम करेगा मालदीव

विशेष संवाददाता, भोपाल। दावोस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को कई अहम बैठकों में भाग लिया। उन्होंने मालदीव के मंत्री मोहम्मद सईद से पर्यटन को लेकर वन टू वन चर्चा की। चर्चा के दौरान मध्यप्रदेश और मालदीप पर्यटन और मानव संसाधन विकास को लेकर साथ काम करने पर सहमति बनी। दावोस में अलग-अलग सेक्टरों में कई बैठकें व राउंड टेबल बैठकआहुत हुई, जिसमें सीएम ने निवेशकों के साथ मंत्रणा की, तो उनकी मौजूदगी में कुछ एमओयू भी किए गए।

चिकित्सा, शिक्षा, वन्य जीव संरक्षण पर सीएम और मालदीव के मंत्री ने की वन टू वन चर्चा

दावोस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मालदीव के आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद से वन-टू-वन चर्चा की। बैठक में पर्यटन को साझा आधार बनाते हुए चिकित्सा, शिक्षा, वन्य जीव संरक्षण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचार किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और मालदीव के बीच कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ परस्पर पूरक क्षमताओं के आधार पर दीर्घकालिक साझेदारी विकसित की जा सकती है। उन्होंने विशेष रूप से चिकित्सा पर्यटन, मत्स्य पालन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, वन्य जीव संरक्षण और सांस्कृतिक गतिविधियों को सहयोग के प्रमुख आयाम बताया। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की समृद्ध जैव-विविधता, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वन्य जीव अभयारण्य, तेजी से उभरता मेडिकल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर और सांस्कृतिक विरासत राज्य को वैश्विक सहयोग के लिए एक सक्षम भागीदार बनाते हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पर्यटन आधारित सहयोग से निवेश, कौशल विकास और लोगों के बीच संपर्क को मजबूती मिलेगी। मालदीव के मंत्री ने पर्यटन को दोनों क्षेत्रों के बीच स्वाभाविक और सशक्त सेतु बताया। उन्होंने कहा कि मालदीव, मध्यप्रदेश के साथ मिलकर पर्यटन, मानव संसाधन विकास और अनुभव साझा करने के अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी संवाद को संस्थागत रूप देने, प्रतिनिधिमंडल स्तर के दौरों को प्रोत्साहित करने और सहयोग के ठोस रोडमैप पर आगे बढ़ने पर सहमति व्यक्त की। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच पर हुई यह बातचीत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा रही है।

यूनाईटेड कॉन्सियसनेस ग्लोबल उज्जैन में वर्ष 2027 में होगी

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यूनाईटेड कॉन्सियसनेस ग्लोबल के प्रतिनिधिमंडल से भेंट की। इस मौके पर प्रतिनिधियों ने उज्जैन में वर्ष 2027 में यूनाईटेड कॉन्सियसनेस ग्लोबल आयोजित करने की योजना की जानकारी दी। यह सम्मेलन कालिदास अकादमी में प्रस्तावित है। इसमें विभिन्न देशों से योग, ध्यान और चेतना से जुड़े विशेषज्ञों के शामिल होने की संभावना है। संगठन ने उज्जैन में योग केंद्र स्थापित करने की मंशा भी व्यक्त की। डॉ. यादव ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा होने के साथ वैश्विक स्वास्थ्य से जुड़ा एक साझा मंच बन चुका है।

सीएम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एनवीडिया के साथ की चर्चा

मुख्यमंत्री ने दावोस में एनवीडिया की ग्लोबल एआई इनिशिएटिव्स की उपाध्यक्ष कैलिस्टा रेडमंड के साथ चर्चा की। जिसमें मध्यप्रदेश सरकार और एनवीडिया ने राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने पर सहमति जताई। बैठक में तय हुआ कि ऐसे प्रयास किए जाएगें कि जिससे राज्य में नवाचार, कौशल विकास और तकनीक-आधारित विकास को नई दिशा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सदुपयोग से किसानों सहित समाज के विभिन्न वर्गों तक योजनाओं और सेवाओं का लाभ अधिक दक्षता और पारदर्शिता के साथ पहुँचाया जाएगा।

नेशनल जियोग्राफिक के जरिए दुनिया देखेगी एमपी की खूबसूरती

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन को नई ऊंचाई पर ले जाने मंगलवार को जियोस्टार के अफसरों के साथ बैठक की। जियो स्टार के सहयोगी नेशनल जियोग्राफिक चैनल के साथ मिलकर कई प्रोजेक्ट्स तैयार करने पर जोर दिया गया। इसका मकसद प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक विरासत और वन्यजीवों के वैभव पर इंटरनेशनल लेवल की डॉक्यूमेंट्री के साथ डिजिटल कंटेंट बनाकर दुनिया के सामने पेश करना है।

दावोस में नए लुक में नजर आए सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. माहन यादव का एयरपोर्ट पर स्वागत करती मध्यप्रदेश की फर्स्ट सेक्रेटरी वीना टिर्की।

स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 के बैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश ने भी निवेश के लिए अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। राज्य का प्रतिनिधिमंडल पिछले दो दिनों से दावोस में ही है। ऊर्जा परिवर्तन, डिजिटल नवाचार, अधोसंरचना विकास और निवेश सहयोग के लिए विश्व की अग्रणी कंपनियों के साथ चर्चा की जा रही है। अब प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव भी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल होने के लिए स्विट्जरलैंड पहुंच गए हैं। एमपी की फर्स्ट सेक्रेटरी वीनी तिर्की ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। स्विट्जरलैंड में कड़ाके की ठंड में सीएम डॉ.मोहन यादव जैकेट और पेंट में नजर आए।

मध्यप्रदेश को खेलों का बनाएंगे वैश्विक केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को दावोस में विश्व प्रसिद्ध फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के एक्जीक्यूटिव को-चेयर एवं निदेशक अवराम एवी ग्लेजर से मुलाकात की और उनसे खेल विकास, निवेश, जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने, खेल पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों से जुड़े संभावित सहयोग पर चर्चा कर रहे थे। अवराम एवी ग्लेजर ने कहा कि मध्यप्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक क्षमताओं को देखते हुए मैनचेस्टर क्लब और उससे जुड़े नेटवर्क मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग करने को तैयार है।

जनजातीय कल्याण के क्षेत्र में निवेश पर हुआ संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावोस में स्विट्जरलैंड संसद की नेशनल काउंसिल के सदस्य सेम्युअल गगर से चर्चा की और उन्हें बताया कि मध्यप्रदेश देश में सर्वाधिक जनजातीय आबादी वाला राज्य है और जनजातीय कल्याण, सतत आजीविका तथा समावेशी विकास राच्य सरकार की प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान रखते हैं। बैठक में स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों, प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल समाधानों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। स्विस संसदीय प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश आमंत्रित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई, जिससे पर्यावरण-संरक्षण और इंडस्ट्रियल ट्रांजिशन जैसे विषयों पर नीति स्तर पर अनुभव और दृष्टिकोण का आदान-प्रदान किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दावोस यात्रा के दौरान यह संवाद अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को धरातल पर उतारने की दिशा में एक यथार्थवादी और संतुलित कदम है, जो मध्यप्रदेश को सतत विकास, कौशल निर्माण और वैश्विक सहयोग के नए अवसरों से जोड़ता है।

सैंडोज से फार्मा क्षेत्र में निवेश पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावोस में सैंडोज के स्मॉल मॉलिक्यूल्स एवं एंटी-इन्फेक्टिव्स ऑपरेशन्स के ग्लोबल हेड कार्लो गार्गियुलो के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने फार्मा क्षेत्र में निवेश एवं विस्तार के लिए मध्यप्रदेश की अनुकूल नीतियों, औद्योगिक अवसंरचना तथा नीतिगत समर्थन की जानकारी देते हुए सैंडोज़ को राच्य में निवेश के लिये आमंत्रित किया।

दिग्विजय ने कहा- भोजशाला में एएसआई का आदेश लागू हो, भाजपा ने जताया एतराज

बसंत पंचमी की पूजा और जुमे की नमाज पर विवाद, सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि धार की भोजशाला में एएसआई का आदेश लागू किया जाना चाहिए, जिससे शुक्रवार को बसंत पचंमी की पूजा और जुमे की नमाज के समय को लेकर विवाद खत्म हो सके। इस पर भाजपा ने एतराज जताया है। हालांकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है, जहां 22 जनवरी को सुनवाई होनी है। गौरतलब है कि भोजशाला में बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ने की वजह से विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसे लेकर बुधवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस मामले को विवाद की स्थिति से बचाने के लिए एएसआई द्वारा पहले से जारी आदेशों का सख्ती से पालन कराया जाए। उन्होंने इस संबंध में सोशल मीडिया में लिखा है कि इससे पहले भी ऐसे मौके आए हैं जब बसंत पंचमी और जुमे की नमाज एक ही दिन पड़ी थी। तब तत्कालीन केन्द्र सरकार के अनुसार धार जिला प्रशासन ने दोनों समुदायों से बातचीत कर शांतिपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित कराई थी। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि एएसआई ने वर्ष 2003, 2013 और 2013 में जब ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई तो प्रशासन ने बसंत पंचमी की पूजा सूर्योदय से दोपहर 1 बजे तक और फिर दोपहर 3:30 से सूर्यास्त तक का समय तय किया। जबकि दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जुमे की नमाज के लिए समय निर्धारित किया गया था। सिंह से राज्य शासन और स्थानीय प्रशासन से एक बार फिर से एएसआई के आदेश लागू कराए जाने का आग्रह किया है।

भोजशाला की विस्तृत खबर पेज-8 पर पढ़ें

मुस्लिम समाज से बात करें दिग्विजय

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि साल में एक बार मां सरस्वती की पूजा का दिन आता है और सभी को पूजा करने की अनुमति मिलनी चाहिए, क्योंकि विद्या की जरूरत हिंदू और मुस्लिम दोनों को है, इसलिए सभी को पूजा करनी चाहिए। उन्होंने दिग्विजय सिंह से कहा कि अगर वे मुस्लिम समाज के नेता हैं तो उनसे बात करें, ताकि शांति से पूजा हो सके। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि वे हमेशा विभाजन और वर्ग संघर्ष की राजनीति करते हैं और लगातार हिंदू धर्म, सनातन संस्कृति और देश का विरोध करते रहे हैं। सारंग ने कहा कि भगवा आतंकवाद जैसे शब्दों से उन्होंने सनातन धर्म को बदनाम किया। उन्होंने दिग्विजय सिंह के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बताया. भोजशाला की सुरक्षा चाक-चौबंद, मेटल डिटेक्टर, डॉग और बम स्क्वॉड के साथ एक्सट्रा फोर्स तैनात

अनिश्चितकालीन सत्याग्रह पर बैठे कर्मचारी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के बैनरत तले बुधवार को दैनिक वेतन भोगी, स्थाईकर्मी, अंशकालीन कर्मचारियों ने पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में सतपुड़ा के गेट नंबर 2 के समक्ष अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आंदोलन पर बैठ गए हैं। सत्याग्रह में प्रमोद बर्डे बैतूल, महेंद्र सारस धार, भूपेंद्र पांडे भोपाल, जितेंद्र बरखड़े बैतूल, राकेश कुशवाहा रीवा बैठे। आंदोलन में सागर, रीवा, बैतूल, धार, विदिशा, बालाघाट, मंडला के सैकड़ो अस्थाई कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार ने 22 दिसंबर 2025 को आदेश जारी कर अस्थाई 5 संवर्ग के 3 लाख पद संखेतर घोषित कर दिए हैं जिस कारण स्थाई कर्मी दैवेभो अंशकालीन कर्मचारी अधिकार विहीन हो गए हैं। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ नहीं दिया जा रहा है। कर्मचारियों को न्यायालय आदेश के बाद भी नियमित नहीं किया जा रहा है। कर्मचारियों को भी अभी तक कलेक्टर दर का वेतन नहीं दिया गया है, जिस कारण प्रदेश के अस्थाई कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त हो गया है।

जमीनों पर मुआवजे की राशि को बढ़ा सकती है सरकार

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के किसानों, भू-स्वामियों को उनकी जमीनों पर मुआवजे की राशि बढ़ सकती है। इसके लिए सरकार द्वारा तीन मंत्रियों की गणना फैक्टर निर्धारण समिति बनाई है। मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि सरकार विकास के साथ नागरिकों के हितों का भी ध्यान रखती है। मंत्रालय में इस संबंध में समिति में शामिल मंत्री राकेश सिंह,तुलसी सिलावट और चैतन्य काश्यप ने पत्रकारों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार विकास के साथ उन किसानों एवं आम नागरिकों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा जाए, जिनकी भूमि विकास परियोजनाओं के लिए उपयोग में लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भूमि अर्जन की प्रक्रिया ऐसी हो कि प्रभावित परिवारों को उचित, न्यायसंगत और बेहतर मुआवजा प्राप्त हो सके। मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास, अधोसंरचना निर्माण और अन्य विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भूमि की उपलब्धता आवश्यक है। भूमि अर्जन के दौरान अधोसंरचना से जुड़े कार्यों में मुआवजा राशि की गणना में किसी भी प्रकार की विसंगति न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में भू-अर्जन मुआवजा गणना फैक्टर निर्धारण के लिये मंत्री समिति का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में मुआवजा गणना का फैक्टर-1 निर्धारित है। इस फैक्टर को बढ़ाने की संभावना पर विचार करने और सभी पक्षों की राय प्राप्त करने समिति गठित की गई है। श्री सिंह ने कहा कि समिति द्वारा किसानों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, प्रतिनिधियों, किसान संगठनों, चैंबर ऑफ कॉमर्स, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री सहित विभिन्न संगठनों एवं जन-मानस के सुझावों को सुना जाएगा।

250 अटैच शिक्षक परीक्षाओं के लिए कार्यमुक्त

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर सख्ती, अटैच शिक्षक अपने मूल स्कूल में उपस्थित देने पर ले पाएंगे वेतन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के स्कूलों में एक फरवरी को एस्मा लग जाएगा। इसके पहले सभी अटैच शिक्षकों को स्कूलों में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी, जिसके बाद उन्हें फरवरी का वेतन मिलेगा। जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार ने इस संबंध आदेश भी जारी कर दिए हैं। वहीं कलेक्टर के आदेश से बीएलओ कार्य में लगे शिक्षकों में ड्यूटी को लेकर असमंजस की स्थिति है। राजधानी में ढाई सौ ऐसे शिक्षक हैं जो मुख्य पदांकित संस्था छोड़ अपनी पसंद की जगहों पर सालों से अटैच हैं। ज्यादातर संकुल प्राचार्यों ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अनुमोदन के बाद अटैच कराया है। करीब दो सौ शिक्षकों की मुख्य पदस्थापना अपने घरों से दूर है। उन्होंने संकुल प्राचार्यों से शैक्षणिक व्यवस्था के नाम पर संलग्नीकरण कराया है।

50 ऐसे शिक्षक मतदाता सूची के नाम पर दूसरे शासकीय कार्यालयों में अटैच हैं। हाल ही में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया गया था, जहां मौजूद शिक्षकों ने ही उन्हें यह समस्या बताई। डीईओ अहिरवार को बताया गया कि शिक्षकों को दूसरी जगह संलग्न किया गया है। अब पढ़ाने वाले नहीं हैं तो कहां से बच्चों की तैयारियां करवाई जाएं। इसके बाद भी शिक्षा अधिकारी को यह कार्यवाही करनी पड़ी है।

डीईओ ने जारी किए आदेश, ई-सेवा पुस्तिका होगी अपडेट

शासन द्वारा जारी आदेश के बाद जिला शिक्षा अधिकारी अहिरवार ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि मशिमं की परीक्षा और 31 जनवरी तक ई-सेवा पुस्तिका अपडेट होगी। इसके चलते सभी शिक्षकों का अटैचमेंट खत्म हो गया है। सभी शिक्षक अपनी उपस्थिति अपने मूल पदांकित स्कूल में देंगे। वे 31 जनवरी तक अपनी ई-सेवा पुस्तिका में अपडेट कराएंगे। फरवरी का वेतन मूल पदांकित स्कूल में उपस्थिति देने के बाद दिया जाएगा। शिक्षक के अन्यत्र अटैचमेंट या शैक्षणिक व्यवस्था होने की दशा में उनका वेतन आहरित होता है या कोई भी अप्रिय स्थिति होने पर वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। जानकारी के मुताबिक संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ही कई शिक्षक अटैच हैं। उनके लेकर अभी स्थिति साफ नहीं हुई है।

बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से, एक से लगेगा एस्मा

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं-12वीं बोर्ड की परीक्षाएं 10 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षाओं में 16 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। शासन ने एसेंशियल सर्विस एंड मेंटेनेंस (एस्मा) लगा दिया है। एस्मा 1 फरवरी से 30 अप्रैल तक लागू रहेगा। उक्त तिथि तक शिक्षक सामान्य के साथ संतान पालन अवकाश (सीसीएलई) के लिए अवकाश नहीं ले पाएंगे। शिक्षक आंदोलन, धरना-प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे।

> बीएलओ कार्य में लगे शिक्षकों की सूची कलेक्टर ने बुलाकर उन्हें परीक्षा में ड्यूटी करने कार्यमुक्त किया जाएगा। इससे असमंजस स्थिति नहीं बनेगी। अटैच शिक्षक अपने मूल स्कूल में उपस्थिति देंगे। तभी उनका फरवरी में वेतन जारी होगा।
>
> **नरेंद्र कुमार अहिरवार,** जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

संवाद

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में 85 बिंदुओं पर सीएस ने की जिलावार समीक्षा

सीएस की कलेक्टरों से दो टूक... करप्सन से रहें दूर

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बुधवार को कलेक्टरों से कहा कि उन्हें सरकार की प्राथमिकता के साथ जनता के हितों को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगानी होगी। कम से कम इस पोस्ट पर बैठे अधिकारी पर करप्शन जैसे आरोप नहीं लगने चाहिए। उन्होंने कहा कि कहां क्या हो रहा है, सबकी खबर पता चल जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गैरमौजूदगी में मुख्य सचिव अनुराग जैन मंत्रालय में कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। बैठक में सीएस ने बीते साल अक्टूबर में हुई दो दिवसीय कांफ्रेंस में सौंपे गए टास्क की समीक्षा की। 85 बिंदुओं पर जिलावार समीक्षा की गई और जिसमें पहले तीन और अंत से तीन जिलों की परफार्मेंस के आधार रखते हुए अधिकारियों से सीधे बात भी की। उन्होंने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताते हुए कहा कि अधिकारी अब भी विभाग से जुड़े मामलों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे है। उन्होंने आरसीएमएस प्रकरणों के निराकरण में लेट लतीफी पर एतराज जताते हुए कहा कि लगता है कि इस मामले से जुड़े अधिकारियों पर कलेक्टरों का कंट्रोल नहीं है। कई जिलों के कलेक्टरों के खिलाफ मंत्रियों से लेकर सीएम और उनके स्तर तक शिकायतें पहुंच रही है। कोई ये न समझे किसके यहां क्या पक रहा है,यह जानकारी उन तक नहीं पहुंचती है। सभी को हिदायत दी जा रही है कि करप्शन से दूर रहे और जनता के हित में सरकार की प्राथमिकता को पूरा करने के लिए अपना पूरा योगदान दें। अधिकारियों को मैदानी पोस्टिंग इसलिए दी जाती है, कि उनसे सरकार और शासन को बहुत उम्मीद होती है, यदि अधिकारियों पर आरोप लगते है या उनके खिलाफ शिकायतें आती है, तो अच्छा नहीं लगता है। अधिकारियों को पूरा ध्यान जिलों के विकास और सरकार की योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन कराने पर लगाना होगा। जो अधिकारी ऐसा नहीं करेंगे, तो शासन अपने स्तर पर निर्णय लेने को बाध्य होगा। जानकारों की माने तो सीएस जैन ने बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वे निर्देश दे रहे है और आप मोबाइल चला रहे हैं।

मुस्कान अभियान की हुई तारीफ

बैठक में सीएस ने आपरेशन मुस्कान की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस व अन्य विभागों के साथ मिलकर अभियान के तहत बेहतर काम किया गया है। उन्होंने कहा नाबालिग बालिकाओं के गुम होने पर उनकी तलाशी के लिए चलाया गया यह अभियान कारगर साबित हो रहा है। बैठक में सीएस को बताया गया कि अभियान के तहत अब तक 1900 से अधिक बालिकाओं की बरामदी की गई है।

टॉप जिलों में ये शामिल

जानकारी के अनुसार आपरेश मुस्कान की समीक्षा के दौरान जो तीन जिले टॉप रहे,उनमें टीकमगढ़.धार और सिंगरौली है। जबकि पन्ना, मुरैना और भिंड नीचे से तीन स्थानों पर रहे है। इस पर सीएस ने कमजोर परफार्मेंस को लेकर कलेक्टरों से नसीहत दी कि वे अपनी सक्रियता बढ़ाए और जहां कमजोर है,उन्हें जल्द पूरा करें। सूत्रों की माने तो उन्होंने एक कलेक्टर से कहा कि उन्हें जिले की कमान बड़ी उम्मीद के साथ भेजा गया था,लेकिन अब तक की कामकाज से उन्हें निराश किया है।

क्राइम समीक्षा में वन अपराध भी होंगे शामिल

विसं, भोपाल। मध्यप्रदेश में अब जब भी मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर सेल की क्राइम समीक्षा की जाएगा, तो उनमें वन अपराधों के प्रकरणों पर चर्चा होगी। यह निर्णय बुधवार को सेल की 8वीं बैठक में लिया गया। गौरतलब है कि सेल के अध्यक्ष के पद पर विशेष पुलिस महानिदेशक पदस्थ रहते हैं। राजधानी के वन भवन में विशेष पुलिस महानिदेशक एसटीएफ की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर सेल की बैठक में हुई। बैठक में बाघ, तेंदुआ, हाथी और अन्य वन्य-जीवों के उत्पन्न संकट पर चर्चा की गई। विगत वर्षों में बाघ और तेंदुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी एवं विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं में शिकार, सड़क दुर्घटना, रेल दुर्घटना एवं बिजली करंट से मृत्यु की जानकारी साझा की गई। इस घटनाओं को रोकने के लिये ठोस कदम उठाने के लिये सभी ने सहमति दी। चर्चा में इस बात पर चिंता जताई गई कि वन अपराधों की संख्या एवं बढ़ रही है। इसके लिए अपराधियों नए-नए तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पर भी सभी विभागों द्वारा आपसी सहयोग कर प्रभावी रोकथाम पर सहमति बनी। बैठक में सभी विभागों ने प्रदेश स्तर पर समन्वय के साथ जिला स्तर पर भी आपसी सहयोग से वन्य-जीव संरक्षण व वन्य अपराध को कम करने और अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने पर सहमति बनी। खुफिया तंत्र सुदृढ़ीकरण एवं वाइल्ड लाइफ क्राइम हॉर्ट-स्पॉट की जानकारी वन विभाग से पुलिस को प्रदाय करने के लिये सुझाव दिये गये।

नगर में आज

सांस्कृतिक आयोजन
- **स्थान:** भारत भवन
- **समय:** शाम 7 बजे

माह की प्रदर्शनी
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में
- **समय:** प्रतिदिन 12 बजे से

चित्र प्रदर्शनी
- **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- **समय:** प्रतिदिन 12 बजे से

गौमांस मामला: बजरंग दल का प्रदर्शन, महापौर की नेम प्लेट पर लगाई स्याही, फोटो पर बना दी दाढ़ी

भोपाल में बरामद 26 टन गौमांस को लेकर विवाद, बिक्री में सीधे महापौर के लिप्त होने का लगाया आरोप

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल में बरामद 26 टन गौमांस को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को इस मामले में बजरंग दल के 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने महापौर मालती राय के 74 बंगले स्थित आवास पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने महापौर की नेम प्लेट पर स्याही लगा दी और बाहर लगे बैनर पोस्टर फाड़ने लगे। कार्यकर्ताओं ने घर के बाहर लगे पोस्टर पर चस्पा महापौर मालती राय के फोटो पर स्याही से दाढ़ी बना दी और महापौर के खिलाफ नारेबाजी की। बता दें कि कार्यकर्ता आरोप लगा रहे थे कि गौमांस की बिक्री में महापौर सीधे लिप्त हैं। प्रदर्शनकारियों ने महापौर के बंगले के सामने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। प्रदर्शनकारी नगर निगम पर गौमांस मामले में कार्रवाई का दबाव बना रहे थे, जबकि नगर निगम का कहना है कि मामले की जांच पुलिस कर रही है। जल्दी ही इसकी रिपोर्ट भी सामने आ जाएगी। वहीं मामले में महापौर मालती राय ने किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इंकार कर दिया।

यह केवल प्रतीकात्मक विरोध

बजरंग दल ने चेतावनी दी है कि यह प्रतीकात्मक विरोध है। यदि स्लाटर हाउस के संचालन और कथित गौकशी मामले में कार्रवाई नहीं होती है, तो बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। बजरंग दल मामले में महापौर मालती राय के इस्तीफे, स्लाटर हाउस में कार्यरत निगम पशु चिकित्सक बैनी प्रसाद गौर और यहां कार्यरत नगर निगम के कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। नगर निगम द्वारा 13 जनवरी को बुलाई गई परिषद बैठक में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने स्लाटर हाउस में कार्यरत 11 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया।

कांग्रेस ने भी किया प्रदर्शन

महापौर के इस्तीफे सहित एमआईसी सदस्यों पर कार्रवाई को लेकर कांग्रेस नेता व पूर्व पार्षद अमित शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। सभी ने स्लाटर हाउस के दरवाजे पर गाय के पोस्टर भी चस्पा कर दिए। वहीं माता मंदिर व आईएसबीटी स्थित निगम दफ्तर, महापौर कार्यालय, 74 बंगलो स्थित महापौर आवास और पुष्पा नगर निजी आवास पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

मामले में इन कर्मचारियों को किया गया सस्पेंड

गौमांस बिक्री मामले में नगर निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने अब्दुल रहमान, ईसा मोहम्मद खान, मोहम्मद फैजान खान, वहीद खान, राजा खान, सलीम, बशीर खान, यूसुफ खान, अब्दुल हकीम और मोहम्मद रफीक सहित एक अन्य व्यक्ति को निलंबित कर दिया है। वहीं मामले में एमआईसी सदस्यों का कहना है कि इनमें से किसी भी व्यक्ति की नियुक्ति एमआईसी सदस्यों ने नहीं की है। एमआईसी सदस्यों का तर्क है कि जब स्लाटर हाउस को बनाने की अनुमति जारी की गई थी, तब वर्तमान परिषद ही अस्तित्व में नहीं थी। 2022 में जब स्लाटर हाउस को अनुमति मिली, तब प्रशासक द्वारा नगर निगम का संचालन किया जा रहा था।

"बिना अनुमति के प्रदर्शन किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का मामला दर्ज किया जाएगा।
अंकिता खातरकर, एसीपी टीटी नगर

डंपर ने रेपिडो बाइक को मारी टक्कर, पीछे बैठी युवती की मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। सूरज नगर तिराहे पर एक तेज रफ्तार डंपर ने आगे चल रही रेपिडो बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पीछे बैठी युवती की मौत हो गई। जबकि चालक को मामूली चोटें आई थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर डंपर को जब्त कर लिया है। चालक की गिरफ्तारी हो गई है। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए हमीदिया अस्पताल में रखवा दिया है। गुरुवार को शव का पीएम होगा। रातीबड़ पुलिस ने मुताबिक, 18 वर्षीय भगवती बाई सूरज नगर में रहती थी और पढ़ाई करती थी। बुधवार दोपहर करीब दो बजे वह दस नंबर मार्केट में थी। यहां से घर आने के लिए उनसे रेपिडो बाइक बुक की। राइडर अभिषेक मिश्रा उसे लेने पहुंचा। दोनों अभी सूरज नगर तिराहे पर पहुंचे थे, तभी पीछे से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक की पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में युवती के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि चालक को मामूली चोटें थीं। स्थानीय लोगों ने प्रायवेट कार से युवती को अस्पताल पहुंचाया। इधर, रेपिडो चालक स्वयं थाने पहुंच गया। उसने घटना के संबंध में पुलिस से शिकायत की। डेढ़ घंटे बाद हमीदिया में युवती की मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

जागरण, भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल ऑटो चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 41 वर्षीय सुरेश कुशवाह बरखेड़ा खुर्द गांव में रहता था। वह ऑटो चालक था। 11 तारीख को रात 10 बजे किसी अज्ञात वाहन ने रास्ते में उसकी ऑटो को टक्कर मार दी। जिससे ऑटो पलट कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर रूप से घायल चालक को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां मंगलवार शाम को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। अब पुलिस परिजनों के बयान के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

एनएसयूआई ने शर्मा को बनाया प्रदेश प्रवक्ता

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया ने संगठन को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तनय शर्मा को एनएसयूआई मप्र का प्रदेश प्रवक्ता

नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे एवं नेशनल मीडिया चेयरमैन रवि पाण्डेय की सहमति से की गई है। तनय शर्मा वर्तमान में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं और लंबे समय से छात्र हितों, शैक्षणिक मुद्दों एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। नव-नियुक्त प्रदेश प्रवक्ता तनय शर्मा ने कहा कि नवीन जिम्मेदारी के लिए शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के स्नेह और आशीर्वाद के लिए विशेष रूप से धन्यवाद, जिनके विश्वास से यह जिम्मेदारी संभव हो पाई।

मेडिकल स्टोर संचालक के साथ लूट, केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। अशोका गार्डन इलाके में मेडिकल स्टोर संचालक के साथ लूट हो गई। बाइक सवार बदमाश उनके हाथ से मोबाइल झपटकर भाग निकले। घटना के पांच दिन बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लूट का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, आशीष जैन पिता मूलचंद जैन सुभाष कालोनी में रहते हैं। वह नेहरू स्कूल के पास मेडिकल स्टोर चलाते हैं। बीती 15 जनवरी की रात करीब पौने आठ बजे वह मेडिकल स्टोर से निकलने के बाद एकतापुरी ग्राउण्ड के पास अपनी कार खड़ी कर मोबाइल देख रहे थे। तभी बाइक सवार दो बदमाश आए। उनमें से एक ने उनके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल लूट लिया। आशीष ने कुछ दूरी तक लुटेरों का पीछा किया, लेकिन आरोपी गलियों से भाग निकले। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

नर्सिंग कॉलेज, अस्पताल संचालकों पर होगा केस

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी भोपाल में फर्जी अस्पतालों एवं अवैध नर्सिंग कॉलेजों के संचालन का गंभीर मामला एक बार फिर सामने आया है। राज्य साइबर पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत पर संज्ञान लेते हुए साइबर पुलिस सीएमएचओ कार्यालय के अधिकारियों द्वारा फर्जी एवं कूटरचित भौतिक सत्यापन रिपोर्ट तैयार कर शासन प्रशासन को गुमराह करने के मामले में पुलिस उपायुक्त (क्राइम) को जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष परमार ने बताया कि एनआरआई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग और उससे संबद्ध अरनव अस्पताल की वैधता को लेकर एनएसयूआई द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत पर नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल के रजिस्ट्रार द्वारा सीएमएचओ को निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन मय दस्तावेजों सहित काउंसिल कार्यालय में प्रस्तुत करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे।

दो शूटरों को पात्रता से दिये ज्यादा कारतूस, लायसेंस पर इंट्री भी नहीं

नेशनल रायफल एसो. आफ इंडिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नेशनल रायफल एसोसिएशन आफ इंडिया (एनआरएआई) के खिलाफ रातीबड़ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि दो शूटरों को संस्थान की ओर से पात्रता से ज्यादा कारतूस दिए गए और इनकी एंट्री उनके लायसेंस पर भी नहीं गई। अनियमितता पाए जाने पर कलेक्टर कायार्लय से पत्र जारी हुआ। पत्र पहुंचने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में पुलिस मिलीभगत और दोषी को चिन्हित करेगी। रातीबड़ पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2025 में जिला प्रशासन को सूचना मिली थी कि एनआरएआई की ओर से शूटरों को अवैध तरीके से कारतूस बेचे गए हैं। एनआरएआई को कर्तव्य अधिकार उसी तरह प्राप्त हैं जैसे कि शस्त्र, गोला-बारूद बेचने वाले डीलरों को हैं। इन पर भी उसी तरह से नियम व शर्तें लागू होती हैं। जिला प्रशासन की ओर से गोपनीय जांच शुरू की गई। जांच में पाया गया कि एनआरएआई ने दो शूटर असलम

परवेज और सुलेम अली को अवैध रूप से कारतूस बेचे हैं। दोनों शूटरों ने शूटिंग अकादमी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया था। पात्रता से ज्यादा इन्हें कारतूस बेचे गए। इन कारतूसों की एंट्री भी इनके लायसेंस में नहीं की गई।

जांच में पाया- अवैध तरीके से कारतूस बेचे गए : रातीबड़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन ने जांच में पाया गया कि अवैध तरीके से दोनों को कारतूस बेचे गए हैं। इस पर पुलिस ने एनआरएआई के खिलाफ धारा 25 (1बी), आई/30 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि एसोसिएशन के कौन लोग दोषी हैं। किस-किस को अवैध रूप से कारतूस और बेचे गए। कब से खेल चल रहा था। तब नामजद रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। केस में आरोपियों ने नाम जोड़े जाएंगे।

मेट्रो प्रोजेक्ट: डीआईजी बंगले के पास पुराने भोपाल के पहले स्टेशन की नींव रखी, 10 दुकानें भी हटाईं

थाने की बाउंड्री हटाई, डायवर्ट नहीं होगा ट्रैफिक

जागरण संवाददाता, भोपाल। नबीबाग करोंद से काजीकैंप तक मेट्रो लाइन का निर्माण तेज गति से शुरू हो गया है। लंबे समय तक ट्रैफिक के लिए मार्ग न होने के कारण डीआईजी बंगला चौराहा से निशातपुरा तक मेट्रो रूट का काम शुरू नहीं हो पा रहा था, लेकिन इस दौरान नबीबाग से करोंद गल्ला मंडी तक जमीन अधिग्रहण व पिलर खड़े करने का काम जारी रहा। अब मेट्रो कंपनी ने करोंद गल्ला मंडी से आगे निशातपुरा से लेकर काजी कैंप तक मेट्रो रूट के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। बता दें कि इस रूट पर मेट्रो का एलिवेटेड ट्रैक बनना है। ट्रैक के निर्माण के दौरान डीआईजी बंगला से ग्रीन पार्क कालोनी तक वाहनों के आवागमन के लिए रास्ता ही नहीं बच रहा था। वहीं गौतम नगर थाने के ठीक सामने डीआईजी बंगला पर मेट्रो स्टेशन का निर्माण भी प्रस्तावित है, लेकिन थाने के ठीक सामने मौजूद मंदिर परिसर के बाहर स्थित 10 दुकानों के कारण स्टेशन का निर्माण बाधित हो रहा था। वहीं इस जगह पर 19 से ज्यादा मकान भी मौजूद थे। मेट्रो कंपनी के अधिकारियों ने सर्वे करने के बाद सभी दुकानदारों को मुआवजा देकर यहां से शिफ्ट कराया है, ताकि मेट्रो स्टेशन का निर्माण तेज गति से हो सके।

साथ ही ट्रैफिक के आवागमन के लिए गौतम नगर थाने की बाउंड्री वॉल को तोड़ा गया है। यहां से फिरदौस नगर, ग्रीन पार्क कालोनी होते पिंजोमल मनवानी धर्मशाला और शीतल नगर तक स्थित सर्विस रोड को अधिग्रहित कर मुख्य मार्ग में जोड़ दिया गया है। जल्दी ही सड़क पर मौजूद बिजली कंपनी के पोल व तारों की शिफ्टिंग करवाई जाएगी। कालोनियों तक जाने वाली पेयजल लाइनों की भी शिफ्टिंग हो सकती है। इसके लिए भी मेट्रो कंपनी ने नगर निगम भोपाल को पत्र लिखकर सूचना दे दी है।

पुल पातरा से बड़ा बाग तक अंडर ग्राउंड रहेगा ट्रैक

पातरा पुल से बड़ा बाग तक बनने वाले 3.39 किमी लंबे अंडर ग्राउंड ट्रैक का काम मार्च से शुरू होने जा रहा है। अंडर ग्राउंड कॉरिडोर में दो स्टेशन बनाया जाना प्रस्तावित हैं। पहला पुल पातरा के बाद भोपाल रेलवे स्टेशन रहेगा। वहीं अगला स्टेशन नादरा बस स्टैंड रहेगा, दोनों ही जगह से मेट्रो को रोजाना सैकड़ों यात्री मिलेंगे। बता दें कि वर्तमान में विभिन्न रूट्स पर चलने वाली बसों को सबसे ज्यादा यात्री इन्हीं दो स्टेशनों से मिलते हैं। इसके बाद सिंधी कालोनी और डीआजी बंगला पर भी रेलवे स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं।

भोपाल नवाब के प्रधानमंत्री मालवीय की जमीन अधिग्रहित

मेट्रो कंपनी ने मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए आरिफ नगर में सामने पंडित चतुर नारायण मालवीय की जमीन भी अधिग्रहित की है। बता दें कि मेट्रो लाइन के निर्माण से पहले ही निशातपुरा रेलवे लाइन पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया था। इस कारण मेट्रो लाइन को मुख्य मार्ग से बाएं ओर घुमाकर निशातपुरा की ओर ले जाया गया है। यहां से लाइन रेलवे लाइन को क्रॉस कर करोंद गल्ला मंडी के सामने निकलेगी और सड़क के बीच से होते हुए करोंद नबीबाग तक जाएगी। बता दें कि पंडित चतुर नारायण मालवीय भोपाल नवाब के प्रधानमंत्री थे, जिनको नवाब ने निशातपुरा इलाके में मकान और जमीन दी थी। इसी मकान में आज भी मालवीय के वयोवृद्ध पोते प्रेम नारायण बेटे हिरदेश मालवीय और पोते अभय मालवीय के साथ रहते हैं। मेट्रो कंपनी के अधिकारियों की मानें तो वर्तमान में इस जमीन का विवाद मध्य प्रदेश शासन के साथ न्यायालय में विचाराधीन है। विवाद के बाद जिसके पक्ष में फैसला आएगा, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा।

बसंत पंचमी की तैयारी

बसंत पंचमी पर 23 जनवरी को मां सरस्वती की पूजा की जाएगी, इसकी तैयारियां अंतिम दौर में चल रही हैं। हबीबगंज स्थित डीआरएम कार्यालय के पास कलाकार मूर्तियां तैयार करता हुआ। छाया: एचसी वर्मा

दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने डीजीपी, कमिश्नर से की शिकायत

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री फैला रहे हैं सांप्रदायिक वैमनस्यता, केस दर्ज हो

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री अंधविश्वासी हैं। सांप्रदायिक वैमनस्यता फैला रहे हैं। उनके खिलाफ केस दर्ज हो। वह लोगों को मेडिकल साइंस से दूर कर झूठे इलाज की ओर ले जा रहे हैं, जिससे जानें जा रहीं हैं। यह कहना है दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव का। भोपाल में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दामोदर सिंह ने यह गंभीर आरोप लगाए हैं। इस संबंध में उन्होंने डीजीपी कैलाश मकवाणा और पुलिस कमिश्नर भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र से शिकायत की है। संगठन ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के विरुद्ध गंभीर, समाज और मानव जीवन के लिए घातक अपराधों के संबंध में एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। दामोदर सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने प्रमाण के साथ धीरेंद्र शास्त्री की शिकायत की है। क्यू आर कोड के रूप में वो वीडियो सबूत के तौर पर दिए हैं जो उनके चैनल्स पर डले हुए हैं। उन्होंने मांग की है कि धीरेंद्र शास्त्री सांप्रदायिकता, छुआछूत और अंधविश्वास फैला कर लोगों को मेडिकल साइंस से दूर कर रहे हैं, इससे लोगों की जान जा रही हैं। ये धारा 196-197, 202-272 सहित तमाम धाराओं में के तहत अपराध है। उनके खिलाफ कार्रवाई और एफआईआर होनी चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने हमें आश्वासन दिया है कि इसकी जांच कर दो दिन में कार्रवाई करेंगे। अन्यथा हम हाईकोर्ट जबलपुर के जरिए धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ कार्रवाई कराने का काम करेंगे।

संविधान से देश चलेगा

दामोदर सिंह ने कहा कि शास्त्री ने बयान दिया कि लोग तिरंगा के अंदर चांद देखना चाहते हैं। मैं जवाब दूंगा कि न हम तिरंगे में चांद देखना चाहते हैं न तिरंगा के अंदर स्वास्तिक देखना चाहते हैं। हम तिरंगे के अंदर जो सम्राट अशोक का चक्र है वही चक्र देखना चाहते हैं। तुम्हारा जो सपना है कि तुम चांद के बहाने से स्वास्तिक बनाना चाहते हो वो नहीं बनाने देंगे। संविधान से ही यह देश चलेगा।

बदलाव अब मोबाइल का बहाना नहीं बना सकेंगे कर्मचारी, एक फरवरी से उपस्थिति के आधार पर मिलेगा वेतन

बीयू में लगे 30 वेबकैमरे, इन्हीं पर दर्ज होगी हाजिरी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि में कोई भी कर्मचारी यह कहते हुए सार्थक एप से उपस्थित लगाने से नहीं बच पाएगा कि उसके पास स्मार्ट मोबाइल नहीं है, वह कीपैड मोबाइल का उपयोग करता है या उसे मोबाइल चलाना नहीं आता है। क्योंकि बीयू रजिस्ट्रार ने ऐसे बहानों पर अंकुश लगाने नया इंतजाम किया है। बीयू परिसर में 30 वेबकैमरे लगा दिए गए हैं, जिनसे कर्मचारियों को उपस्थिति दर्ज करानी होगी। बता दें कि अभी भी करीब आधा सैकड़ा ऐसे कर्मचारी हैं, जिनके पास मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी नहीं है। इस कारण वह सार्थक एप से नहीं जुड़ पाए हैं। बीयू रजिस्ट्रार समर बहादुर सिंह ने बुधवार को सार्थक एप से जुडे अधिकारियों की बैठक ली। रजिस्ट्रार ने बैठक में बताया कि एक फरवरी से बीयू का हर कर्मचारी, अधिकारी और प्रोफेसर सार्थक पोर्टल पर उपस्थिति लगाएगा। उन्हें उपस्थिति के हिसाब से ही वेतन दिया जाएगा। पोर्टल के माध्यम से उनकी छुट्टियों तक का हिसाब रखा जाएगा। कई कर्मचारियों की मोबाइल को लेकर समस्याएं हैं, इसलिए सभी 22 विभागों के साथ सभी आधा दर्जन हास्टल और सत्य भवन में दो स्थानों पर वेबकैमरे लगा दिए गए हैं। इससे अब कर्मचारी बीयू के किसी भी कौने में खड़े होकर अपनी उपस्थिति लगा सकते हैं।

अवकाश का भी रहेगा लेखा-जोखा

बीयू के अधिकारी-कर्मचारियों की छुट्टियों का लेखाजोखा किसी के पास नहीं है। वर्ष 2025 में कितने अवकाश के लिए आवेदन आए हैं, इसकी सूचना किसी के पास नहीं है। सिर्फ मौखिक निर्देशों पर बीयू में छुट्टियों का हिसाब-किताब चल रहा है। अब सार्थक पोर्टल पर सभी को छुट्टियों के आवेदन करना होगा। यहां ही उन्हें अधिकारी स्वीकृति दे सकेंगे। सेमिनार और स्टडी लीव और वर्कशाप में भागीदारी करने प्रोफेसर दूसरे राज्य और शहर में जाते हैं, तो जानकारी भी पोर्टल पर मौजूद रहेगी।

विभागध्यक्षों के कमरों में लगाए गए हैं कैमरे

बीयू में 22 विभाग हैं। यहां कर्मचारियों की उपस्थिति लगाने के लिए विभाग के विभागाध्यक्ष के कमरों में ही बेवकैमरे लगा दिए गए हैं। अब कर्मचारी समय पर उपस्थित होकर अपना चेहरा दिखाकर उपस्थिति लगा सकेंगे। इसके लिए उन्हें मोबाइल की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा मोबाइल से उपस्थिति लगाने वाले कर्मचारी से लेकर अधिकारी और अतिथि विद्वान से लेकर प्रोफेसर कार्यालयीन समय में कहां थे उन्हें बीयू परिसर के अंदर ही उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इससे ही उनका कार्यालयीन समय शुरू होगा और वेतन जारी किया जाएगा।

"एक फरवरी से सार्थक पोर्टल के माध्यम से कर्मचारी और अधिकारियों की उपस्थिति लगेगी। मोबाइल की समस्या को देखते हुए बीयू परिसर में तीस वेबकैमरे लगा दिए गए हैं। इसके माध्यम से पोर्टल पर लगी उपस्थिति से ही वेतन दिया जाएगा।
प्रो समर बहादुर सिंह, रजिस्ट्रार, बीयू

कूटरचित दस्तावेज बनाने पर वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कुरैशी गिरफ्तार

नियुक्ति का फर्जी पत्र बनाकर लोकायुक्त में की थी शिकायत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मप्र वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अलीम कुरैशी को शाहजहांनाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अलीम पर धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने का आरोप है। उन्होंने वक्फ बोर्ड में हुई नियुक्ति का फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार कर लोकायुक्त संगठन में शिकायत की थी। अलीम कुरैशी के खिलाफ जांच के बाद मंगलवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी मप्र वक्फ बोर्ड की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। शाहजहांनाबाद पुलिस के मुताबिक, निशा अपार्टमेंट, शहीद नगर निवासी अलीम कुरैशी ने लोकायुक्त संगठन में मप्र वक्फ बोर्ड में हुईं कर्मचारियों की नियुक्ति के संबंध में शिकायत की थी। वक्फ बोर्ड से जानकारी लेने के बाद लोकायुक्त संगठन ने जांच के बाद शिकायत को 22 सितंबर 2023 को

नस्तीबद्ध कर दिया। इसके बाद वक्फ बोर्ड में की गईं नियुक्तियों को लेकर अलीम कुरैशी ने 13 जनवरी 2025 को लोकायुक्त संगठन में शिकायत की। इस शिकायत को परीक्षण एवं अभिमत के लिए वक्फ बोर्ड भेजा गया था। परीक्षण में सामने आया कि शिकायत के साथ जो नियुक्ति पत्र संलग्न किया है वह वक्फ बोर्ड द्वारा जारी नहीं किया गया है। अलीम द्वारा लोकायुक्त संगठन में कर्मचारियों की नियुक्ति के कूटरचित एवं फर्जी नियुक्ति पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। वक्फ बोर्ड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डा. फरजाना गजाल ने मार्च 2025 में मप्र वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अलीम कुरैशी के खिलाफ शिकायत की थी। पुलिस ने जांच के बाद मंगलवार को आरोपी अलीम कुरैशी के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लिया है।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
भोपाल 22 जनवरी 2026

निर्झरिणी

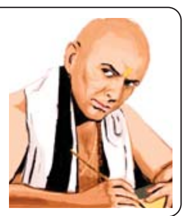

मात्र भाग्य के सहारे चलना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के सम्मान है। ऐसे लोगों को नष्ट होने में किंचित भी समय नहीं लगता।
-आचार्य चाणक्य

अनुकरणीय हो हमारा जीवन

क्रिया योग

स्वामी चिदानन्द गिरि
आध्यात्मिक गुरु

स्वामी चिदानन्द गिरि ने अपनी भारत यात्रा में विभिन्न स्थानों पर क्रियायोग शिक्षाओं पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिए थे। प्रत्येक मास के अंतिम मंगलवार को प्रकाशित इस स्तंभ के अंतर्गत पढ़ें उनके चिंतन का प्रमुख अंश:

माता-पिता अपने बच्चों में जिन गुणों को देखना चाहते हैं, स्वयं उनका आदर्श बनकर इन शिक्षाओं से अपने बच्चों का परिचय करा सकते हैं। आप बच्चों से यह नहीं कह सकते हैं, 'वह करो जो मैं कहता हूं, वह नहीं करो जो मैं करता हूं।' यह कथन कभी कार्य नहीं करता है। दूसरी ओर, वह व्यक्ति जो कुछ नहीं कहता है, किंतु दयालुता, गरिमा और दूसरों के लिए सम्मान और आत्म-संकल्प वाला जीवन जीता है, वह अपने बच्चों को प्रभावित करता है। उसका विचार होगा, 'निश्चय ही मेरा जीवन वैसा ही होगा, जैसा मैं स्वयं उसका निर्माण करूंगा'।अपनी मूल प्रकृति के अनुसार बच्चे सदैव सीखने का प्रयास करते हैं, इसलिए स्वयं माता-पिता को अपने बच्चों के लिए एक उदाहरण बनना चाहिए। सीखने और आत्मसात करने के लिए प्रारंभिक वर्षों में बच्चों में मस्तिष्क और तंत्रिकाओं की अत्यधिक क्षमता होती है। बच्चे का मन इतना लचीला, इतना नम्य होता है कि उसे अत्यंत सरलतापूर्वक नकारात्मक अथवा सकारात्मक ढंग से ढाला जा सकता है। मैं दृढ़तापूर्वक इसमें विश्वास रखता हूं, क्योंकि वर्तमान संसार में माता-पिता के उत्तरदायित्वों पर पर्याप्त बल नहीं दिया जाता है। यदि आप एक बच्चे को जन्म देने जा रहे हैं, तो आपको ही उसका उत्तरदायित्व स्वीकार करना होगा। इसका अर्थ यह नहीं है कि आपको सभी आधुनिकतम वीडियो गेम, कपड़े, अमुक फैशन और अमुक प्रकार के उपकरण आदि खरीदने की आवश्यकता है। ना ही आवश्यकता इस बात की है कि आप एक ऐसे व्यक्ति बनें, जिसे आपका बच्चा आदर और सम्मान की दृष्टि से देखे।भारत में (और संभवतः संपूर्ण विश्व में) मां परिवार का केंद्र होती है, जो निरंतर परिवार, पारिवारिक कर्तव्यों, आजीविका और हर प्रकार के उत्तरदायित्वों के मध्य संघर्ष करती रहती है। उसके कर्तव्यों की एक लंबी सूची है। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि भारत और संपूर्ण विश्व के अधिक विकसित राष्ट्रों में स्त्रियों की वर्तमान परिस्थिति एक संक्रमणकालीन अवस्था है। महिलाओं से इतने अधिक कार्य की अपेक्षा करना उस पीढ़ी की विरासत है, जिसमें स्त्रियां अधिक दबाव में रहती थीं और वे 'तुम केवल घर में ही रहोगी और भोजन बनाने और सफाई करने का कार्य करोगी' इत्यादि की धारणा के प्रभाव में उपेक्षित रहती थीं।यह एक क्रूर और पूर्वकालिक धारणा है। इसके साथ ही, हम एक प्रकार से मध्यवर्ती अवस्था में हैं, जहां स्त्रियां अपने व्यक्तिगत विकास और अपनी व्यक्तिगत रुचियों के विकास के लिए दूसरे मार्ग खोजने की योग्यता रखती हैं, और यह उचित भी है। परंतु पुरुषों और स्त्रियों के लिए एक संतुलित भूमिका का सम्मान करना तथा घर में और व्यावसायिक जगत में सामंजस्यपूर्ण जीवन का निर्माण करना ही एक यथार्थ आध्यात्मिक संतुलन का जीवन होगा। मैं इसे पूरी तरह से समझता हूं और मैं यह नहीं जानता कि स्त्रियां इसे कैसे सहन करती हैं। सामान्य रूप से स्त्रियां पुरुषों से अधिक शक्तिशाली होती हैं, क्योंकि उन्हें इतने अधिक उत्तरदायित्व निभाने पड़ते हैं। स्त्रियों को यह सोचने की आवश्यकता नहीं है कि उनके लिए 'सब कुछ प्राप्त करना' आवश्यक है : कारपोरेट एक्जीक्यूटिव होना, दो या तीन सफल बच्चे, दो या तीन अच्छे और बड़े घर, एक आदर्श शरीर, आदर्श स्वास्थ्य इत्यादि। यह तनावों का वह समूह है, जो लंबे समय तक नहीं टिक सकता है और दुर्भाग्यवश, व्यापक रूप से यह समाज अभी भी उचित संतुलन को प्राप्त करने की खोज प्रक्रिया से गुजर रहा है।

जीवन दर्शन

ब्रह्मा कुमारी शिवानी
प्रेरक वक्ता

दूसरों को कहने से पहले, हमें स्वयं को इस बात से प्रोत्साहित करना चाहिए कि सब कुछ भलाई के लिए होता है और हर बात में कल्याण है। जब तक हम अपने साथ अच्छी बात नहीं करते हैं, हमारे लिए दूसरों के सोच को बदलना संभव नहीं होगा। अगर हम स्वयं पर काम किए बिना दूसरों के सोच बदलने लगते हैं, तो उन पर कोई असर नहीं होगा।

स्वयं को करें स्वीकार

जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करना सफल जीवन का मंत्र है, लेकिन हम यह क्यों भूल जाते हैं कि सब में हम स्वयं भी आते हैं। अतः सर्वप्रथम स्वयं को स्वीकार कीजिए...

मन की शांति, संबंधों में मधुरता तथा जीवन में आनंद के लिए स्वयं को व अन्य लोगों को स्वीकार करना न सिर्फ एक गुण है, बल्कि कला व आपकी शक्ति है। जो जैसा है, उसे उसी रूप में अपनाने व स्वीकारने में ही बुद्धिमत्ता है। दूसरे लोगों, बाहरी बातों व परिस्थितियों को समझने व स्वीकारने से पहले स्वयं आप जैसे हैं, उसी स्वरूप में देख पाना व स्वयं को स्वीकार कर लेना ही सुखमय जीवन का आधार है।

क्योंकि हम स्वयं को सही रूप में देख ही नहीं पाते। हम अपनी कमियों व विशेषताओं को स्वीकार ही नहीं करते। जब हम स्वीकार नहीं करेंगे तो न तो स्वयं को बदल पाएंगे, न दूसरों को। जब हम खुद को स्वीकार कर नहीं पाते तो स्वयं से ही असहमत होते हैं, इससे हमारा आभामंडल नकारात्मक हो जाता है।

कई बार हम स्वयं को कमतर मानने लगते हैं। हीनताबोध से हमारी अपनी ऊर्जा कम होती है, वहीं जब हम स्वयं को अपनी कल्पना में अधिक मानने लगते हैं, तब भी समस्याएं खड़ी होती है। अतः सर्वप्रथम हम स्वयं जैसे हैं, उसे जानकर स्वीकार करें, तो हम सफल जीवन जी सकते हैं। अध्यात्म कहता है कि हम सभी एक सुंदर और निर्दोष आत्मा हैं। स्वयं को कमतर मानने से जब कोई आपसे मिलता है, तब आप सावधान होकर उससे बात करते हैं। आपके भीतर से हीनभावना प्रदर्शित हो ही जाती है। किसी भी व्यक्ति का संस्कार इस आधार पर तय होता है कि वह बार-बार क्या दोहराता है।

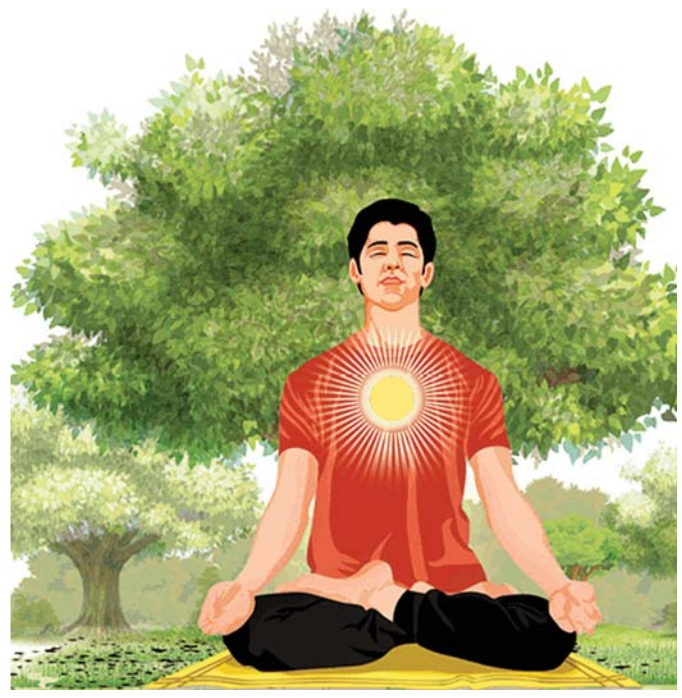

अगर कोई व्यक्ति अपने परिवारवालों की डांट-फटकार का कारण स्वयं को मानता है, स्वयं को दोषी स्वीकार करता है और आत्म ग्लानि में डूबा रहता है, तो इसमें अधिकतर उसकी बचपन से आत्म-आलोचना करने की आदत ही सामने आती है।

बचपन में हम सबकी विचार प्रक्रिया परिपक्व नहीं होती है। सत और असत के बीच अंतर कैसे करना है, बचपन में हमें पता नहीं होता है। तब हम अपने लिए उन छवियों को ही स्वीकार कर लेते हैं, जो हमारे माता-पिता या बड़े लोगों ने तय की थीं। जब भी कोई माता- पिता अपने बच्चे के लिए कुछ कहते हैं, तो बच्चा उसको अपना परिचय मान लेता है। क्यों कि बच्चों के लिए उनके माता-पिता हमेशा सही होते हैं। इसलिए माता-पिता का यह दायित्व है कि बच्चों के सम्मुख हीनता का व्यवहार प्रदर्शित न करें। बच्चों को यह मत जताएं कि तुम कुछ नहीं कर सकते।

अगर किसी बच्चे को माता-पिता से अपने बारे में कोई नकारात्मक संदेश मिलता है, तो वह इसे सच मान लेता है और उसी नकारात्मक संदेश पर अपनी छवि बना लेता है। भले ही आगे चलकर उसे उसकी सकारात्मक छवि दी जाए, तब भी उस पर अधिक प्रभाव नहीं होगा।

क्योंकि उसने बचपन से ही अपनी कमियों को अपना मान लिया है। हालांकि, यह सच है कि कोई भी इंसान पीड़ित अवस्था में ही सारा जीवन नहीं बिता सकता। और, यह भी सच है कि हम अतीत की मनोस्थिति को अधिक बदल नहीं सकते।

जीने की एक ढंग यह हो सकता है कि हम स्वयं को बीते हुए समय की अवस्था में ही रहने दें, हम आत्म-आलोचक बने रहें। देखने में आता है, बहुत से बच्चे अपनी कमियों के लिए माता-पिता को दोषी ठहराते हैं।

लेकिन, दूसरों को दोष देने से हमारी अपनी ऊर्जा कम होती है। हमें यह समझना होगा कि अतीत हमारे हाथों में नहीं है, पर उसके समाधान के बारे में विचार करने का समय हमारे पास अभी है। यह अब और भी महत्वपूर्ण है कि हम जो कर सकते हैं वह करें और अपने भीतर सुधार लाएं। अगर हम इस तरह दूसरों को दोष देते रहेंगे तो हमारी ऊर्जा समाप्त होती जाएगी। पहले दूसरे हमारी हानि के दोषी थे, अब हम स्वयं अपनी स्थिति बिगाड़ने की दोषी होंगे।

दूसरों को कहने से पहले, हमें स्वयं को इस बात से प्रोत्साहित करना चाहिए कि सब कुछ भलाई के लिए होता है और हर बात में कल्याण है। जब तक हम अपने साथ अच्छी बात नहीं करते हैं, हमारे लिए दूसरों के सोच को बदलना संभव नहीं होगा। अगर हम स्वयं पर काम किए बिना दूसरों के सोच बदलने लगते हैं, तो उन पर कोई असर नहीं होगा। अगर हम विचार के स्तर पर, भीतर ही भीतर बहुत आलोचक हो गए हैं, तो हमें इस संस्कार को बदलना होगा। इसके लिए हमें कुछ मंत्रों का पालन करना होगा। पहले तो हमें दूसरों को दोष देने का खेल बंद करना होगा। हमें याद रखना है कि हमारी प्रतिक्रिया हमारी रचना है। दूसरा मंत्र है, हमें अपनी निंदा करना बंद करना होगा। अगर हमने कुछ ऐसा किया है जो सही नहीं है, तो बेहतर होगा कि हम उसे स्वीकार कर लें और अपनी निंदा करने के बजाय इसे भविष्य में अलग तरीके से करें। दृढ़ संकल्प से प्रतिदिन कुछ सकारात्मक चिंतन करें।

मैं स्वयं से प्रेम करता हूं और जीवन में सबके प्रति आत्मिक स्नेह, प्रेम व कल्याण की कामना करता हूं।

प्रतिदिन के शुभ संकल्प

आज से ही अपनी व दूसरों की आलोचना बंद करें और इस प्रकार शुभ संकल्प करें :

- मुझे स्वयं को देखना है। मूल रूप में मैं एक सुंदर और निर्दोष आत्मा हूं।
- अतीत के अनुभवों पर मैंने जो अपनी छवि बनाई थी, उसे अभी तक अपना सच मान रहा था। आज से मैं बदल रहा हूं। अब मुझे स्वयं को अनासक्त रूप में देखना होगा।
- मैं प्रशंसा व प्रोत्साहन के रंगों का प्रयोग कर अपनी छवि बनाऊंगा। जो भी विचार पैदा करूंगा, वे स्वीकार व प्रशंसा से भरे होंगे।
- मेरे भीतर बहुत से गुण हैं। मैं स्वयं के लिए सहजता का मार्ग चुनता हूं।
- मैं अपने आप से ध्यानपूर्वक बात करता हूं। केवल शुद्ध, सकारात्मक व शाक्तिशाली शब्दों को चुनता हूं।
- मैं स्वयं से प्रेम करता हूं और जीवन में सबके प्रति आत्मिक स्नेह, प्रेम व कल्याण की कामना करता हूं।

संत - असंत में अंतर

चिंतन धरोहर

श्रीरामकिंकर जी महाराज

श्रीरामचरितमानस की शास्त्र सम्मत एवं सार्वभौम व्याख्या के लिए स्वनामधन्य रामकिंकर उपाध्याय जी का यह शताब्दी वर्ष है....

गोस्वामी जी ने संत की तुलना कपास से की और असंत की तुलना सन से सन भी एक पौधा है, जिससे रस्सी बनाई जाती है। इसे लगाने के बाद काटा जाता है। फिर पानी में डुबोकर सड़ाया जाता है, फिर पटका जाता है, तब इससे रेशे प्राप्त होते हैं, जिससे रस्सी बनाई जाती है। गोस्वामी जी कहते हैं कि कपास और सन दोनों ही कष्ट पाते हैं।

कपास कष्ट सहकर वस्त्र बनता है और दूसरों के दोषों को ढकता है। संत भी दुख पाकर दूसरों के दुखों का निवारण करता है। सन का वर्णन उत्तरकांड में हैः
सन इव खल पर बंधन करई।
खाल कढाइ बिपति सहि मरई।।

सन को काटा गया, सड़ाया गया, पटका गया और उसकी खाल खींची गई, तब रस्सी बनी। किसी ने सन से पूछा, तुम्हें इन सबसे बड़ा कष्ट हुआ होगा? उसने कहा, मुझे इन सब कष्टों की कोई चिंता नहीं है। अंत में मैं रस्सी के रूप में सबको बांधने में समर्थ हो सकूंगा, मुझे इसलिए बहुत संतोष है।

इसका अर्थ है कि दूसरो को कष्ट देने के लिए बड़े-से-बड़ा कष्ट उठा ले, ऐसा व्यक्ति सन की तरह दुष्ट है और जो दूसरों को सुख देने के लिए कष्ट उठाए, वह कपास के समान संत है। असंत के लिए गोस्वामीजी ने मक्खी का भी दृष्टांत दिया है। मक्खी को एक दिन घी की ओर उड़कर जाते हुए देखकर कवि जी ने उसे रोका और कहा, उधर मत जाओ।

फूल पर चाहे जैसे बैठकर, जो चाहे ग्रहण कर लो, 'पर घी में तुम डूब जाओगी, जिससे तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी।' मक्खी ने कहा, तो क्या हुआ? हम गिर कर भले ही मर जाएं, पर इससे घी पूजा के काम का तो नहीं रह जाएगा। गोस्वामी जी कहते हैं कि-'परहित घृत जिनके मन माखी।' कुछ लोगों को दूसरों को कष्ट देने में बड़ा आनंद आता है और इसके लिए चाहे उन्हें बड़े-से-बड़ा कष्ट ही क्यों न उठाना पड़े।

गीता सार

आचार्य शिवेंद्र नागर. श्रीमद्भगवद्गीता मर्मज्ञ

कुतस्त्वा कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितम्।
अनार्यजुष्टमस्वर्ण्यम कीर्तिकरमर्जुन।।
अध्याय 2, श्लोक : 2

अर्थ : भगवान श्रीकृष्ण बोले- हे अर्जुन, कहां इस विषम स्थिति में तू कार्यरता को प्राप्त हुआ है, जो आर्यों को न शोभा, न स्वर्ग और न ही कीर्ति देने वाली है।

व्याख्या : पहले अध्याय में चुप रहकर अर्जुन को सुनने के बाद दूसरे अध्याय में भगवान अपनी वाणी प्रारंभ करते हैं। युद्ध क्षेत्र में मोहाविष्ट अर्जुन के भीतर के संशय देखकर भगवान कहते हैं कि कहां से तू इस विषम स्थिति में कायरता को प्राप्त हुआ है। अर्थात अर्जुन की कायरता बाहर से नहीं आई है, भीतर से आई है। ऐसे कठिन समय और परिस्थिति में जब 18 अक्षौहिणी सेना बिगुल बजा चुकी है, ऐसे समय में तू गांडीव छोड़कर रणभूमि में बैठ गया है। भगवान कृष्ण अपनी वाणी से अर्जुन को झकझोरते हैं। वे मात्र अर्जुन को नहीं चेताते, इसमें हमारे लिए भी संदेश है। क्योंकि हम सभी इस संसार के प्रति मोहाविष्ट हैं। भगवान आम जनमानस को भी यह सोचने को विवश कर रहे हैं कि जिस सांसारिक मोह जाल में हम फंसे हुए हैं, वह न तो हमें अभी अर्थात वर्तमान में सुख देगा न भविष्य में। अर्जुन को तो भगवान लक्ष्य तक पहुंचा ही देंगे, लेकिन आम जनमानस का क्या होगा। हमारे जीवन का लक्ष्य बन गया है खाना, पीना, मौज-मस्ती इत्यादि। यदि आप जीवन में लक्ष्मी चाहते हैं तो लक्ष्य बनाना पड़ेगा। कुछ करना पड़ेगा। यदि यह लक्ष्य नारायण से जुड़ने का बन जाए तो लक्ष्मी आपके पांव दबाएंगी। इसलिए अपने आलस्य रूपी उल्लू को वश में करके अध्यात्म के लक्ष्य पर आगे बढ़ें, जहां जीवन की संपूर्णता प्राप्त होगी। तब अर्जुन की तरह आपकी गति नहीं होगी।

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर को पहचानें

एक गांव में एक व्यक्ति था, जो मानता था 'कि उसे कुछ करने की आवश्यकता नहीं है, सब कुछ ईश्वर करेंगे। एक बार गांव में भीषण बाढ़ आ गई। हर तरफ पानी ही पानी। सभी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर दौड़ रहे थे। कई लोग ऊंचाई वाले स्थानों की तरफ बढ़ने लगे। लोगों ने देखा कि वह व्यक्ति भगवान के ध्यान में बैठा हुआ है। सभी ने उसे समझाया कि वह अपनी जगह छोड़ दे और भाग चले, लेकिन उस व्यक्ति ने कहा कि तुम लोग अपनी जान बचाओ, मुझे तो भगवान बचाने आएंगे ! धीरे-धीरे पानी बढ़ता गया, उस व्यक्ति की कमर तक पहुंच गया। इतने में ही उसके पास से एक नाव गुजरी। मल्लाह ने उससे कहा, आप इस नाव पर आ जाएं, मैं किसी सुरक्षित स्थान पर आपको पहचान दूंगा, लेकिन उसने फिर वही उत्तर दिया कि मुझे भगवान बचाएगा। कुछ देर बाद पानी और अधिक बढ़ गया। वह व्यक्ति वहीं बैठकर ईश्वर को याद करने लगा। इतने में गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी। उसने देखा कि एक हेलिकाप्टर मदद के लिए आया है। बचाव दल ने एक रस्सी लटकाई और उससे पकड़ने को कहा, मगर वह टस से मस न हुआ। उसने कहा कि मुझे तो भगवान बचाएगा। मैं इसे नहीं पकड़ूंगा। कुछ ही देर में बाढ़ की धारा में वह व्यक्ति डूब गया और उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद जब वह व्यक्ति स्वर्ग पहुंचा तो उसने भगवान से पूछा कि मैंने आपकी आराधना इतने मन से की, लेकिन फिर भी मैं डूबकर मरा। मुझे बचाने क्यों नहीं आए? भगवान ने कहा, 'मैं तो तीन बार तुम्हारी मदद करने आया था। एक बार ग्रामीणों के रूप में, एक बार नाव वाले के रूप में और तीसरी बार बचाव दल के रूप में, लेकिन तुम मुझे पहचान ही नहीं पाए।'

अहंकार की छाया अनिष्टकारी नहीं

मंथन मीमांसा

स्वामी रामकृष्ण परमहंस

हनुमान जी को ईश्वर के साकार और निराकार दोनों ही स्वरूपों के दर्शन हुए थे, किंतु इन दर्शनों के बाद भी उन्होंने दास मैं को रख छोड़ा था। नारद, सनक, सनंदन, सनातन और सनतकुमार आदि ने भी इसी तरह ब्रह्मदर्शन के बाद भी 'दास मैं', 'भक्त मैं' रख छोड़ा था।

क्या अहं कभी पूरी तरह नहीं जाएगा? कमल की पंखुड़ियां समय पर झड़ जाती हैं, लेकिन उनका निशान रह जाता है। इसी प्रकार जब मनुष्य ईश्वर का साक्षात्कार कर लेता है, तो उसका अहंकार पूरी तरह चला जाता है, लेकिन उसका थोड़ा-सा चिह्न रह जाता है, किंतु उस अहंकार से कोई अनिष्ट नहीं होता। वह छाया मात्र है। जिसने ईश्वर के दर्शन किए हैं, वही ठीक-ठीक ज्ञानी है। उसका स्वभाव बालक जैसा हो जाता है। बालक का भी अलग व्यक्तित्व होता है। अलग

अस्मिता होती है, परंतु वस्तुतः वह केवल आकार मात्र है। बालकों का अहं बड़ों के अहं की तरह हानिकारक नहीं होता।

कुछ महापुरुष सप्तम भूमि या समाधि की सर्वोच्च अवस्था में पहुंचकर भगवद्बोध में विलीन हो जाने के बाद भी लोककल्याण के लिए उस भूमि पर उतर आते हैं। समाधि के बाद भी वे इच्छापूर्वक विद्या का अहं रख लेते हैं। यह अहं का आभास मात्र है, जो पानी पर खींची गई रेखा के समान होता है। रस्सी जल जाने के बाद भी उसका आकार बना रहता है, पर उसके द्वारा किसी को बांधा नहीं जा सकता। इसी प्रकार ज्ञानाग्नि में दग्ध होकर अहं का भी केवल आकार भर रह जाता है। मनुष्य सपने में यह देखकर कि कोई उसे मारने आ रहा है, मारे डर के हड़बड़ाकर उठ बैठता है। यद्यपि वह उठकर देखता है कि कमरा बंद हैं और अंदर कोई नहीं है, फिर भी कुछ समय तक उसका हृदय धड़कता रहता है। इसी भांति अभिमान के चले जाने के बाद उसका कोई जोर नहीं रह जाता। वह आभास मात्र है।

समाधि के बाद भी मैं (अहं) रह जाता है जैसे 'दास का मैं', 'भक्त का मैं'। शंकराचार्य ने लोकशिक्षा के लिए 'विद्या का मैं' रख छोड़ा था। नारदादि को ब्रह्मज्ञान प्राप्त हुआ था, किंतु फिर भी वे कलकलनादिनी निर्धारिणी की तरह भगवन्महिमा का गुणगान करते हुए विचरण करते रहते थे। लोकशिक्षा और धर्मरक्षा के लिए उन्होंने 'विद्या का मैं' रख छोड़ा था। ब्रह्म में पूर्ण विलीन न होकर अपने अलग अस्तित्व का मानो थोड़ा-सा चिह्न रख छोड़ा था।

हनुमान जी को ईश्वर के साकार और निराकार दोनों ही स्वरूपों के दर्शन हुए थे, किंतु इन दर्शनों के बाद भी उन्होंने दास मैं को रख छोड़ा था। नारद, सनक, सनंदन, सनातन और सनतकुमार आदि ने भी इसी तरह ब्रह्मदर्शन के बाद भी 'दास मैं', 'भक्त मैं' रख छोड़ा था। मुझमें भी थोड़ा 'मैं' बचा है, लेकिन उसे बनाए रखने वाला मैं नहीं, बल्कि जगदंबा हैं।

युगचेतना के जागरण का पर्व वसंत पंचमी

सनातन-धारा

डा. प्रणव पण्ड्या
कुलाधिपति, देवसंस्कृति विश्वविद्यालय व आध्यात्मिक चिंतक

विद्या वह शक्ति है, जो मनुष्य को विवेकशील, संवेदनशील और उत्तरदायी बनाती है। इस दृष्टि से माता सरस्वती केवल ज्ञान की अधिष्ठात्री नहीं, बल्कि वाणी, विचार और आचरण की शुद्धि की दिव्य प्रेरणा हैं। वसंत पंचमी (23 जनवरी) पर विशेष...

वसंत पंचमी पर्व जीवन में नवसृजन, पवित्रता और प्रज्ञा के अवतरण का संदेश देता है। यह ऋतु परिवर्तन के उत्सव के साथ मानव अंतःकरण में सरस्वती तत्व के जागरण का महापर्व है। माता सरस्वती को विद्या की देवी कहा गया है, किंतु भारतीय ऋषि परंपरा में विद्या का अर्थ केवल जानकारी या शास्त्रज्ञान नहीं है। विद्या वह शक्ति है, जो मनुष्य को विवेकशील, संवेदनशील और उत्तरदायी बनाती है। इस दृष्टि से माता सरस्वती ज्ञान के साथ-साथ वाणी, विचार और आचरण की शुद्धि की दिव्य प्रेरणा हैं।

वसंत ऋतु स्वयं सरस्वती तत्व की प्रतीक है। जैसे शीत की जड़ता टूटकर जीवन में नवचेतना का संचार होता है, वैसे ही माता सरस्वती की उपासना मनुष्य के भीतर से अज्ञान, प्रमाद और नकारात्मकता को हटाकर प्रज्ञा का संचार करती है। पीले पुष्प, हरित खेत और कोमल वातावरण हमें यह स्मरण कराते हैं कि जीवन का मूल स्वभाव विकास और सौंदर्य है।

यह विज्ञान का युग है। तकनीक और सूचना की कोई कमी नहीं, फिर भी समाज में असंतुलन, हिंसा और दिशाहीनता की वृद्धि का कारण संस्कारयुक्त विद्या का अभाव है। युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने स्पष्ट कहा है, 'जिस शिक्षा से मनुष्य श्रेष्ठ न बने, वह वास्तविक शिक्षा नहीं है।' सरस्वती पूजन और वसंत पंचमी इसी विकृति के समाधान का पर्व है, जहां हम ज्ञान को चरित्र और सेवा से जोड़ने का संकल्प लेते हैं।

माता सरस्वती का प्रतीकात्मक स्वरूप इस संदेश को स्पष्ट करता है कि उनका श्वेत वस्त्र पवित्रता और निष्कलंकता का प्रतीक है। यह बताता है कि सच्चा ज्ञान अहंकार से मुक्त होता है। वीणा संतुलन का संकेत देती है। विचार और कर्म अध्ययन और आचरण का संतुलन है। उनका वाहन हंस विवेक का प्रतीक है, दूध और पानी को अलग करने की क्षमता अर्थात सत्य और असत्य का भेद। गायत्री परिवार की दृष्टि में सरस्वती उपासना, गायत्री साधना का ही विस्तार है। गायत्री मंत्र का पद 'धियो यो नः प्रचोदयात्' बुद्धि के परिष्कार की प्रार्थना है। जब बुद्धि शुद्ध होती है, तभी सरस्वती का ज्ञान लोकमंगलकारी बनता है। इसीलिए कहा गया है कि गायत्री बुद्धि को गढ़ती हैं और सरस्वती उसे आलोकित करती हैं।

आज का युवा वर्ग इस पर्व का केंद्रबिंदु है, क्योंकि वही युग परिवर्तन की धुरी है। यदि उसकी बुद्धि संस्कारित हुई, तो वही युवा समाज को नई दिशा देगा। सरस्वती पूजा और वसंत पंचमी युवाओं को यह प्रेरणा देती हैं कि वे केवल सफल नहीं, बल्कि सार्थक जीवन जिएं। जब माता सरस्वती की उपासना उनकी जीवन-शैली बनेगी, तभी ज्ञान, करुणा और सेवा से युक्त समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

चौक बाजार से नदीम प्रेस रोड तक 5 घंटे हटाए अतिक्रमण, हर गली में बनी हाथापाई की नौबत

अतिक्रमण हटाने से पहले दो दिन तक पुराने शहर के बाजारों में निगम ने कराई थी मुनादी

जागरण संवाददाता, भोपाल। पुराने भोपाल के बाजारों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए बुधवार को अमला दल बल के साथ मैदान में उतरा। इसके पहले दो दिन तक अमले ने पुराने शहर के सभी बाजारों में मुनादी करवाई थी और दुकानदारों को अपना सामान अंदर रखने की हिदायत दी थी, इसके बाद भी दुकानदार नहीं माने और सड़क पर किए गए अपने अतिक्रमणों को न तो हटाया और न ही अवैध रूप से बनाए गए छज्जों को हटाया। फलस्वरूप बुधवार को जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस विभाग ने पुराने भोपाल के सभी बाजारों में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान अमला चौक बाजार, चूड़ी बाजार, लखेरापुरा, नदीम प्रेस रोड पर कब्जे हटाने के लिए पहुंचा। लगभग पांच घंटे तक जारी कार्रवाई में हर गली में वाद विवाद की स्थिति बनी। अमले ने सुबह ठीक 11 बजे सोमवारा पीरगेट से अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिए थे। अमला सड़क किनारे अवैध तरीके से बनाए गए चबूतरों को हटा रहा था। कई जगहों पर दुकानों के बाहर रखे सामान को भी जब्त किया गया, जिसके चलते निगम कर्मचारियों और दुकानदारों के बीच तीखी नोंक झोंक भी हुई। कुछ जगहों पर नौबत हाथापाई तक पहुंच गई, मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने स्थिति को संभाला और अमला लगातार अपनी कार्रवाई करता रहा।

चौक बाजार में कई जगह हुआ विवाद

पीरगेट से चौक बाजार जाने वाले मार्ग पर कई जगह पर मौजूद अवैध प्लेटफार्म को निगम कर्मी सब्बल व हथौड़े से अतिक्रमण तोड़ रहे थे। जिसका दुकानदार विरोध कर रहे थे।

- अमले ने चौक बाजार में एक दुकान के बाहर रखी टेबल को उठाकर ट्रक में रखवा दिया। दुकानदार ने आरोप लगाया कि यह सामान दुकान के अंदर से उठाया गया है।
- पास में मौजूद एक दूसरी दुकान पर जैसे ही निगम अमले कार्रवाई के लिए पहुंचे। हंगामा शुरू हो गया। निगम कर्मी दुकान के काउंटर को अतिक्रमण के दायरे में बता रहे थे, लेकिन दुकानदार का कहना था कि काउंटर दुकान के अंदर ही रखा हुआ था। वाद विवाद के बीच काउंटर कई जगहों से टूट गया।
- बटन बाजार में दुकान की जाली को उखाड़ने के लिए जैसे ही निगम कर्मी पहुंचे तो मामला मारपीट तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने इस दौरान स्थिति को संभाला।

इनका कहना

पुराने भोपाल के बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में चौक बाजार से नदीम प्रेस रोड तक अतिक्रमण हटाए गए।

● **वरुण अवस्थी,** अपर आयुक्त नगर निगम भोपाल

संक्षिप्त खबरें

महिला प्रहरी पर हमला करने वाले सहकर्मी के बेटे खिलाफ केस

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। केंद्रीय जेल की महिला प्रहरी पर हमला करने वाले सहकर्मी के बेटे और पोते के दोस्त केखिलाफ गांधीनगर पुलिस ने जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने गाली-गलौच, मारपीट और धमकी का केस दर्ज किया है। गांधीनगर पुलिस के मुताबिक, कमला शर्मा केंद्रीय जेल में महिला प्रहरी हैं। 16-17 जनवरी की दरम्यानी रात करीब दो बजे ड्यूटी खत्म कर घर जाने के लिए निकली थीं। जेल से बाहर निकलते ही उन पर सहकर्मी शरीफ खान के बेटे अमन खान ने रॉड से हमला कर दिया था। इससे वह बेसुध हो गईं। अमन ने घसीटकर उन्हें बीच सड़क पर फेंक दिया, जिससे वह किसी वाहन की चपेट में आ जाएं। एक राहगीर ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया था। होश में आने के बाद महिला ने इस संबंध में जेल प्रबंधन को बताया। जेल प्रबंधन से एक पत्र जारी हुआ। गांधीनगर पुलिस ने मामले की जांच की। जांच के बाद मंगलवार को आरोपी अमन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी अमन, महिला के पोते का दोस्त है। जोकि जेल क्वाटर में ही रहता है। महिला का आरोप था कि अमन, पोते को बहला-फुसलाकर आनलाइन रकम अपने खाते में ट्रांसफर करवा रहा था। अब तक वह करीब ढाई लाख रुपए ऐंठ चुका है। इसका पता लगने पर उन्होंने इसकी शिकायत सायबर क्राइम में की है। शिकायत करने से अमन डर गया। पोल खुलने से डर से उसने महिला के ऊपर हमला कर दिया था।

बड़े तालाब के सौंदर्य को देख मंत्रमुग्ध हुए दक्षिण कोरिया के राजदूत

जागरण संवाददाता, भोपाल। भारत में दक्षिण कोरिया के राजदूत महामहिम ली सियोंग-हो ने अपने भोपाल प्रवास के दौरान भोपाल के बड़े तालाब के सौंदर्य का नजदीक से अवलोकन किया। इस दौरान महामहिम सियोंग-हो तालाब को नजदीक से देख मंत्रमुग्ध हो गए। इस दौरान उन्होंनें मप्र पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित शिकारा में बोटिंग भी की और तालाब के सौंदर्य और जैव विविधता को निहारा। इस अवसर पर उनके साथ दक्षिण कोरिया का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। सबने विभिन्न शिकारों में बोटिंग का मजा लिया। सभी बड़े तालाब की प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ जल, शांत वातावरण को देखते ही प्रसन्न हो उठे।

खड़ी ट्रैक्टर-ट्राली में टकराने से बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नजीराबाद इलाके में एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्राली में टकरा गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर है। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय बृजेश मालवीय पिता लाल सिंह ग्राम करैया थाना करारिया जिला विदिशा में रहता था। वह टीएफएल सिक्यूरिटी कंपनी में नौकरी करता था। मंगलवार रात वह अपने साथी कर्मचारी भगवान सिंह पिता राधेश्याम के साथ बाइक से किसी काम के सिलसिले में भोपाल जा रहा था। रात करीब साढ़े 10 बजे वह दोनों ग्राम रतुआ से गुजर रहे थे, तभी एक्सल टूटने के कारण सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्राली से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। थी। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने बृजेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्राली के चालक के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज किया है।

गुप्त नवरात्रि पर 11 घंटे का अखंड हनुमान चालीसा पाठ, उमड़ा सैलाब

जागरण, भोपाल। राजधानी के गोविंदपुरा स्थित मनसा पूर्ण हनुमान मंदिर में गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर 11 घंटे का अखंड हनुमान चालीसा पाठ श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। यह दिव्य पाठ प्रातः 8 बजे प्रारंभ होकर प्रभु हनुमान की कृपा से निरंतर चलता रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर जय श्रीराम और जय हनुमान के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय ऊर्जा से सराबोर हो गया। इस धार्मिक आयोजन में पंडित गिरीश शर्मा, वार्ड 66 के पार्षद जीत राजपूत, मंजू गौतम, डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. केजी मालविया, डॉ. शैलेंद्र सिंहा, डॉ. हर्षिता, नंदू भैया, लक्ष्मण यादव, उमाशंकर, रवि, चित्रकांत, लीलाधर ठाकुर, छोटू भाई, उत्तम सारन सहित अनेक गणमान्यजन एवं भक्तजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंदिर के संस्थापक धर्मेंद्र तिवारी ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा आपसी सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को मजबूती मिलती है।

मामूली विवाद में युवक पर हमला

जागरण, भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र में मामूली विवाद में बदमाश ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय राम बरखेड़ पीसी नगर में रहता था। मंगलवार रात ढ़ाई बजे वह अपनी पत्नी के साथ पैदल घर जा रहा था। तभी आरोपी रोहित राजपूत ने बीच सड़क पर उनका रास्ता रोक लिया। इस दौरान आरोपी ने पूछा कि ये महिला कौन है। पत्नी कहने पर उसने मारपीट शुरू कर दी। इस बीच आरोपी ने युवक का कॉलर पकड़कर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसके दाहिने हाथ और पैर पर गंभीर चोटे आई है। विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। बाद में पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

सीएपीटी परिसर में कुक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

जागरण,भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र में सीएपीटी (सेंट्रल एकेडमी पुलिस ट्रेनिंग) परिसर में कुक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय राज कुमार अहिरवार मूल रूप से रायसेन का रहने वाला था। वह सीएपीटी कैंपस में कुक का काम करता था और शराब पीने का आदी था। बुधवार दोपहर 12 बजे उसे अचानक खून की उल्टियां होने लगी। परिजन तुरंत उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। गुरूवार को शव का पीएम करवाया जाएगा।

अधिकारी बनकर जालसाज ने रिटायर्ड खलासी से की ठगी

पेंशन बनाने का दिया झांसा, डर दिखाकर पूछा ओटीपी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। डीआरएम आफिस की पेंशन शाखा का अधिकारी बनकर शातिर जालसाज ने रेलवे के रिटायर्ड खलासी से पांच लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। जालसाज ने पेंशन बनाने का झांसा देकर अकाउंट नंबर हासिल किया। इसके बाद पेंशन में देरी होने का डर दिखाकर ओटीपी पूछ लिया। पीड़ित के खाते से जैसे ही पैसे कटे, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इस संबंध में सायबर सेल में शिकायत की थी। जांच के बाद ईंटखेड़ी पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ईंटखेड़ी पुलिस के मुताबिक, 60 वर्षीय नरेश रैकवार लांबाखेड़ा स्थित बालाजी लेक सिटी में रहते हैं। वह एक महीने पहले खलासी के पद से रिटायर्ड हुए हैं। बीती 19 जनवरी की सुबह करीब 11 बजे उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉलर ने खुद को डीआरएम आफिस की पेंशन शाखा का अधिकारी बताया। उसने कहाकि आपकी पेंशन बनना है, आपसे जो जानकारी मांगी जाए वह देना होगा और अगर ऐसा नहीं किया तो आपकी पेंशन चार महीने के लिए रुक जाएगी।

धमकी देने के बाद 50 हजार रुपए और ट्रांसफर करा लिए

बैंक से आए मैसेज के बाद उन्होंने जालसाज को कॉल कर 5 लाख रुपए खाते से ट्रांसफर होने की बात पूछी। आरोप ने धमकी देते हुए कहाकि अभी तो सिर्फ 5 लाख रुपए निकाले हैं, अब पूरा पैसा निकल जाएगा। इसके बाद आरोपी ने उनके खाते से 50 हजार रूपए भी ट्रांसफर कर लिए। घटना के बाद नरेश ने सबसे पहले 1930 पर कॉल किया, लेकिन कॉल दो घंटे तक नहीं लगा। कॉल लगने ही उन्होंने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। सायबर सेल पहुंचकर शिकायत की। इसके बाद बैंक पहुंच कर अपना खाता फ्रीज करवाया।

20 खातों में ट्रांसफर हुई रकमः नरेश को सायबर सेल से पता चला कि जालसाज ने उनके खाते में सेंध लगाकर 20 अलग-अलग खातों में ठगी की रकम को ट्रांसफर किया है। इस रकम में से 40 हजार रूपए जालसाज ने एटीएम के माध्यम से निकाले थे। ईंटखेड़ी पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक में भोपाल डीएफओ की जगह पहुंचे एसडीओ

व्यवधान से नाराज जिपं सीईओ सदस्य प्रतिनिधियों को भी बाहर निकाला

जागरण संवाददाता, भोपाल। बुधवार को आहूत हुई जिला पंचायत (जिपं) की साधारण सभा की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान तीन जिपं सदस्य प्रतिनिधि अनिल हाड़ा, विनोद राजौरिया और सुरेश राजपूत बैठक में भोपाल सामान्य वन मंडल अधिकारी की जगह उपवन मंडल अधिकारी के पहुंचने से नाराज थे। तीनों का कहना था कि वन विभाग की शासकीय भूमि पर जमकर कब्जे हो रहे हैं और लंबे समय से सागौन सहित अन्य पेड़ों की भी कटाई हो रही है, लेकिन अधिकारी इसे रोकने को लेकर गंभीर नहीं हैं। वे हर बार अपने प्रतिनिधि को बैठक में भेज देते हैं। इस बार भी एसडीओ धीरज सिंह चौहान को प्रतिनिधि के रूप में भेज दिया गया है। जब तीनों सदस्य प्रतिनिधियों का हंगामा बढ़ने लगा और बैठक में व्यवधान उत्पन्न होने लगा तो जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने नाराज होकर तीनों सदस्य प्रतिनिधियों को ही बैठक से बाहर जाने को कहा। सीईओ का साफ कहना था कि आप तीनों भी प्रतिनिधि हो। पहले आप को बाहर जाना चाहिए। सीईओ के इतना कहता ही तीनों सदस्य प्रतिनिधि अनिल हाड़ा, विनोद राजौरिया और सुरेश राजपूत बैठक से बाहर चले गए। इन तीनों के बैठक से बाहर जाते ही तीनों की धर्मपत्नियां और जिपं सदस्य बैठक से बाहर चली गईं।

अधिकारियों से बोले जिपं सदस्य पिटेगा आपका स्टाफ

बैठक में तीनों जिपं सदस्य डीएफओ के न पहुंचने से इतना खफा हुए कि एसडीओ के सामने ही तेज आवाज में बोलने लगे कि अगर डीएफओ नहीं आए तो मैदान में मौजूद आप सबका स्टाफ पिटेगा। यह शब्द सुनते ही मौके पर मौजूद समस्त अधिकारी नाराज हुए, जिसके बाद सीईओ तिवारी ने मामले को संभाला और कहा कि इस तरह की बात बर्दाश्त नहीं होगी। आप लोग भी प्रतिनिधि हैं, कृपया बैठक से बाहर जाएं और बैठक को सुचारू रूप से चलने दें। बता दें कि इसके पहले भी बिजली कंपनी के अधिकारियों से कुछ जिपं सदस्य प्रतिनिधि इस तरह की ही अभद्रता कर चुके हैं। मामले में सभी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सभी अधिकारी शासकीय काम कर रहे हैं, इस तरह की भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बच्चों को दी वन्य प्राणियों को रेस्क्यू करने की जानकारी

जागरण संवाददाता, भोपाल। वन विहार नेशनल पार्क में अनुभूति कार्यक्रम के तहत अब्बास नगर स्थित शासकीय माध्यमिक शाला के 59 बच्चों और उनके साथ पहुंचे 4 शिक्षकों को पर्यावरण एवं जलवायु संतुलन में जंगल के महत्व को समझाया गया और यह भी बताया गया कि प्रकृति में वन्य प्राणियों का क्या महत्व है। वन विहार के संचालक विजय कुमार व सहायक संचालक वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में बच्चों को वन्य प्राणियों को रेस्क्यू करने की जानकारी दी गई। बच्चों को रेस्क्यू वाहन के पास ले जाकर रेस्क्यू टीम से भी मिलवाय गया। ईको पर्यटन विकास बोर्ड के समन्वय से मैं भी बाघ, हम है बदलाव दोनों को जोड़ते हुए नई थीम हम हैं धरती के दूत के माध्यम से बच्चों तक पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश पहुंचाया गया। ट्रेनर के रूप में एके खरे, सेवानिवृत उप वन संरक्षक उपस्थित रहे। शिविर में सम्मिलित बच्चों को अनुभूति बुक, केप, हर्बल किट, पेन, वन विहार के ब्रोशर के साथ जलीय पक्षी, स्थलीय पक्षी, तितली प्रजाति, गिद्ध कुंजी के ब्रोशर प्रदान किए गए।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक ने पत्नी की साड़ी से लगाई फांसी

पत्नी बाजार गई थी, लौटने पर दरवाजा लॉक मिला, ऐशबाग की घटना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। ऐशबाग में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे इंजीनियर ने फांसी लगा ली। मृतक ने पत्नी की साड़ी से फंदा बनाया था। उसकी पत्नी सागर गैरे जाने का कहकर निकली थी। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन जब्त किया है। ऐशबाग थाना प्रभारी संदीप पवार ने बताया कि ग्वालियर निवासी 28 वर्षीय धर्मवीर सिंह जाट पिता माधव सिंह यहां शालीमार स्टर्लिंग अपार्टमेंट में पत्नी के साथ रहता था। वह बीटेक पास था। सात साल से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। तीन साल पहले ग्वालियर निवासी दीक्षा से उसकी शादी हुई थी। दीक्षा एक निजी इंजीनियरिंग कालेज में पढ़ाती हैं। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात साढ़े 12 बजे दीक्षा सागर गैरे से सामान लाने निकली थीं। देर रात डेढ़ बजे वह वापस लौटीं। धर्मवीर ने दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। काफी आवाज देने और मोबाइल लगाने के बाद भी धर्मवीर ने दरवाजा नहीं खोला और न ही फोन रिसीव किया। अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत नीचे उतरी।

गार्ड ले डुप्लीकेट चाबी देने से किया मना

दीक्षा मल्टी के सिक्यूरिटी गार्ड के पास पहुंचीं। उसने घर की डुप्लीकेट चाबी मांगी। गार्ड ने चाबी देने से मना कर दिया। उसने कहा कि सोसायटी अध्यक्ष से पूछे बिना वह चाबी नहीं दे सकता। गार्ड ने अध्यक्ष को कॉल किया। अध्यक्ष ने डायल-112 पर कॉल कर घटना की जानकारी दी। डायल-112 पर मिले इवेंट के बाद देर रात ढाई बजे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और अंदर दाखिल हुई। अंदर धर्मवीर फांसी के फंदे से लटका मिला।

सास के साथ नहीं रहने की जिद में लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता अपनी सास के साथ नहीं रहना चाहती थी। इस जिद के चलते उसने फांसी लगा ली। मृतका की नौ महीने पहले शादी हुई। कुछ दिनों पहले महिला अपने पति पर सास से अलग रहने के लिए दबाव डाल रही थी। मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है, जिससे आत्महत्या के कारणों पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार 20 वर्षीय दीपा प्रजापति पति आकाश शिवनगर में रहती थी। 30 अप्रैल 2025 में उसकी शादी हुई थी। वह गृहणी थी। जबकि उसका पति मनोहर डेयरी में कुक का काम करता है। उसकी सास प्रीती भी वहीं काम करती है। बीते दो दिनों से महिला अपने पति पर सास से अलग रहने का दबाव बना रही थी।

दादाजी धाम में बसंत पंचमी पर आयोजन

जागरण, भोपाल। दादाजी धाम मंदिर, पटेल नगर, में गुरुवार को श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ एवं विनायक चतुर्थी, वसंत पंचमी के शुभ संयोग पर विशेष धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। इस अवसर पर प्रातः 11.00 बजे राम संकीर्तन, रामरक्षा स्तोत्र पाठ एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन होगा। वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर 23 जनवरी को दोपहर 2.00 बजे से मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। कथा व्यास पूच्य आचार्य रोहित रिछारिया रहेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन बागेश्वर धाम मातृशक्ति मंडल, भोपाल एवं दादाजी धाम परिवार के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। सायं 5.00 बजे से विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती का विधिवत पूजन, अठारह पुराण एवं शास्त्रों का पूजन किया जाएगा। माँ नर्मदा जयंती का पावन पर्व 25 जनवरी को मनाया जाएगा। प्रातः भगवान शिव का विधिवत रुद्राभिषेक, माँ नर्मदा जी का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन, महाआरती, भजन-कीर्तन एवं भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महाभारत समागम — भारत भवन के मंचों पर हवेली संगीत, कर्णभारम् का मंचन

द्रौपदी की अग्नि से हिमालय की जीवंत यात्रा

जागरण, भोपाल। भारत भवन के बहिरंग मंच पर जैसे ही 'कृष्णा- फायर टू फ्रॉस्ट' की शुरुआत हुई, पूरा परिसर द्रौपदी की आंतरिक यात्रा का साक्षी बन गया। मंच पर अग्निकुंड से जन्म लेती द्रौपदी की पहली ही छवि ने दर्शकों को बांध लिया। प्रसिद्ध नृत्यांगना निरुपमा राजेंद्र के निर्देशन में नृत्यनाटिका में स्वयंवर का उल्लास, पांच पांडवों से विवाह की जटिलता, द्यूतसभा का अपमान, वनवास की पीड़ा और युद्ध की विभीषिका हर प्रसंग बेहद सधे हुए नृत्य और प्रभावी संगीत के साथ सामने आया। द्यूतसभा का दृश्य विशेष रूप से हृदय को झकझोर देने वाला रहा, जहां द्रौपदी का मौन ही उसका सबसे बड़ा प्रतिरोध बनकर उभरा। पूरे नाट्य में भगवान श्रीकृष्ण केवल पात्र नहीं, बल्कि एक अदृश्य ऊर्जा की तरह उपस्थित रहे-कभी मार्गदर्शक, कभी साक्षी। उनकी उपस्थिति द्रौपदी को टूटने नहीं देती, बल्कि उसे भीतर से मजबूत करती है। प्रस्तुति का अंतिम हिस्सा, जहां द्रौपदी हिमालय की ओर बढ़ती है, 'आग' से 'बर्फ' में बदलते उस भाव को दर्शाता है, जहां संघर्ष वैराग्य में और प्रश्न आत्मबोध में बदल जाते हैं। वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित महाभारत समागम के छठवें दिन भारत भवन के मंचों पर शास्त्रीय संगीत और रंगमंच की सशक्त प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। पूर्वरंग मंच पर पुणे के प्रसिद्ध गायक विनय अनुजा ने मन मोह्यो सांवरो शीर्षक से हवेली संगीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। पुष्टिमार्गीय परंपरा से विकसित इस संगीत शैली में सूरदास सहित अष्टछाप कवियों की रचनाओं के माध्यम से श्रीकृष्ण भक्ति, प्रेम और माधुर्य को स्वरों में पिरोया गया। अंतरंग सभागार में केरल के सोपानम थिएटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत नाट्यप्रस्तुति कर्णभारम् का मंचन हुआ। प्रसिद्ध रंग निर्देशक के.एन. पनिक्कर के निर्देशन में यह प्रस्तुति महाभारत के महान योद्धा कर्ण के जीवन के अंतिम क्षणों और उसके भीतर चल रहे मानसिक द्वंद्व को केंद्र में रखती है।

रीडर्स, राइटर्स एंड लिटरेचर पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

जागरण, भोपाल। शासकीय एम.एल.बी. कन्या महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा रीडर्स, राइटर्स एंड लिटरेचर विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में साहित्यिक समझ विकसित करना और रचनात्मक लेखन के प्रति उनकी सहभागिता बढ़ाना रहा। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा रायजादा ने पाठकों, लेखकों और साहित्यिक पाठों के बीच संबंधों की गहन समझ विकसित करने पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में ऑस्ट्रेलियाई लेखिका इनेज बाराने ने अपनी लेखन यात्रा साझा करते हुए पारंपरिक और प्रयोगात्मक लेखन विधियों से परिचित कराया। सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय अग्रवाल ने की। डॉ. रोली अग्रवाल ने जेन ऑस्टिन, वर्जीनिया वुल्फ और अर्नेस्ट हेमिंग्वे की कृतियों पर चर्चा की। कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तर सत्र और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

आतंकी घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाना जरूरी

केंद्र सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की बदौलत हाल के वर्षों में सीमा पर घुसपैठ की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया है। अगर यह सच है, तो फिर ज्यादातर वारदात में विदेशी आतंकियों का नाम सामने क्यों आता है?

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया, जबकि सात अन्य घायल हो गए। सवाल है कि आखिर कश्मीर घाटी और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? आतंकियों पर लगाम कसने के सरकार के दावों के बीच इस तरह के नापाक मंसूबे कैसे फलीभूत हो पा रहे हैं, इस पर नए सिरे से मंथन की जरूरत है।

यह बात छिपी नहीं है कि भारत में आतंकवाद की जड़ें सीमा पार पाकिस्तान की जमीन में हैं। किश्तवाड़ जिले के सोननार क्षेत्र में जिन आतंकवादियों के साथ सुरक्षाबलों के जवानों की मुठभेड़ हुई, उनके विदेशी मूल के होने और पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की बात कही जा रही है।

सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों की धर-पकड़ के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया था। घाटी में इस तरह के अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि कश्मीर में सुरक्षाबलों का सूचना तंत्र मजबूत है, लेकिन इस तरह की वारदात में किसी जवान का शहीद हो जाना दुखद और चिंताजनक है। ऐसे में सीमा पार से आतंकी घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाना सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है।

केंद्र सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की बदौलत हाल के वर्षों में सीमा पर घुसपैठ की घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया है। अगर यह सच है, तो फिर ज्यादातर वारदात में विदेशी आतंकियों का नाम सामने क्यों आता है? दावों और हकीकत के बीच के इस अंतर को समझने की जरूरत है। यह सवाल भी अहम है कि देश के भीतर सक्रिय आतंकियों के पास हथियार और गोला-बारूद कहां से आ रहा है और उनके वित्त पोषण का स्रोत क्या है!

आतंकी तंत्र के लिए हवाला के जरिए पैसे भेजने की बात जगजाहिर हो चुकी है, लेकिन अब इसमें क्रिप्टो करंसी का नाम भी जुड़ गया है। सुरक्षा एजंसियों ने दावा किया है कि जांच में 'क्रिप्टो हवाला' तंत्र का पता चला है, जो जम्मू-कश्मीर में विदेशी धन का अवैध प्रवाह कर रहा है। जाहिर है कि इस तरह के वित्त पोषण से न केवल आतंकियों के लिए हमले का सामान जुटाया जाता है, बल्कि अलगाववादी तत्वों को सक्रिय करने में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षाबलों के लिए यह एक नई चुनौती है। आतंकवाद का बढ़ता खतरा अब वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग से यह खतरा और भी व्यापक एवं भयावह होता जा रहा है। आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत भी शामिल है। हालांकि, हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी वारदात में संख्या की लिहाज से कमी आई है, लेकिन लक्षित हमलों को और ज्यादा भीषण बनाने के प्रयास बढ़े हैं।

वर्ष 2016 में पठानकोट हमला, 2017 में अमरनाथ यात्रियों पर हमला, वर्ष 2019 में पुलवामा हमला और पिछले वर्ष पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाने की घटना इसका उदाहरण है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि सीमा पार से घुसपैठ रोकने के साथ आतंकियों के वित्तपोषण के तंत्र को तो?ने के लिए व्यापक एवं प्रभावी रणनीति तैयार की जाए।

अंतरराष्ट्रीय तनाव

इस्लामी गणराज्य के अस्तित्व को चुनौती दे रहे विरोध प्रदर्शन

आंतरिक विरोध से अस्थिर हो रहा ईरान

गद्दाम धमेंद्र

ईरान में विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन व उन पर सरकार की सख्त प्रतिक्रिया जारी है। ये इस इस्लामी गणराज्य के लिए अस्तित्व को चुनौती प्रतीत होते हैं। ऐसे में वहां सत्ता परिवर्तन की मांग शायद जल्दबाजी हो , लेकिन सरकार के अंदर बदलाव होने लाजिमी हैं। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुए अभूतपूर्व देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों ने इस्लामिक गणराज्य ईरान को हिलाकर रख दिया है। ये जल्द ही रुक जाएंगे, ऐसा कोई संकेत दिखाई नहीं देता। ईरान में सामाजिक अशांति नई बात नहीं, लेकिन हाल में हुए सार्वजनिक प्रदर्शनों की तीव्रता से लगता है कि देश के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है।

इनको फरवरी, 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद से, 47 सालों में सत्ता के समक्ष सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। देश में लॉकडाउन के अलावा अंतर्राष्ट्रीय संचार और टेलीफोन सेवाएं बंद हैं। कहा जा रहा है कि सरकार ने वैश्विक सैटेलाइट संचार नेटवर्क 'स्टारलिंक' ब्लॉक करने को रूसी या चीनी मिलिट्री ग्रेड तकनीक का इस्तेमाल किया। अफवाहों और सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी वाले माहौल में ईरान में मौजूदा स्थिति का सटीक अंदाजा मुश्किल है। लेकिन, कई स्रोतों की रिपोर्ट है कि हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने बेरहमी से कार्रवाई की; जिसकी वजह से अब तक बड़ी संख्या में मौतें हो चुकी हैं और हजारों लोग हिरासत में लिये। आने वाले दिन या शायद हफ़्ते, तय करेंगे कि व्यापक तौर पर नापसंद मौजूदा सत्ता का भविष्य क्या होगा, हालांकि यह लंबे समय से कायम है और अगले महीने अपने 48वें साल में कदम रखने वाली है।

28 दिसंबर से शुरू होकर, संपूर्ण ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और दंगे हुए। आरंभ तेहरान के ग्रैंड बाजार से हुआ। व्यापारी दुकानें बंद कर धरने पर बैठ गए, उनके विरोध की मुख्य वजह थी ईरानी मुद्रा, रियाल का अपने मुख्य मूल्य मापदंड अमेरिकी डॉलर के बरक्स बेतरह गिरना। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की सरकार द्वारा वित्तीय एवं आर्थिक सुधार करने के फैसले ने आग में घी डाल दिया, इसके पीछे हर चीज पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध भी एक वजह है।

एक प्रस्ताव था कि तरजीही विनिमय दर व्यवस्था वापस ले ली जाए, जिसके तहत व्यापार संघ, जिन्हें वहां 'बाजारी' कहा जाता है, उन्हें भारी सब्सिडी पर बहुत कम दाम पर विदेशी मुद्रा मुहैया करवायी जाती है। ये 'बाजारी' नियंत्रित विदेशी मुद्रा प्रणाली के तहत तरजीही सरकारी फंड की उपलब्धता का पूरा बचाव करते आये हैं। पेजेशकियन के फैसले ने सत्ताधारी मौलाना वर्ग को इस मुद्दे पर बांट दिया, जो अर्थव्यवस्था पर बाजारियों के प्रभाव से परिचित हैं।

जो विरोध प्रदर्शन बाजारियों द्वारा दबाव बनाने की तरकीब के तौर पर शुरू हुए, वे जंगल में आग की तरह फैल गए, जिसमें छात्र और समाज का हरेक तबका शामिल हो गया, उनमें हताशा-निराशा लंबे समय से है, खासकर युवाओं में। इसके कुछ कारण हैं, अर्थव्यवस्था एवं रोजगार की खस्ता हालत, उच्च महंगाई दर (अनुमानित 45 फीसदी) और सरकार का आर्थिक कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार व सरकारी छूट का अनुचित लाभ लेने से लोगों में उपजी निराशा।

ईरान में पिछले विरोध प्रदर्शनों का पैटर्न, जिसमें सबसे ताजा 2022 का हिजाब-विरोधी प्रदर्शन था, कुछ ऐसा रहा कि लोगों की नाराजगी शुरू में तो किसी सामाजिक (हिजाब-विरोध) या आर्थिक शिकायत से भड़की, लेकिन तुरंत ही सियासी बगावत में बदल गयी। मौजूदा आंदोलन भी उसी पैटर्न पर है। एक अतिरिक्त अवयव यह कि फलस्तीन, सीरिया व लेबनान के मामले में ईरानी सरकार के दखल से पड़े आर्थिक बोझ पर नाराजगी खुलकर जाहिर हुई है।

सरकार के खिलाफ आम नारा 'तानाशाह को सजाए मौत' जिससे अभिप्राय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई है, के अलावा अब 'न गाजा न लेबनान के लिए, मेरी जान है ईरान के लिए' जैसे नारे भी लग रहे हैं। एक नया अवयव है 'जाविद शाह' (शाह अमर रहे) का नारा है, यानी अमेरिका में निर्वासन काट रहे युवराज रेजा पहलवी। पहलवी इस बगावत का श्रेय चाहते हैं और खुद को बतौर सही विकल्प पेश कर रहे हैं। हालांकि ईरान की बिखरी राजनीति और पहलवी की ईरानियों की इस पीढ़ी से दूरी के चलते यह मुश्किल काम लगता है। राजशाही ईरानियों के बीच विवादास्पद मुद्दा है। वर्तमान सामाजिक उथल-पुथल की तीव्रता और उस पर सरकार की जानी-पहचानी सख्ती ने पश्चिम एशिया के सबसे महत्वपूर्ण भू-रणनीतिक खिलाड़ियों में एक की अंदरूनी स्थिरता को लेकर चिंताएं पैदा कर दी हैं। जो हालात बन रहे, वे ईरान के पड़ोसियों के लिए भी गहरी चिंता की वजह होंगे। ईरान पश्चिम एशिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो भू-रणनीतिक एवं धार्मिक तौर पर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी, सऊदी अरब के बाद दूसरे नंबर पर है। दोनों मुल्क सुन्नी और शिया पंथ की विचारधाराओं के जरिए इस्लामिक उम्माह की सरदारी के लिए होड़ में हैं।

भारत और ईरान के बीच पारंपरिक रूप से करीबी ऐतिहासिक रिश्ते रहे और हाल के वर्ज़ों में और प्रगाढ़ हुए, खासकर भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट के प्रबंधन एवं परिचालन की भागीदारी के जरिये। ब्रिक्स और एससीओ की सदस्यता दोनों देशों को सहयोग बढ़ाने देने में मददगार है। ईरान अपनी आजादी कायम रखने को कटिबद्ध है और वैश्विक ऊर्जा बाजार सहित एक महत्वपूर्ण भू-रणनीतिक खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह बनाए है। इसके पास कच्चे तेल का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा और प्राकृतिक गैस का दूसरा सबसे बड़ा भंडार है। ईरान काफी मांग वाले अपने हल्के तेल, यानी कम सल्फर मात्रा वाले कच्चे तेल, का प्रतिदिन लगभग दो मिलियन बैरल निर्यात करता है। इस प्रकार, ईरान में विरोध प्रदर्शनों और वेनेजुएला में हुई असामान्य घटनाओं ने दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ला दी, ऐसी बढ़ोतरी जिस पर भारत के नीति निर्माता आगामी केंद्रीय बजट से पहले करीबी नजर रखेंगे।

फिलहाल, ईरान में हालात बेहद अस्थिर हैं। इराक की सीमा से लगे ईरान के उन प्रांतों में स्थिति खासकर गंभीर लग रही है जो कुर्द-बहुल हैं। फिलहाल इस्लामिक शासन में फूट के संकेत नहीं दिखे व सर्वोच्च नेता ने समझौता करने या लोगों से संपर्क की इच्छा नहीं जताई। पेजेशकियन शुरू में सुलह के इच्छुक लगे, लेकिन फिर पीछे हट गए। भारत आम तौर पर ऐसे अवसरों पर सावधान रहा है, महज एक छोटी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है और किसी भी सार्वजनिक ब्यान से परहेज किया। आखिर, ईरान में लगभग 3,000 भारतीय छात्र हैं, जिनमें क़ोम व मशाद के धार्मिक मदरसों के तालिब भी शामिल हैं, और यह सावधानी जरूरी है।

दूसरी ओर, ज़्यादातर पश्चिमी देशों की आधिकारिक टिप्पणियों में ईरानी अधिकारियों की कड़ी प्रतिक्रिया की निंदा की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ तो ईरान पर हमला करने की धमकी दे रहे लेकिन यह दावा भी कर रहे कि उन्हें फिर से ईरान से वार्ता संदेश मिले हैं। घटनाक्रम पर नजर रखने वाले जानते हैं कि अमेरिका ने डिएगो गार्सिया में फिर से रणनीतिक बॉम्बर हवाई जहाज तैनात कर दिए।

जहां सत्ता परिवर्तन की मांग समयपूर्व और जल्दबाजी हो सकती है, लेकिन संभव है सरकार के अंदर बदलाव की शुरुआत हमें देखने को मिले। ईरान में किसी भी किस्म की अस्थिरता के इस क्षेत्र और ऊर्जा मार्केट, दोनों पर, गंभीर असर होंगे।

(लेखक ईरान में भारत के राजदूत रहे हैं।)

खुला मंच

टंग की कीलें भी नहीं बना पा रहे हम...!

अजय कुमार प्रजापति

इन दिनों मिल रही सलेटी रंग वाली मोटी चिकनी कीलों को देख रहे हैं, ये चीन की बनी हुई हैं, इन कीलों ने हाल के दिनों में पूरे भारत की काली और मरियल कीलों को मार्केट से रिप्लेस कर दिया है?

इन कीलों की खासियत ये है कि इन्हें अगर दीवार में ठोका जाये तो ये हमारी कीलों की तरह टेढ़ी नहीं होती हैं?

पहले हम अपने देश में बनी कीलों को अपने घरों की दीवारों में ठोक पाते थे। मगर पिछले कुछ सालों से जो कीलें अपने यहां बनने लगी थीं, वे दीवार में सही सलामत तभी जा पाती थीं, जब तक ड्रिलिंग मशीन के सहारे उसे अंदर डाला जाये....।

आलम यह था कि अगर आपको घर में चार कीलें लगवानी है तो ड्रिलिंग मशीन किराये पर मंगवायें...।

मगर अब इन चायनीज कीलों ने फिर से हमारा काम आसान कर दिया है, डेढ़ से दो रुपये की एक आती हैं और इन्हें आप हथौड़े से सीधे ठोक सकते हैं...।

कीलों पर इतना लंबा लेख लिखने का एक ही मकसद है कि हम अब अपनी जरूरत के हिसाब से कीलें भी नहीं बना पा रहे हैं... इसी तरह सखुआ-पलाश से बने पत्तलों को चाइनीज थर्मोकोल की पत्तलों ने लगभग रिप्लेस कर दिया है,

भारत की बनी इमरजेंसी लाइट जहां सात-आठ सौ रुपये से कम की बिकती नहीं वहीं चाइनीज इमरजेंसी लाइट महज सौ रुपये में मिल रही है,

दीपावली की रोशनी वाली झालरें, होली की पिचकारी और 15 अगस्त का झंडा सब चीन से आ रहा है...।

...तो भाई, सवाल यह है कि हम बना क्या रहे हैं, हम आर्थिक महाशक्ति कैसे बन रहे हैं?

ये छोटे-छोटे सवाल नहीं हैं, भारतीय औद्योगिक विकास पर सवालिया निशान हैं,,,

ये देश के बड़े उद्योगपति कर क्या रहे हैं, बस जमीन बढ़ा रहे हैं, या कि कुछ जरूरी चीजें बना भी रहे हैं?

अगर हमको आर्थिक रूप से मजबूत बनना है तो इन छोटी छोटी चीजों को अपने देश में ही बनाना होगा, लघु उद्योगों को बढ़ावा देना होगा, सरकार को नीतियां बनानी होगी, नौकरियों के अलावा भी कमाई के साधन हो सकते है, लोगों में यह जागरूकता पैदा करनी होगी?

चीन आज इसी वजह से अतिविकसित देशों की श्रेणी में है, क्योंकि वहाँ,

घर घर मे कील, सुई से लेकर बड़ी चीजों के उद्योग है, एक 10 साल का बच्चा घड़ियाँ बनाता हैं...।

और मजबूरन, बहिष्कार के बाद भी हम चीन से आयात करने को मजबूर हैं?

प्रसंगवश

रोबोटिक्स पर काम करना तरक्की की दरकार

रोबोट की दुनिया में तरक्की फिर तेज हो गई है। मानवीकृत रोबोट की मांग बढ़ी है, तो रोबोट के बढ़ते इस्तेमाल की आलोचना भी शुरू हो गई है। रोबोटिक्स या रोबोट विज्ञान की तरक्की प्रशंसनीय है और इस पर चीन में नहीं, अमेरिका में विरोध के स्वर मुखर हो रहे हैं। सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि अलबामा में रोबोट द्वारा अल्ट्रासाउंड करना अच्छा नहीं है। यह मामला व्हाइट हाउस भी पहुंचा है। वास्तव में, अमेरिका में चिकित्सा क्षेत्र में काम करने वालों की कमी हो गई है या वह बहुत महंगे हो गए हैं। ऐसे में, अल्ट्रासाउंड जैसा काम रोबोट करने लगे हैं। अमेरिका में दिग्गज नेताओं को भी यह लगता है कि रोबोट अगर इलाज में भागीदारी करेंगे, तो मानवीयता खतरे में पड़ जाएगी। हालांकि, इसमें कोई दोराय नहीं कि जहां भी संभव होगा, वहां रोबोट के बढ़ते इस्तेमाल को रोकना मुमकिन नहीं होगा।

बहरहाल, रोबोटिक्स की तरक्की चीन में सबसे तेज है। पिछले तीन महीनों से बड़े पैमाने पर ह्यूमनॉइड या मानवीकृत रोबोट बनाने की योजनाएं घोषित हो रही हैं। ह्यूमनॉइड रोबोट की क्षमताओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिसका श्रेय सस्ते पुर्जों, बेहतर बैटरी क्षमता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एल्गोरिदम जैसे नवाचारों को जाता है। चीनी कंपनी यूबीटेक ने दुनिया में पहली बार बड़े पैमाने पर ह्यूमनॉइड रोबोट की डिलीवरी की है। वॉकर एस2 मॉडल के 1,000 से अधिक ह्यूमनॉइड रोबोट 2025 में कारखानों में काम करने के लिए भेजे गए हैं। चांदी जैसे सफेद रंग का यह ह्यूमनॉइड रोबोट खुद चल सकता है। किसी वस्तु को पकड़कर एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकता है। शुरुआती चरण में सफलता मिल रही है, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या ह्यूमनॉइड रोबोट कंपनियों का समय या पैसा बचा रहे हैं? हां, इतना तो तय है कि ह्यूमनॉइड्स एक दशक पहले की तुलना में इस सपने के कहीं अधिक करीब हैं, इसका श्रेय उन सघन बैटरियों को जाता है, जो रोबोट को मिनटों के बजाय घंटों तक ऊर्जा प्रदान करती हैं। ह्यूमनॉइड का प्रयोग कार कारखानों में सफल हो रहा है। बोस्टन डायनेमिक्स और टेस्ला सहित कुछ अमेरिकी रोबोटिक्स डेवलपर अपनी मूल कंपनी के औद्योगिक संयंत्रों में ह्यूमनॉइड रोबोट के पायलट प्रोजेक्ट चला रहे हैं। अनेक तरह के कार्य रोबोट अब करने लगे हैं, लेकिन दो क्षेत्रों में चुनौती आ रही है। किसी भी रोबोट में सीमित डाटा होता है और उसके अनुरूप उसके काम भी सीमित होते हैं। दूसरी चुनौती, रोबोट को सामान्य कार्यबल का हिस्सा बनाना है। एक मनुष्य हजारों क्रियाओं को अंजाम देते हुए खड़ा रहता है, पर ऐसा करने में रोबोट को अभी सक्षम बनाया जा रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाला समय रोबोटिक्स का होगा और इसमें एआई की वजह से तरक्की तेज होती चली जाएगी।

वैश्विक रोबोटिक्स बाजार में तेज वृद्धि हो रही है, जिसका मूल्य 2025-26 में लगभग 50-88 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत के रोबोटिक्स बाजार का आकार 2025 में 1.98 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह 2034 तक 7.38 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। दुनिया में पचास लाख के करीब रोबोट सेवा दे रहे हैं और भारत में करीब दस हजार रोबोट काम में लगे हैं। रोबोटिक्स में भारत छठे या सातवें स्थान पर आता है। यहां 180 से ज्यादा कंपनियां रोबोटिक्स पर काम कर रही हैं, पर मानवीकृत रोबोट बनाने में लगी करीब दस कंपनियों पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत में काम करने वाले इंसानों की कोई कमी नहीं है, लेकिन हमें रोबोटिक्स पर जरूर काम करना चाहिए।

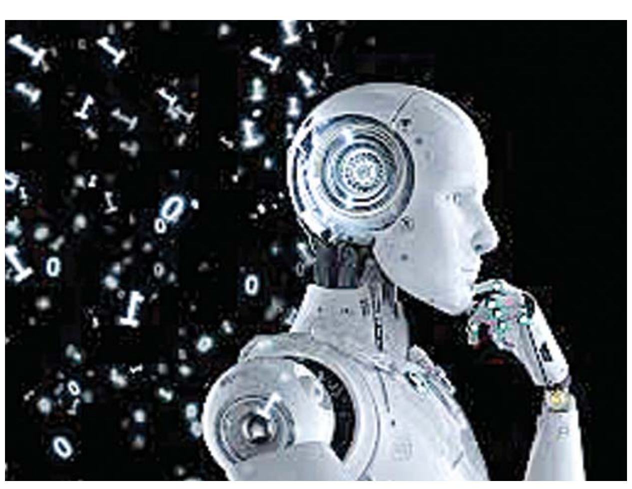

स्वास्थ्य चर्चा

आंख मूंदकर हर्बल का इस्तेमाल या साइड इफेक्ट से रहित मानना भूल है।

सावधान...हर मर्ज की दवा नहीं हैं जड़ी-बूटियां

डॉ ए के साहू

यह बात मुश्किल पैदा करती है, जब हम यह मान लेते हैं कि अगर इस हर्ब ने इस मर्ज में इस व्यक्ति को फायदा पहुंचाया है, तो मुझे भी पहुंचायेगी। जैसे एलोपैथी की दवाएं जरूरी नहीं है कि हर व्यक्ति पर असर करें, उसी तरह से हर्बल दवाएं भी जरूरी नहीं है कि हर व्यक्ति पर असरकारी हों। जड़ी-बूटी से सौ फीसदी फायदे की उम्मीद करना सही नहीं है।

'हर्बल' यानी जड़ी-बूटियां किसी तरह से कमतर औषधीय सुविधा नहीं है। लेकिन इसे चमत्कार समझ लेना भी गलत है। हर मर्ज की दवा हर्बल नहीं होती। लेकिन इन दिनों हर्बल शब्द मानो भरोसे की गारंटी बन गया हो। किसी भी प्रोडक्ट पर हर्बल, नेचुरल या आयुर्वेदिक लिखा देखकर ही मान लेते हैं कि सौ फीसदी सुरक्षित होगा, बिना साइड इफेक्ट होगा, लेकिन यह सही बात नहीं है। आयुर्वेद के अनुसार दवा का सही समय भी उसके असर को कई गुना बढ़ा देता है। चरक संहिता में दवा लेने के काल को पांच भागों में बांटा गया है। सुबह खाली पेट, दोपहर भोजन से पहले, रात के खाने के बाद, भोजन के साथ और सोने से पहले। हर समय शरीर की अलग प्रवृत्ति सक्रिय होती है, इसलिए हर दवा को उसके अनुरूप समय पर लेने से अच्छा रिलज्ट मिलता है। हालांकि दवा लेने से पहले हमेशा आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

हरेक दशा में सुरक्षित नहीं

समझना जरूरी है कि प्रकृति में हर चीज सुरक्षित नहीं होती। धतूरा, आक आदि प्राकृतिक औषधीय पौधे हैं, मगर इनके दुष्प्रभाव भी पूरी दुनिया जानती है। इसी तरह कई जड़ी-बूटियां गलत मात्रा में, गलत तरह से उत्पादित करने में और गलत व्यक्ति को दिये जाने पर फायदे की जगह नुकसान कर सकती हैं। इसलिए आंख मूंदकर हर्बल का इस्तेमाल या इसे किसी तरह के साइड इफेक्ट से रहित मान लेना भूल होती है। कई लोग हर्बल का इस्तेमाल इसलिए करने लगते हैं, अगर यह फायदा नहीं भी पहुंचायेगी तो नुकसान तो करेगी ही नहीं। क्योंकि हर्बल में किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। मगर ऐसा नहीं है। हर्बल दवाएं भी न सिर्फ नुकसान पहुंचा सकती हैं बल्कि उनसे साइड इफेक्ट भी संभव हैं। इसलिए हर्बल का इस्तेमाल करते हुए भी विशेजज्ञों की सलाह लेना जरूरी है। खुद ही कोई धारणा न बनाएं।

चमत्कार न मानें

हम जैसे ही हर्बल को चमत्कार या जादुई मान लेते हैं, वैसे ही समस्या खड़ी हो जाती है। कई बार जब एलोपैथी में कोई तुरंत राहत नहीं मिलती, तो ये सोचकर जड़ी-बूटियों के इलाज पर आ जाते हैं कि इनसे भले तुरंत लाभ न हो, लेकिन नुकसान तो कुछ होगा ही नहीं और अंत में फायदा ही होगा। लेकिन ये धारणा गलत है। दरअसल इस तरह की धारणा का बनना जड़ी-बूटियों की मार्केटिंग का कमाल है। ये सारी बातें वैज्ञानिक कसौटी पर खरी नहीं उतरती। किसी भी जड़ी-बूटी से सौ फीसदी फायदे की उम्मीद करना सही नहीं है।

कई बार कई लोग डॉक्टरों की भारी-भरकम फीस और उनके द्वारा कराये जाने वाले मंहगे टेस्टों से बचने के लिए हर्बल उपचार की शरण में आते हैं। लेकिन ये आपकी अपनी समस्या हो सकती है, इसके लिए हर्बल दवाएं जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए हर्बल से चमत्कार की उम्मीद न लगाएं।

हर रोग का एक ही इलाज नहीं

कुछ बीमारियां ऐसी होती हैं जिनमें हर्बल दवा केवल सहायक तो हो सकती है लेकिन मुख्य इलाज उनसे नहीं होता। जैसे हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक या ब्रेन हेमरेज व अन्य गंभीर बीमरियां, इन परेशानियों का इलाज हर्बल के पास नहीं है। इनके लिए अस्पताल, सर्जरी और मॉनिटरिंग के दायरे में रहना ही पड़ता है। फिर भी लोग जड़ी-बूटियों को हर तरह की परेशानियों का उपाय समझकर जब इन पर गैरजरूरी बोझ डालते हैं, तो सिर्फ उम्मीदें टूटती हैं।

जोखिम उठाने की सीमा

न तो जड़ी-बूटियों पर जरूरत से ज्यादा विश्वास करना सही होता है और न ही अविश्वास। जड़ी बूटियां आपकी सिर्फ जीवनशैली सुधार सकती है, पाचन सुधार सकती हैं, नींद बेहतर कर सकती हैं, इम्यून में सपोर्ट कर सकती हैं और इनके इन प्रभावों के चलते आप जिंदगी और मौत की आशंकाओं वाली बीमारियों में इन पर भरोसे का जोखिम नहीं उठा सकते। यह बात समझना होगा।

मनमाने इस्तेमाल को कहें ना

हर्बल के इस्तेमाल में भी वैज्ञानिक निगरानी, उनकी शुद्धता और डोज पर गंभीरता से ध्यान देना जरूरी होता है। यह नहीं हो सकता कि किसी जड़ी-बूटी को आप यह मानकर मनमाने ढंग से खा लें कि कौन सी यह कोई कैमिकल है। उनका भी एक मानकीकरण होता है और जैसे उत्पाद में शुद्धता की गारंटी जरूरी है, वैसे ही उनके उपयोगी होने के लिए भी उनका शुद्ध होना जरूरी है।

सावधानियां बरतें

कोई भी हर्बल दवा इस्तेमाल करने से पहले डायग्नोसिस कराएं। बाजार से जब भी कोई हर्बल उत्पाद खरीदें, तो उसके नो साइड इफेक्ट वाक्य पर भरोसा न करें। वहीं एक साथ कई हर्बल दवाएं लेना भी नुकसानदायक है। एक बात और उल्लेखनीय है कि ब्लड थिनर, शुगर और बीपी की दवाओं के साथ हर्बल दवाओं को न मिलाएं। दो हफ्ते में लाभ न दिखें तो डॉक्टर से जरूर मिलें, यूं ही कई महीनों तक बिना किसी फायदे के इलाज न कराएं तो बेहतर है।

जीवन दर्शन

संतोष रूपी धन कभी खत्म नहीं होता

जो व्यक्ति प्राप्त चीजों से संतुष्ट नहीं है, उसे अगर समस्त ब्रह्मांड भी मिल जाए, तो वह दरिद्र ही रहेगा। वहीं, जब मनुष्य अल्प में संतोष करना सीख लेता है, तभी वह जीवन की वास्तविक सुंदरता का साक्षात्कार कर पाता है।

इस बात पर तनिक विचार करें कि क्या वह व्यक्ति वास्तव में स्वतंत्र है, जो अपनी अनंत इच्छाओं का दास बना हुआ है? सत्य तो यह है कि सुख का रहस्य और अधिक पाने की अंतहीन खोज में नहीं, बल्कि कम में भी पूर्णता और आनंद अनुभव करने की क्षमता को विकसित करने में छिपा है। मनुष्य की प्रकृति उस 'छलनी' के समान हो गई है, जिसे वह संसार की वस्तुओं से भरने का निष्फल प्रयास करता रहता है। एक इच्छा तृप्त होती है, तो दूसरी तुरंत जन्म ले लेती है, और यह भ्रम बना रहता है कि अगली उपलब्धि ही अंततः हमें शांति प्रदान करेगी। याद रखें, यह निरंतर दौड़ आपको भीतर से खोखला कर देती है।

जिस प्रकार एक अस्वस्थ शरीर को महंगे आभूषण शोभा नहीं देते, उसी प्रकार एक अशांत और लोभी मन को संसार का समस्त वैभव भी सुख नहीं दे सकता। सच्चा वैभव तो आत्मा का सद्गुण है, जो बाहर नहीं, केवल भीतर से प्रस्फुटित होता है। जब मनुष्य अल्प में संतोष करना सीख लेता है, तभी वह जीवन की वास्तविक सुंदरता का साक्षात्कार कर पाता है। जिसे हम अभाव कहते हैं, वह वास्तव में अनावश्यक बोझ से मुक्ति है। एक विवेकशील व्यक्ति यह जानता है कि संतोष ही सबसे बड़ा धन है।

हम प्रायः उन अनमोल उपहारों की उपेक्षा कर देते हैं, जो हमारे पास पहले से मौजूद हैं-जैसे हमारा समय, स्वास्थ्य, संबंध और वर्तमान के छोटे-छोटे अनुभव व खुशी के पल। हम इन्हें तब तक महत्व नहीं देते, जब तक वक्त इन्हें हमसे छीन नहीं लेता। याद रखें, एक साधारण भोजन भी अमृत समान हो सकता है, यदि मन संतुलित हो, और एक छोटी-सी कुटिया भी स्वर्ग बन सकती है, अगर उसमें प्रेम और समझ का वास हो। सुख कोई ऐसी वस्तु नहीं, जिसे बाजार से खरीदा जाए, बल्कि इसे तो वर्तमान के प्रति पूर्ण स्वीकृति के साथ जिया जाता है।

समाज आपको अधिक हासिल करने का पाठ पढ़ाकर मानसिक थकान, ईर्ष्या और अकेलेपन की ओर धकेलता है, लेकिन सादगी ही वह एकमात्र मार्ग है, जो आपको वास्तविक स्वतंत्रता प्रदान कर सकती है। जब आप कम में प्रसन्न रहना सीख लेते हैं, तब तुलना रूपी विर्षला सर्प आपको डस नहीं पाता। इसलिए, स्वयं को पहचानें, क्योंकि जब आप अपनी आत्मा के साथ सामंजस्य बिठा लेते हैं, तब आपको बाहरी अधिकता की आवश्यकता ही नहीं रह जाती। जो व्यक्ति प्राप्त चीजों से संतुष्ट नहीं है, उसे अगर समस्त ब्रह्मांड भी मिल जाए, तो वह दरिद्र का दरिद्र ही रहेगा। इसलिए, अपने देखने के नजरिये को बदलें, क्योंकि संसार आपको वैसा ही दिखेगा, जैसा आपका मन उसे देखना चाहेगा। जीवन की सच्ची स्वतंत्रता इच्छाओं की पूर्ति में नहीं, बल्कि उन पर नियंत्रण में निहित है। जो मन संतोष करना सीख लेता है, वही वास्तव में समृद्ध होता है। बाहरी उपलब्धियां तभी तक आकर्षक लगती हैं, जब तक भीतर शांति का अभाव होता है। सादगी मनुष्य को तुलना से मुक्त करती है और आत्मिक स्पष्टता देती है।

-सुकरात

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

चातुर्वर्ण्यं मया सृक्षं गुणकर्मविभागशः।
तस्य कर्तारमपि मां विद्धयकर्तारमव्ययम।।

भावार्थ

ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र- इन चार वर्णों का समूह, गुण और कर्मों के विभागपूर्वक मेरे द्वारा रचा गया है। इस प्रकार उस सृष्टि रचनादि कर्म का कर्ता होने पर भी मुझ अविनाशी परमेश्वर को तू वास्तव में अकर्ता ही जान।

चेम्बर चुनाव में वोट लेने आए उम्मीदवारों के सामने निकाली भड़ास

नाराज व्यापारी बोले- नेता केवल हमारा इस्तेमाल करते हैं, काम कुछ नहीं करते

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। नेता हमारा इस्तेमाल करते हैं, लेकिन काम कुछ नहीं करते। चाहे नगर निगम के लायसेंस शुल्क का मामला हो, या जीएसटी का, इसके अलावा राजधानी के सबसे बड़े कारोबारी इलाके संत हिरदाराम नगर की हालत अस्त व्यस्त है, यातायात समस्या के कारण आम ग्राहक एवं व्यापारी त्रस्त हैं, बाजारों में अतिक्रमण है, परन्तु सुविधाएं देने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है, जबकि सरकार हमारे दम पर चल रही है, क्योंकि उसे सर्वाधिक राजस्व व्यापारी ही देते हैं। यह कहना है संत हिरदाराम नगर के कारोबारियों का। भोपाल चेम्बर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के चुनाव जो एक फरवरी को प्रस्तावित हैं, के लिए समर्थन मांगने आए प्रगतिशील पेनल के सामने खासतौर पर कपड़ा कारोबारियों की अग्रणी संस्था थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी एवं पूर्व अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी ने भड़ास निकाली।

सर्वाधिक देते हैं राजस्व

कार्यक्रम के आरंभ में ही कपड़ा एसोसियेशन के पूर्व अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी ने कहा कि नेता हमारा इस्तेमाल करते हैं, भीड़ चाहिए तो हमें बुलाया जाता है, लेकिन जब लायसेंस शुल्क हटाना था, तब कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। लाखों रूपए प्रार्पटी टेक्स देते हैं, लेकिन दुकान के सामने ठेले वाला खड़ा है, तो उसे हटाया नहीं जाता, यातायात की स्थिति दयनीय है, उसे सुधारा नहीं जा रहा है। जीएसडी अधिकारियों को आड़े लेते हुए वासुदेव वाधवानी ने कहा कि गठान लेकर आने वाले आटो चालक से पेपर छीन लेते हैं, बीच रोड पर खड़े होकर व्यापारी को इस तरह से बुलाया जाता है, जैसे वह अपराधी हो, जबकि व्यापारी करोड़ों का टर्न ओवर करते हैं, उनके साथ ऐसा व्यवहार बर्दाश्त से बाहर होता है।

नहीं मिलता सम्मान

कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी ने भी लायसेंस शुल्क का मामला उठाया और कहा कि अभी तक उसका समाधान नहीं हुआ है, लायसेंस शुल्क केवल भोपाल में लग रहा है, इंदौर व जबलपुर में भी नहीं है। चुनाव होते हैं, तो जमा हो जाते हैं, पर व्यापारियों की समस्या को समझना और उसका समाधान करना होगा। कन्हैयालाल इसरानी ने कहा कि संत हिरदाराम नगर के व्यापारियों को चेम्बर आफ कामर्स में वह मान सम्मान नहीं मिलता, जिसकी अपेक्षा रहती है, जबकि चेम्बर के सारे व्यापारी हमारे यहां से ही कपड़ा व बर्तन खरीदते हैं।

बंद करेंगे भोपाल

जब चेम्ब्र के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान अध्यक्ष पद उम्मीदवार तेजकुलपाल सिंह पाली की बारी आई, उन्होंने कहा कि अगर वे जीत गए तो लायसेंस शुल्क हटाने को लेकर पहले महापौर से चर्चा करेंगे, अगर महत्व नहीं मिला तो भोपाल बंद का आव्हान किया जाएगा। उन्होंने चुनाव के पहले ही षडयंत्र कर उन्हें पद से हटने को मजबूरी करने का मामला भी सुनाया। चूंकि भोपाल चेम्बर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज समय समय पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से निःशुल्क नेत्र शिविरों का आयोजन करती आई है, ऐसे में जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने भी उदबोधन दिया और सेवा को लक्ष्य का लक्ष्य बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद वीधानी ने भी विचार रखे। समारोह में कपड़ा एसोसियेशन के पूर्व अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, वर्तमान महासचिव दिनेश वाधवानी, समाज सेवी हीरो ज्ञानंचदानी, बर्तन व्यापारी संघ के जवाहर मूलचंदानी बाबूभाई, नारायण तोलानी, हरीश तेजवानी, अनाज व्यापारी संत नरेश पारदासानी, कपड़ा व्यापारी नेरश केवलरामानी, रामचंद मूलचंदानी, आसनदास वाधवानी, मनोहर वीधानी, नरेन्द्र लालवानी, नारायणदास लालवानी, अनमोल अग्रवाल, परमजीत सिंह गांधी, महेश गर्ग सहित अनेक कारोबारी उपस्थित थे। यहां संत हिरदाराम नगर के कारोबारियों ने तेजकुलपाल सिंह, ललित तांतेड़, घनश्याम थारानी, कमल पंजवानी आदि सहित सभी उम्मीदवारों का शाल ओढ़ाकर एवं हारफूलों से गर्मजोशी से स्वागत किया।

इंदौर का असर, हर मोहल्ले से युद्धस्तर पर सैंपल ले रहा ननि

खुदाई कर सुधारा जा रहा पाइप लाइनों को, आज नहीं होगी सप्लाई

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इंदौर जैसी घटना भोपाल में न होने पाए इसके लिए नगर निगम का जल कार्य विभाग कम से कम व्यापारिक एवं भाजपा बाहुल्य इलाके संत हिरदाराम नगर में पसीना बहाते देखा जा सकता है। न केवल सहायक यंत्री सचिन साहू बल्कि अधीक्षण यंत्री ने भी अनेक इलाकों का दौरा कर लोगों से बात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि गन्दे पानी की समस्या को पूरी तरह से दूर किया जाएगा। वार्ड एक गांधीनगर के अलावा वार्ड दो सीटीओ, बैरागढ़ कला वार्ड तीन, सीआरपी, बी न्यू एवं एच वार्ड का इलाजा जो वार्ड 4 में शामिल के अतिरिक्त वन ट्री हिल्स, ए न्यू वार्ड, एफ वार्ड, जी वार्ड सहित एयरपोर्ट रोड से लेकर लालघाटी एवं हलालपुर स्थित वार्ड 6 में घर घर जाकर सैंपल लेने का काम किया जा रहा है। गिदवानी पार्क के आस पास गन्दे पानी की समस्या को खुदाई कर पाइप लाइन की मरम्मत के बाद दूर किया गया है।

यहां भी सैंपलिंग: सहायक यंत्री ने बताया कि बेहटा गांव, राहुल नगर, बूढ़ाखेड़ा, बोरवन, वन ट्री हिल्स, मछली मार्केट, इन्द्रा नगर, गिदवानी पार्क, कम्युनिटी हाल, मिनी मार्केट, सीआरपी, लेकसिटी , बी वार्ड, सेवा सदन रोड, सैनिक कालोनी, जमुनिया झीर, कोलूखेड़ी, ग्राम भौंरी, बंगला, विजय नगर, लालघाटी, सिंगारचोली, सीटीओ, हरिओम बस्ती, गांधीनगर के समस्त इलाकों में व्यापक स्तर पर सैंपलिंग की गई है, जिसके बाद जगह जगह जेसीबी से खुदाई कर पता लगाया जा रहा है, कि पानी गन्दा आने का कारण क्या है।

आज शाम की सप्लाई नहीं: इधर मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी का रखरखाव का काम जहां पूर्व में बरसात के पहले मई व जून माह एवं दीपवली के पहले सितम्बर में चला करता था, अब बारह महीने रखरखाव के नाम पर बिजली बंद होने का सिलसिला जारी है। गुरूवार को भी पम्प हाउस सहित आस पास के इलाकों की बिजली कई घंटे बंद रहने की सूचना दी गई है, जिसके कारण गुरूवार शाम को जिन इलाकों में पानी प्रदाय किया जाता है, वहां सप्लाई नहीं हो सकेगी।

प्रताड़ना से टूटी महिला ने खाया जहर, गंभीर

मंडीदीप। नगर में वर्षों से जड़ जमाए सूदखोरी के अवैध धंधे ने एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। सूदखोरों की लगातार धमकियों और मानसिक दबाव से त्रस्त होकर 30 वर्षीय महिला अश्विनी ने बुधवार शाम ज़हर खा लिया। यह हृदयविदारक घटना नगर पालिका मंडीदीप के वार्ड क्रमांक 23 की है। पीड़िता की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है और उसे भोपाल स्थित एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी में इलाज कर रही है। परिजनों के अनुसार, जहर सेवन के बाद अश्विनी को तत्काल स्थानीय शासकीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन स्थिति बिगड़ने पर चिकित्सकों ने उसे भोपाल रेफर कर दिया। फिलहाल उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। परिवार ने जो आरोप लगाए हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। पीड़िता ने परिजनों को बताया कि सतलापुर जोड़ पर चाय की दुकान संचालित करने वाला पप्पू साहू और उसकी पत्नी बीते दो दिनों से लगातार घर आकर धमका रहे थे। बुधवार को जब अश्विनी के पति पंकज ड्यूटी पर थे, उसी दौरान दोनों घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस भयावह दबाव और डर के माहौल में घबराकर अश्विनी ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। पति पंकज द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक, कोविड महामारी से पहले उन्होंने पप्पू साहू से कुछ राशि उधार ली थी, जिसे समय-समय पर लौटाकर अधिकांश रकम चुका दी गई थी। इसके बावजूद सूदखोर अब भी 50 हजार रुपये की मांग कर रहा था। इतना ही नहीं, उसने घर से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज भी अपने पास रखे हुए थे, जिनके सहारे वह परिवार को लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही मंडीदीप थाना पुलिस हरकत में आई और आरोपित पप्पू साहू को थाने बुलाकर हिरासत में ले लिया गया।

बैरसिया में सरकारी स्कूल-कॉलेजों की बदहाली पर विरोध प्रदर्शन

बैरसिया। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन बैरसिया ब्लॉक ने क्षेत्र के शासकीय स्कूलों एवं शासकीय महाविद्यालयों में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर तहसील कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल के नाम बुधवार को तहसीलदार बैरसिया दिलीप चौरसिया को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने शैक्षणिक व बुनियादी सुविधाओं की गंभीर कमी पर नाराज़गी जताते हुए 15 दिन के भीतर ठोस कार्रवाई की मांग की है। एनएसयूआई के अनुसार शासकीय संदीपनी विद्यालय सहित कई शिक्षण संस्थानों में पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है या बेहद अपर्याप्त है। पुस्तकालयों में पुस्तकों की कमी, गेट पर ताले लगे होने तथा अध्ययन के लिए उचित व्यवस्था न होने से छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों में पुस्तकालय तुरंत शुरू कर पर्याप्त पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। संदीपनी विद्यालय बैरसिया के सामने मैन गेट पर बाहर मांस तंबाकू नसे की जो दुकानें लगी हे उन्हें तत्काल हटवाई जाए।

1100 हनुमान चालीसा पाठ और महा आरती

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज की प्रथम स्थापना वर्षगांठ के पावन अवसर पर नुक्कड़ वाली माता मंदिर प्रांगण में सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में 1100 सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं विशाल महा आरती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों संत.महात्माओं एवं 101 ब्राह्मणों के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ 11 ब्राह्मणों द्वारा शंख ध्वनि के साथ किया गया। मुख्य यजमान पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा ने 101 ब्राह्मणों को तिलक लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर 51000 हनुमान चालीसा पाठ के संकल्प के अंतर्गत 1100 हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया जो हुजूर विधानसभा के समस्त हनुमान मंदिरों में निरंतर चल रहे संकल्प का हिस्सा लिया। मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास आचार्य वात्स जी महाराज यअयोध्या उत्तर प्रदेश अनंत, विभूषित दंडी, स्वामी हेमेंद्र नंद सरस्वती महाराज ,यओंकारेश्वरद्धए आचार्य भवर लाल शमा, डॉण् रामकुमार देबलियाए आचार्य पंडित प्रदीप कृष्ण शास्त्री, आचार्य राजीव लोचन शास्त्र, भागवत कथा व्यास रामकिशोरए वैदिक आचार्य लेखराज शमा, राकेश शास्त्र, आचार्य अनिल रुद्र, पंडित बृजेश भार्ग, भागवत व्यास राम मोहन तिवार, बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहाकार रूप कुमार सोनीए बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ,राजकुमार धानुक तुलसी दास, महाराज, नारायण शर्मा संतोष रघुवंशी राम, ठाकुरए संदीप पचौरी सहित अनेक प्रदेशों से पधारे संत.महात्मा उपस्थित रहे। गंगा मैया की भव्य आरती रामानंद संगीत महाविद्यालय के संचालक आचार्य कपिल शर्मा के सानिध्य एवं नेतृत्व में संपन्न हुई।

SUDOKU 126

			1	2	3	9		
	1							
3	6		8				1	5
2		8	9					
			6		5			
					2	5		7
9	8				4		7	3
							4	
		4	2	1	8			

SOLUTIONS 125

5	3	7	8	1	2	9	6	4
2	4	6	5	7	9	3	8	1
8	9	1	6	3	4	2	7	5
7	6	4	2	8	5	1	3	9
3	2	8	4	9	1	7	5	6
1	5	9	3	6	7	8	4	2
6	8	2	9	4	3	5	1	7
4	7	5	1	2	8	6	9	3
9	1	3	7	5	6	4	2	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन सकारात्मक रहेगा। नौकरी में बदलाव के अवसर मिल सकते हैं। तरक्की के योग भी बन रहे हैं, परंतु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

वृषभ : व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में भी संतुलित रहें। कारोबार के लिए पिता से तथा परिवार के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है।

मिथुन : शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। परिवार की सेहत का ध्यान भी रखें। खर्चों में वृद्धि होगी।

कर्क : आज का दिन शुभ है। प्रगति के प्रयास सुचारू रूप से जारी रहेंगे। व्यापारिक मामलों में आपका प्रदर्शन बेहतर रहेगा। नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा।

सिंह : आप अपने नियंत्रण को मजबूत करेंगे और लाभ बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मित्रों पर आपका भरोसा बढ़ेगा। प्रोफेशनल लाइफ में आपको सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

कन्या : आज का दिन करियर और व्यवसाय में महत्वपूर्ण अवसर लेकर आएगा। एनर्जी का स्तर उच्च बना रहेगा। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

तुला : आज भाग्य का प्रवाह तेज होगा। हर तरफ तरक्की के अवसर मिलेंगे। आप कार्य को कुशलतापूर्वक संभालेंगे ।आप रणनीति, नियमों और विवेक के साथ आगे बढ़ेंगे।

वृश्चिक : आज आर्थिक मामलों में भाग्य साथ देगा। धन का आवक बढ़ेगा। आय के नवीन स्त्रोतों से धन लाभ होगा। प्रोफेशनल लाइफ में वातावरण अनुकूल रहेगा।

धनु : आज का दिन औसत रहेगा। लाभ और विकास पर आपका जोर बढ़ेगा। मित्रों और करीबी लोगों का सहयोग जारी रहेगा।

कुंभ : आज का दिन सकारात्मक रहेगा। आपका मन स्थिर रहेगा। मुलाकातों या यात्रा की संभावना है। आप काम और व्यापार में सक्रियता दिखाएंगे।

मकर : आप व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाएंगे। कार्य योजनाएं सफल होंगी। आप अपने लक्ष्यों से समझौता नहीं करेंगे।

मीन : काम और व्यापार में आप सामंजस्य और समन्वय के साथ आगे बढ़ेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। व्यक्तिगत मामलों में आपकी ऊर्जा स्वाभाविक रूप से बनी रहेगी।

आज का पंचांगः 22 जनवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **भद्रा :** दोपहर 02:38 बजे से रात्रि 02:29 बजे तक। **पर्व एवं त्योहार :** गणेश चतुर्थी व्रत। **विशेष :** पंचक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास शुक्ल पक्ष चतुर्थी, तत्पश्चात पंचमी शतभिषा नक्षत्र, तत्पश्चात पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र वरियान योग, तत्पश्चात परिघ योग कुंभ में चंद्रमा।

आहूजा बने संगम के विश्व सह कोषाध्यक्ष

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सिंधियों की इंटरनेशनल सामाजिक संस्था विश्व सिंधी सेवा संगम जिसका हाल ही में भोपाल में तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, उसमें समाज के जाने माने समाज सेवी भगवानदास आहूजा को इंटरनेशनल स्तर पर सह कोषाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। भगवानदास आहूजा की गिनती सिंधी समाज ही नहीं गैर सिंधी समाज में ही निष्ठावान, समर्पित एवं जुझारू व्यक्तियों में की जाती है। वे अभा सिंधी समाज के अलावा अनेक संगठनों से जुड़े हैं।

हरसिद्धि मंदिर तरावली में मनाया स्थापना दिवस

बैरसिया। मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ द्वारा हरसिद्धि मंदिर प्रांगण, तरावली में स्थापना दिवस के अवसर पर 'संस्कार उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से महंत गुलाबगिरी महाराज सहित अनेक संत, महंत एवं विद्वानजन आसीन रहे। आयोजन में प्रदेशभर से आए मंदिरों के पुजारी, संत-महंत तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संत पुजारी संघ के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र दीक्षित ने कहा कि संघ के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति और संस्कारों का संरक्षण व प्रचार-प्रसार करना है।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

क्रमांक-72/का.य.-1/भो.वि.प्रा./2026 भोपाल, दिनांक - 20/01/2026

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री भंवरलाल आत्मज श्री जीतमल गुजराती निवासी- ग्राम सलैया, भोपाल के ग्राम सलैया के स्वामित्व की भूमि, जो नगर विकास योजना सरदार वल्लभ भाई पटेल आवासीय योजना मिसरोद उपनगर चरण-2 में सम्मिलित है। भूमि स्वामी की ग्राम सलैया खसरा क्रमांक 8, 14 रकबा 0.76 हेक्टेयर भूमि का आपसी करार के तहत भूमि अर्जन विलेख का पंजीयन दिनांक 27/2/2015 को पंजीयन विलेख पुस्तक क्रमांक ए-1 ग्रन्थ 1104-10 में पृष्ठ 80-89 पर क्रमांक 4495/5 से पंजीकृत कराया गया था, जिसके तहत भूमि स्वामी को सेक्टर क्र. ई में भूखण्ड क्रमांक 134 से 136, 121 से 123, 96 से 97, 33 से 35, 38 से 40 एवं अनियमित आकार के भूखण्ड क्रमांक 36 से 37 कुल 16 भूखण्ड जिनका कुल क्षेत्रफल 30743.00 वर्गफिट चिह्नित किये गये थे ।

दिनांक 04/02/2017 को श्री भंवरलाल आत्मज श्री जीतमल गुजराती की मृत्यु हो जाने के पूर्व उनके द्वारा प्राप्त भूखण्डों की वसीयत की गई थी, वसीयत एवं शपथ पत्र के आधार पर उक्त भूखण्डों का नामांतरण निम्नानुसार किये जाने हेतु उनके वारिसगणों द्वारा अनुरोध किया गया हैं, जो निम्नानुसार हैं- (1) श्री सुभाष पाटीदार आत्मज श्री. सुरेश पाटीदार सेक्टर क्रमांक ई में भूखण्ड क्रमांक 136, 34, 33, (2) श्री नरेन्द्र पाटीदार आत्मज श्री. सुरेश पाटीदार सेक्टर क्रमांक ई में भूखण्ड क्रमांक 135, 36, 35 (3) संदीप पाटीदार आत्मज श्री मुकेश पाटीदार सेक्टर क्रमांक ई में भूखण्ड क्रमांक 123, 134, 38, 39, 40, 37 (4) श्री शैकी पाटीदार आत्मज श्री महेश पाटीदार सेक्टर क्रमांक ई में भूखण्ड क्रमांक 121, 122, 96, 97

उपरोक्त में से सेक्टर ई में भूखण्ड क्र. 135, 35 एवं 36 श्री नरेन्द्र पाटीदार द्वारा तथा सेक्टर ई में भूखण्ड क्र. 33 एवं 34 का विक्रय श्री सुभाष पाटीदार द्वारा किया जा चुका है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि यदि उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी या अन्य व्यक्ति/ बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हों, तो जाहिर सूचना के प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर मय साक्ष्य दस्तावेज प्रस्तुत कर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं, उक्त समयावधि पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी तथा प्राधिकरण उक्त भूखण्डों पर वर्णित ब्यौरा अनुसार अनापत्ति जारी करने की कार्यवाही की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री, संभाग क्रमांक-1
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रोपर्टी आई डी. नं. 2680100025 आवेदन क्रमांक-10406, आवेदन दिनांक-16/01/2026

क्रमांक 1016/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 16/01/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की स्वामी विवेकानंद परिसर कटारा हिल्स योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 183 सेक्टर डी के श्री अमित पाल जुनेजा आ. श्री अजय पाल जुनेजा के नाम पर आवंटित है। आवंटी अमित पाल जुनेजा का स्वर्गवास दिनांक 22/05/2021 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस श्री अजय पाल जुनेजा द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं नोटराइज वसीयत एवं समस्त वारिसो की सहमति शपथ पत्र प्रस्तुत उक्त भूखण्ड का नामांतरण अपने नाम पर चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/ दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

जाहिर सूचना/आम सूचना

मैं अपने पक्षकार फैज़ान खान आत्मज श्री अब्दुल साजिद खान, निवासी:- म.नं. 8बी, बाबा फरीद गली, आम वाली मस्जिद जहांगीराबाद, भोपाल के द्वारा अधिकृत करने से सर्वसाधारण को सूचित करता हूं की मेरे पक्षकार के द्वारा श्री मनोहर मेवाड़ा आत्मज स्व. श्री भगवान सिंह निवासी:- ग्राम कोड़िया तहसील हुजूर पोस्ट टीलाखेड़ी, जिला भोपाल म.प्र. के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि जिसका खसरा क्रमांक 23/1, 23/2, 48/1, 48/2 कुल रकबा 0.820 है. अर्थात 2.02 एकड़ स्थित ग्राम जाटखेड़ी (मुख्य मार्ग से अंदर) पटवारी हल्का नं. 62, राजस्व निरीक्षक मंडल- 04, विकास खण्ड फन्दा तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. को क्रय करने का अनुबंध निष्पादित कर बयाना राशि अदा कर दी गई है अतः उपरोक्त भूमि को क्रय करने से किसी बैंक, व्यक्ति, संस्था, कार्यालय या हित रखने वाले आदि को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिन के अंदर मय दस्तावेजों के संग मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें।

भवदीय **आर.के. शर्मा** अधिवक्ता
पताः- शर्मा लॉ चेम्बर पुरानी विधानसभा के सामने भोपाल म.प्र. मो. नं. 9425012873

।। जाहिर सूचना ।।

खसरा क्रमांक-109/2(एस) का अंश भाग, ग्राम-छान तहसील कोलार जिला भोपाल (म.प्र.)

सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार विक्रेता श्री जाहिद अनवर पत्नी श्री मोहम्मद अनवर आयु वयस्क निवासी-म.नं.-02, आतिका अपार्टमेंट, वाली मस्जिद कोम्पौद, कोहे-ई-फिजा, तहसील हुजूर जिला भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य व मालिकाना हक का एक किता व्यवसायिक भूखंडजो खसरा क्रमांक-109/2 रकबा 0.2600 हेक्टेयर भूमि में से 25 X 50=1250 वर्गफिट अर्थात 116.17 वर्गमीटर है, जो कि स्थित ग्राम-छान (मुख्य मार्ग पर) नगर निगम वार्ड नं.-85, पटवारी हल्का क्रमांक-25/छान, विकास खंड फंदा, तहसील कोलार जिला भोपाल में स्थित है। भूखंड की चतुर्थ दिशाए-पूर्व में-खसरा क्रं. -109/1, पश्चिम में-अन्य की भूमि, उत्तर में-नहर, दक्षिण में-रोडहै, जिसे मेरे पक्षकार ने क्रय करने हेतु विक्रय अनुबंध पत्र कर टोकन राशि (बयाना राशि) अदा कर दी है, उक्त भूखंड को क्रय करने जा रहा है, उक्त वर्णित संपत्ति/ भूखंड के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाउसिंग फाइनेंस संस्था,फार्म शासकीय व गैर शासकीय कार्यालय को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो,या पावर आफ अटार्नी, हस्तांतरण, अंतरण इत्यादि हो तो वह व्यक्ति संस्था, बैंक, शासकीय, अर्धशासकीय कार्यालय आदि की जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 (सात) दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मूल दस्तावेज सहित उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा वर्णित संपत्ति/ भूखंड का विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेगा, ऐसी स्थिती में कोई भी आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी।

संजय कुमार सेन अधिवक्ता सीनियर मेंबर (DBA)
भूपेन्द्र सेन/सुष्मिता सेन एडवोकेट
कार्या.214-215,2nd फ्लोर,DBA लायर्स चेंबर जिला न्यायालय के पीछे,अरेरा हिल्स,भोपाल
9827381331,7509366230

कार्यालय वन मण्डल अधिकारी सामान्य वन मण्डल रायसेन (म.प्र.)
जिला एवं सत्र न्यायालय के सामने सांची रोड रायसेन (म.प्र.)
E-mail - dforsn@rediffmail.com (Phone & Fax No. 07482 - 222027)

-: विज्ञप्ति :-

एतद द्वारा सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि वन मण्डल सामान्य रायसेन के उप वन मण्डल रायसेन के अन्तर्गत परिक्षेत्र गढ़ी में निम्नानुसार वर्णित वाहन / सम्पत्ति का उपयोग वन अपराध में किये जाने से जप्त किया गया है ।

क्र.	वन अपराध प्रकरण क्रमांक/ दिनांक	वन अपराध में प्रयुक्त वाहन का प्रकार	जप्तशुदा वाहन का विवरण	उपलब्ध जानकारी अनुसार प्रकरण में वाहन के हितबद्ध, व्यक्ति का नाम व पता
1	47390/19 दिनांक 04.01.2026	पोकलेण्ड मशीन	पोकलेण्ड मशीन (Excavator), कम्पनी (Hyondal), रंग- पीला, मॉडल क्रमांक R-210 सीरियल क्रमांक HYNDN633 VE0005950 तथा इंजन क्रमांक 22H84986390	1. जसवंत गौर आ. टीकाराम गौर (वाहन मालिक) नि. ग्राम देवरीगंज तहसील गैरतगंज जिला रायसेन 2. प्रकाश गौर आत्मज हरिकेश गौर निवासी जिन्नौर तहसील गैरतगंज जिला रायसेन

उपरोक्त वाहनों के अधिहरण की कार्यवाही वन मण्डल कार्यालय में प्रचलित है । अतः वाहनों में हित रखने वाले सभी व्यक्ति / संस्था / निगम / फर्म आदि जिस किसी से संबंधित हो यदि अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहे तो वन मण्डल रायसेन कार्यालय में वाहन राजसात की कार्यवाही प्रचलित है। जप्त पोकलेण्ड मशीन से संबंधित अभिलेखों की छायाप्रति प्रस्तुत करें। उक्त वाहन पोकलेण्ड मशीन राजसात की पेशी दि. 27.01.2026 को वन मण्डल कार्यालय सामान्य रायसेन में नियत की जाती है।

जी-24749/25 **बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल**

वनमण्डलाधिकारी
सामान्य वनमण्डल रायसेन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड नर्मदापुरम्
दूरभाष क्रमांक 07574-253119 Email Address-eephedhos@mp.nic.in

:: निविदा आमंत्रण सचना ::

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं ऑनलाईन प्रस्तुत किये जावेंगे। ऑनलाईन वित्तीय ऑफर दिनांक 27.01.2026 शाम 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्रमांक	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (PAC) (रु. में)	धरोहर राशि (e-EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	रिमार्क
30/25-26 Date 14-01-2026	2026_PHED_ 475705_1 Second Call	Labour work for major and minor repairing of handpump in various villages/habitations of Block- Bankhedi, District-Narmadapuram (Second Call) including transportation and using departmental spares/materials for 12 months (Total Nos. of Handpump installed in Block-Bankhedi-970).	1058300/-	21166/-	2000/-	365 (दिवस वर्षाकाल सहित)	-

जी-24746/25

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
नर्मदापुरम्

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. - 1, नर्मदापुरम (म. प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना क्र. 02/2026/e-Tender / N. Puram दि0 12/01/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

स0 क्र0	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानती राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWDRB_ 475073	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	आई0 ए0 से एस. एच. 22 पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	प्रथम	416.19	416190/-
2	2026_PWDRB_ 475074	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	विकासखण्ड माखननगर में मानागॉव से सन्नाटोला मार्ग का निर्माण कार्य ।	प्रथम	252.84	252840/-
3	2026_PWDRB_ 475075	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	चौराहेट से हथनाबड़ मार्ग का निर्माण कार्य ।	प्रथम	239.25	239250/-
4	2026_PWDRB_ 475076	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	खटामा से अमाड़ा मार्ग लं0 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	प्रथम	184.88	184880/-
5	2026_PWDRB_ 475077	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	गुरमखेड़ी पामली से रिटालखापा मार्ग का निर्माण कार्य ।	प्रथम	73.19	73190/-
				कुल योग (रू. लाख में)		1166.35	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 28/01/2026 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन0 आई0 टी0 एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा । मूल एफ0 डी0 आर0 एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त किए जावेंगे ।

जी-24743/25 **पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार**

कार्यपालन यंत्री,
लो0नि0वि0 संभाग नर्मदापुरम

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

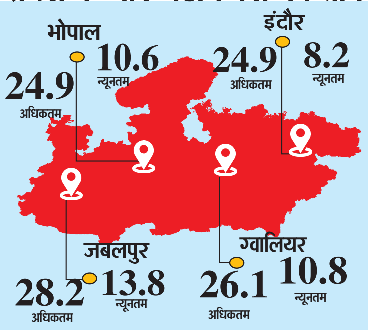

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	24.9	10.6
इंदौर	24.9	8.2
जबलपुर	28.2	13.8
ग्वालियर	26.1	10.8

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	26.7	7.7
मुंबई	28.5	15.9
चेन्नई	32.8	15.5
कोलकाता	25.9	13.4

सूर्यास्त 5:58 PM
सूर्योदय 7:04 AM
चन्द्रोदय 7:30 AM
चन्द्रास्त 6:30 PM

बसंत पंचमी शुक्रवार को, सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई आज, गर्माया धार

8000 जवानों ने घेरी भोजशाला, 22 आईपीएस ने संभाला मोर्चा, छह लेयर की सुरक्षा के बाद दर्शन

जागरण, धार। बसंत पंचमी शुक्रवार को होने से इस बार भी धार की भोजशाला को लेकर माहौल गर्मा गया है। हिंदू फ्रंट ने वाग्देवी का एक मात्र मंदिर होने का हवाला देते हुए बसंत पंचमी पर पूरे दिन पूजा करने की छूट मांगी है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई गुरूवार को रखी गई है। मगर माहौल में गर्माहट देख शासन-प्रशासन ने चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था कर ली है। भोजशाला और उसके आसपास के क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। 22 आईपीएस अधिकारी मोर्चा संभालने धार पहुंच चुके हैं। सीआरपीएफ के 8000 जवान भोजशाला के मुख्य द्वार से लेकर गांवों तक नजर रख रहे हैं।
जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ कंपनियों की आठ यूनिट धार पहुंच चुकी है। अश्वारोही दल की एक टीम भी शुक्रवार सुबह से सक्रिय रहेगी। इंदौर आईजी अनुराग सिंह ने बुधवार को भोजशाला पहुंचकर अब तक की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया सीसीटीवी कैमर परखने के बाद वे कंट्रोल रुम भी पहुंचे, संवेदनशील क्षेत्रों लगाए कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी। शहर में ड्रोन से भी निगरानी रखी जा रही है। सीआरपीएफ की आईजी नीतू भट्टाचार्य भी अपनी टीम को लेकर पहुंची व भोजशाला सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया था।

तीन मिनट में कहीं भी पहुंच जाएगा बल

भोजशाला सहित शहर को 6 सेक्टरों में बांटा गया है। एडीशनल एसपी, डीएसपी रैंक के कुल 65 अधिकारी इन सेक्टरों में प्रभारी के रुप में ड्यूटी करेंगे। हर चौराहे पर सुबह 6 बजे से बल तैनात रहेगा। कहीं से भी सूचना मिलने पर मात्र 3 मिनट में पर्याप्त पुलिसबल वहां पहुंच जाएगा। शहर के बाहरी हिस्से में पुलिस मोबाइल वाहन, संकरी गलियों में बाइक पुलिस टीम सहित पैदल जवान सतत निगरानी रखेंगे। शहर में आने वाले सभी नाकों पर चौकियां बनाकर सघन चेकिंग की जा रही है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस बल सतर्क किया गया है तो 1200 जवान वहां के लिए रिजर्व रखे गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भी? नियंत्रण के लिए भोजशाला के मुख्य प्रवेश मार्ग पर जिगजैग बैरिकेडिंग की गई है। श्रद्धालुओं को कई राउंड घूमने के बाद परिसर के भीतर प्रवेश मिलेगा। दर्शन के लिए आने व जाने के दो अलग-अलग मार्ग तैयार किए गए है। इसके अतिरिक्त, परिसर के पिछले हिस्से यानी विक्रम नगर गेट से लकड़ी पीठे तक लोहे की चादरों की एक ऊंची और मजबूत दीवार ख?ी की गई है। निगरानी के लिए ऊंचे वॉच टॉवर बनाए गए हैं, जहां से पुलिस जवान दूर तक नजर रख सकेंगे।

अखंड पूजन की संकल्प रैली निकली केसरिया रंग में रंगा धार

बसंत पंचमी पर भोजशाला में मां वाग्देवी के अखंड पूजन के संकल्प को लेकर सकल हिंदू समाज के बैनर तले अक्षत कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने हुंकार भरी। केसरिया साफा बांधे और हाथों में भगवा पताका लिए महिलाएं रैली में संकल्प के नारे लगाती नजर आईं। लालबाग परिसर घोड़ा चौपाटी से शुरू हुई रैली प्रमुख चौराहों से होते हुए भोजशाला स्थित ज्योति मंदिर पहुंची। सैकड़ों मीटर लंबी अक्षत कलश यात्रा के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। करीब आधा सैकड़ा मंचों से रैली का स्वागत किया।

पूजा या नमाज फैसला आज, कमाल मौलाना सोसायटी का जवाब भी पेश

बसंत पंचमी पर शुक्रवार को भोजशाला में अखंड पूजन होगी या नमाज, इसका फैसला आज होगा। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में तीन सदस्यीय पीठ मामले की सुनवाई करेगी। बसंत पंचमी पर अखंड पूजन की मांग करते हुए हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन सुप्रीम कोर्ट की पीठ के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर चुके हैं। अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने बुधवार को कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी अध्यक्ष अब्दुल समद की ओर से जवाब पेश कर दिया है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस द्वारा अपने आवेदन में बताया गया है कि धार शहर में 25 मस्जिदें हैं, जबकि वाग्देवी की पूजा के लिए एक ही ऐतिहासिक स्थल भोजशाला है।

देवरी की जनता ने पार्षदों के अविश्वास को नकारा, नेहा जैन को फिर मिला जनादेश

जागरण, देवरीकलां। देवरी नगरपालिका अध्यक्ष नेहा अलकेश जैन के विरुद्ध सत्तारूढ़ दल के लामबंद 13 पार्षदों के अविश्वास प्रस्ताव के बाद हुए राइट टू रिकॉल चुनाव में देवरी नगर के मतदाताओं ने अध्यक्ष के प्रति समर्थन व्यक्त कर पार्षदों के अविश्वास को नकार दिया। विगत 19 जनवरी को संपन्न हुए खाली कुर्सी भरी कुर्सी के चुनाव की आज हुई मतगणना में वर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति नेहा अलकेश जैन ने 1197 मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर, तमाम कयासों को विराम लगाते हुए सियासी गलियारों में तूफान ला दिया।
विगत 19 जनवरी को हुए इस चुनाव में देवरी नगरपालिका क्षेत्र के 15 वार्डो के 30 मतदान केन्द्रों पर कुल 13 हजार 367 में से 7282 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था। आज सुबह देवरी नगर के शासकीय नेहरू महाविद्यालय में संपन्न हुई ईव्हीएम मशीनों की मतगणना में। श्रीमति नेहा अलकेश जैन की भरी कुर्सी के पक्ष में 7282 एवं उनके विपक्ष में खाली कुर्सी के लिए 6085 मत पाये गये। इस प्रकार श्रीमति नेहा अलकेश जैन ने 1197 मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर देवरी नगर की जनता का जनादेश प्राप्त किया।

पटवारी के बैग से मिली तेंदुए की खाल, 2 आरोपी गिरफ्तार

जागरण, शहडोल। शहडोल वन विभाग ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ चल रही जांच में बड़ी कार्रवाई की है। जैतपुर वन परिक्षेत्र में दर्ज पेंगोलिन शिकार के एक

पुराने मामले की पड़ताल करते हुए वन विभाग की टीम सिवनी पहुंची। यहां कार्रवाई के दौरान एक सरकारी पटवारी के बैग से तेंदुए की खाल बरामद की गई। इस मामले में पटवारी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को मीडिया की जानकारी दी। शहडोल वन विभाग ने पुलिस को बताया कि जैतपुर वन परिक्षेत्र से जुड़े पेंगोलिन शिकार प्रकरण में मिले सुराग के आधार पर वन विभाग की विशेष टीम को सिवनी भेजा गया था। टीम ने सिवनी जिले के ग्राम देवघाट (मझगवां) में दबिश दी और दो संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान रीझन लाल मरकाम (54) के बैग से तेंदुए की खाल मिली। रीझन लाल मरकाम ग्राम खांपा, थाना कोयलारी, जिला सिवनी का निवासी है और वर्तमान में हल्का बगलई, जिला सिवनी में पटवारी के पद पर पदस्थ है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पहले गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में इसी पटवारी का नाम लिया था। इस कार्रवाई में दूसरे आरोपी रमाकांत दुबे (35) को भी गिरफ्तार किया गया है, जो संजीवनी नगर, गढ़ जबलपुर का निवासी है। दक्षिण वन मंडल शहडोल की डीएफओ श्रद्धा पंद्रे ने जानकारी दी कि दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी अभी तक यह स्पष्ट नहीं कर पाए हैं कि तेंदुए का शिकार कहां हुआ और उन्हें खाल कैसे मिली।

लिफ्ट देने के बहाने महिला से दुष्कर्म, आरोपी को जमकर पीटा

जागरण, उज्जैन। अपने नाती से मिलने जा रही महिला को लिफ्ट देने के बहाने आरोपी उसे सुनसान जगह ले गया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला घट्टिया थाना क्षेत्र का है। पीड़िता पानबिहार जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में आरोपी मोहम्मद शफी उर्फ शेफू मंसूरी मिल गया, उसने महिला को छोड़ने के बहाने बाइक पर बैठा लिया, जिसके बाद उसे ढाबला गांव के रेहवारी के पास साहेबखेड़ी तालाब के किनारे सुनसान इलाके में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला के विरोध और शोर मचाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पीड़िता और ग्रामीणों ने आरोपी की मौके पर ही जमकर धुनाई की। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया।

बाइक से टकराए आरएसएस के प्रचारक को ट्राले ने कुचला, मौत

जागरण, सिंगरौली। दो बाइक की टक्कर के बाद सिंगरौली में बड़ा हादसा हो गया। दूसरी बाइक की टक्कर से सड़क पर गिरे आरएसएस प्रचारक को उठने का मौका भी नहीं मिला। जैसे ही गिरे पीछे से आ रहा ट्राला कुचलते हुए आगे बढ़ गया। 22 वर्षीय प्रचारक विवेक मिश्रा ने तोड़ दिया। यह दर्दनाक हादसा जिले के जियावन थाना क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-39 पर हुआ। मृतक ग्राम हार्रा चंदेल निवासी था, उसके पिता शिवनाथ मिश्रा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देवसर के खंड कार्यवाह हैं। घटना का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। हादसे के फौरन बाद विवेक मिश्रा को जियावन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे बैढ़न ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। बाद में बनारस भी रेफर किया। हालांकि, रेफर किए जाने के दौरान ही विवेक की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी ट्रेलर चालक को हिरासत में ले लिया है। हाइसे के बाद लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहाकि एनएच पर जिस जगह यह दुर्घटना हुई उसकी एक लेन पर ग्रामीणों ने भूसा, उपले आदि सामान रख कब्जा कर रखा है।

महाकाल के बाद अब शनि लोक, उज्जैन में 110 करोड़ से लेगा स्वरूप

डीपीआर हो चुकी तैयार जल्द होगा काम शुरू

जागरण, उज्जैन। देश-विदेश के श्रद्धालुओं के आस्था के प्रतीक बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में महाकाल के बाद 110 करोड़ की लागत से शनि लोक बनने जा रहा है। इसकी डीपीआर तैयार हो चुकी है। टेंडर होने के बाद जल्द इसका काम भी शुरू हो जाएगा। मालूम हो कि महाकाल लोक के निर्माण के बाद महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में करीब दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में सिंहस्थ 2028 के लिए मप्र सरकार, उज्जैन को एक नए धार्मिक पर्यटन मॉडल के रूप में विकसित करने

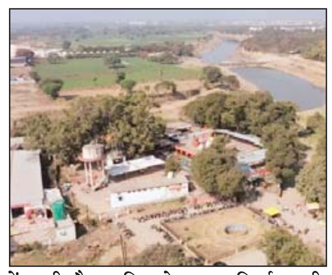

में जुटी है। शनि लोक का निर्माण की योजना भी इसी का हिस्सा है। उज्जैन-इंदौर रोड पर त्रिवेणी क्षेत्र में शिप्रा नदी के तट पर बने शनि मंदिर को इस परियोजना का केंद्र बनाया जाएगा। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना सम्राट विक्रमादित्य ने की थी। यह देश का पहला ऐसा मंदिर माना जाता है, जहां भगवान शनि, शिव स्वरूप में विराजमान हैं। हर शनिश्चरी अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिप्रा नदी में स्नान कर भगवान शनि के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। उज्जैन में शनि लोक के रूप में दूसरा बड़ा धार्मिक कॉरिडोर कुंभ से पहले आकार ले लेगा। इसे महाकाल लोक की तर्ज पर ही विकसित किया जाएगा। इसकी घोषणा 8 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की थी। शनि लोक की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बन चुकी है। टेंडर होने के बाद जल्द ही काम शुरू होगा। सरकार की ओर से पूरी कोशिश है कि सिंहस्थ के पहले शनि लोक तैयार हो जाए।

सभी नौ ग्रहों को समर्पित मंदिर

शिप्रा किनारे बना शनि मंदिर करीब 21 हजार 100 वर्गमीटर इलाके में फैला है। इसे नवग्रह मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह मंदिर सभी नौ ग्रहों- सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु को समर्पित है। यहां साढ़े साती और ढैया से मुक्ति के लिए शिव रूपी शनि की विशेष पूजा कराई जाती है। शनि दोषों की शांति के लिए तेल, लोहा, तिल आदि चढ़ाए जाते हैं। भक्त शनिश्चरी अमावस्या पर पुराने कपड़े और जूते-चप्पल मंदिर के बाहर ही छोड़कर चले जाते हैं।

हाईकोर्ट में जवाबदावा पेश नहीं करने पर नगरीय प्रशासन संयुक्त संचालक निलंबित

जागरण, नर्मदापुरम। उच्च न्यायालय में समय सीमा में जवाबदावा प्रस्तुत न करना नर्मदापुरम में पदस्थ नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के संयुक्त संचालक को भी महंगा साबित हुआ है। विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने संयुक्त संचालक राधेश्याम मंडलोई को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार नगरीय विकास एवं आवास विभाग के नर्मदापुरम संभाग के संयुक्त संचालक मण्डलोई को रिट याचिका क्रमांक 23618/2025 दुर्गा सिंह चंदेल विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में विभाग की ओर से प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया था। इस प्रकरण में उच्च न्यायालय जबलपुर के समक्ष विभागीय जवाबदावा प्रस्तुत किया जाना था, लेकिन मण्डलोई द्वारा निर्धारित समय-सीमा में जवाबदावा प्रस्तुत नहीं किया गया। नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने संयुक्त संचालक नर्मदापुरम की इस लापरवाही को उच्च न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना मानते कठोर कार्यवाही की। मण्डलोई को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। निलंबन अवधि के दौरान मण्डलोई का मुख्यालय संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास निर्धारित रहेगा। आयुक्त भोंडवे ने कहा कि संयुक्त संचालक मंडलोई का कृत्य शासकीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता का परिचायक है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मां से टिफिन बनवाया फिर स्कूल यूनिफार्म में ही फंदे पर लटका मिला पांचवीं का छात्र

जागरण, रतलाम। पांचवी कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने स्कूल यूनिफार्म में ही अपने घर में फांसी लगा दी। दोपहर में जब मां काम से घर लौटी तो घर का दरवाजा खुला हुआ था और बेटा अपनी बहन के दुपट्टे से बनाए फंदे पर लटका हुआ था। पड़ोसियों और रिश्तेदारों की मदद से छात्र को उतारा गया। उसे 80 फीट रोड स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र परिवार का इकलौता बेटा था। कुछ समय पूर्व एक अन्य बेटे की डेढ़ साल की उम्र में बीमारी के कारण मौत हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक छात्र का स्कूल का समय सुबह 10 बजे से था। बुधवार को वह स्कूल नहीं गया था, लेकिन आत्महत्या के वक्त उसने स्कूल यूनिफॉर्म पहन रखी थी। सुबह काम पर जाने से पहले मां ने उसका टिफिन भी बना दिया था। पिता सुबह आठ बजे मिठाई की दुकान पर काम करने चले गए थे। वहां से फोन पर बेटे से बात की थी। बच्चा दूसरी कक्षा में पढ़ रहा था। बुधवार को उसका अंतिम मंथली टेस्ट था।

जोड़े ने क्षिप्रा में कूदकर की खुदकुशी

जागरण, उज्जैन। एक युवक और नाबालिग युवती ने शिप्रा नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना देवास-बदनावर बायपास रोड स्थित तपोभूमि और चंदेसरी ब्रिज के बीच की बताई जा रही है। बुधवार सुबह दोनों के शव नदी के पानी में तैरते हुए मिले, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह नानाखेड़ा थाना पुलिस को शिप्रा नदी के पुल के नीचे दो शव दिखाई देने की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी नरेंद्र यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

बिजनेस प्लस

आईआईएम ने एमएमएस के लिए शुरू की आवेदन प्रक्रिया

इंदौर। आईआईएम इंदौर ने कामकाजी पेशेवरों के लिए अपने दो वर्षीय मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एमएमएस) प्रोग्राम के तीसरे बैच के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रोग्राम मार्च 2026 से मार्च 2028 तक चलेगा और पूरी तरह लाइव ऑनलाइन मोड में संचालित होगा, जिसमें लगभग 900 घंटे की पढ़ाई शामिल है। ट्रिपल क्राउन मान्यता प्राप्त आईआईएम इंदौर का यह कोर्स मिड-कैरियर प्रोफेशनल्स को रणनीतिक सोच, नेतृत्व क्षमता और व्यावहारिक मैनेजमेंट स्किल्स से सशक्त बनाता है। पाठ्यक्रम में फाइनेंस, मार्केटिंग, ऑपरेशंस, एचआर और स्ट्रैटेजी जैसे मुख्य विषयों के साथ इलेक्टिव्स, प्रोजेक्ट्स और थीसिस का विकल्प है। प्रोग्राम में तीन बार 16-दिवसीय ऑन-कैंपस सेशन भी होंगे। सफल प्रतिभागियों को आईआईएम इंदौर की डिग्री और पूर्ण एलुमनाई स्टेटस मिलेगा। आवेदन के लिए स्नातक डिग्री, न्यूनतम दो वर्ष का अनुभव और वैध CAT/GMAT/GRE/IIM-EAT स्कोर आवश्यक है।

इंसुलिन थेरेपी से जुड़ी भावनात्मक चुनौतियों पर सिप्ला की InhaleTheChange पहल

नई दिल्ली। डायबिटीज मैनेजमेंट में इंसुलिन से जुड़ी भावनात्मक

और व्यवहारिक बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से सिप्ला ने देशव्यापी जागरुकता अभियान InhaleTheChange की शुरुआत की है। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के साथ शुरू की गई यह पहल शिक्षा, सशक्तिकरण और डी-स्टिग्मेटाइजेशन के ज़रिये मरीजों को इंसुलिन थेरेपी अपनाने में सहयोग देने पर केंद्रित है। भारत में 10 करोड़ से अधिक लोग डायबिटीज से प्रभावित हैं, लेकिन सीमित जागरुकता, इंजेक्शन का डर और सामाजिक झिझक के कारण कई मरीज समय पर इंसुलिन शुरू नहीं कर पाते। एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. हर्षा पमनानी के अनुसार, इंसुलिन का समय पर उपयोग जीवन बदल सकता है, लेकिन इसके लिए मरीजों की भावनात्मक चिंताओं को समझना जरूरी है।

अमेजॉन ने भारत में ऑल-न्यू ईको शो 11 और फोर्थ-जनरेशन ईको शो 8 लॉन्च किए

नई दिल्ली। अमेजान ने भारत में एलेक्सा के साथ अपने ऑल-न्यू ईको शो 11 और फोर्थ-जनरेशन ईको शो 8 स्मार्ट डिस्प्ले लॉन्च किए हैं। इन डिवाइसों में नई ओमनिसेंस टेक्नोलॉजी दी है, जो प्रेज़ेंस,

मोशन और तापमान सेंसर के ज़रिये स्मार्ट होम रूटीन को ऑटोमेट करती है। दोनों डिवाइस ऑल-न्यू ऑडियो आर्किटेक्चर के साथ आते हैं, जिसमें फ्रंट-फायरिंग स्टीरियो स्पीकर और कस्टम बूफर शामिल हैं, जो रूम-फिलिंग साउंड प्रदान करते हैं। ईको शो 11 में 11-इंच फुल एचडी और ईको शो 8 में 8.7-इंच एचडी एज-टू-एज ग्लास डिस्प्ले है। ये डिवाइस हैंड्स-फ्री एलेक्सा वॉयस कंट्रोल, वीडियो कॉलिंग, एंटरटेनमेंट और स्मार्ट होम मैनेजमेंट को आसान बनाते हैं। ईको शो 11 की कीमत 26,999 रुपये और ईको शो 8 की कीमत 23,999 रुपए रखी गई है।

एनपीटीईएल वर्कशॉप में एलएनसीटी समूह की सक्रिय भागीदारी

भोपाल। आईआईटी कानपुर में शनिवार, 17 जनवरी को आयोजित स्वयं-एनपीटीईएल स्पोक वर्कशॉप में एलएनसीटी समूह की विभिन्न संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी रही। एनपीटीईएल, आईआईटी और आईआईएससी का संयुक्त उपक्रम है, जिसे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। इस अवसर पर एलएनसीटी एंड साइंस के स्पोक प्रोफेसर डॉ. अमित बोध उपाध्याय को एस्पिरेंट कैटेगरी में सम्मानित किया गया। प्रो. डॉ. उपाध्याय ने नॉर्थ जोन में सर्वाधिक 66 एनपीटीईएल कोर्स पूरे किए हैं तथा 23 बार एनपीटीईएल स्टार चुने गए हैं। 18 जनवरी को आयोजित एनपीटीईएल स्टार मीट में उन्होंने अपनी उपलब्धियों का श्रेय एलएनसीटी समूह के दूरदर्शी प्रबंधन और प्रेरणादायी नीतियों को दिया। यह सम्मान प्रो. डॉ. सत्यकी राय, प्रो. अन्गना सेन गुप्ता एवं प्रो. टी. रविचंद्रन द्वारा प्रदान किया गया। एलएनसीटी समूह के चेयरमैन जे.एन. चौकसे, वाइस चेयरपर्सन मती पूनम चौकसे एवं सचिव डॉ. अनुपम चौकसे ने सभी को एनपीटीईएल व स्वयं कोर्स करने हेतु प्रेरित करते हुए पूरे समूह को बधाई दी।

इंदौर सम्मेलन में नराकास (बैंक व बीमा) बेंगलुरु को शीर्ष सम्मान

भोपाल। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 20 जनवरी 2026 को इंदौर में आयोजित मध्य, पश्चिम एवं दक्षिणी क्षेत्रों

के संयुक्त क्षेत्रीय सम्मेलन में नराकास (बैंक व बीमा) बेंगलुरु को नराकास राजभाषा सम्मान के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रदान किया गया। समिति के अध्यक्ष हरदीप सिंह अहलूवालिया, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रभारी) ने माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के करकमलों से शील्ड प्राप्त की। वहीं सदस्य सचिव मती कला कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने माननीय सांसद शंकर लालवाणी के करकमलों से प्रमाणपत्र ग्रहण किया।

एलएनसीटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी में व्याख्यान

भोपाल। बी फार्मा छात्रों के लिए केच यूअर ड्रीम टर्निंग यूअर स्टडी ओवरसीज एस्पिरेशन इनटू रियलिटी विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह व्याख्यान आदित्य सिंह

राठौर, निदेशक, केसी ओवरसीज एजुकेशन, भोपाल द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. ए. के. सिंघई, निदेशक, स्कूल ऑफ़ फार्मेसी एवं डीन अकादमिक, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्वागत उद्बोधन से हुआ। अपने व्याख्यान के दौरान आदित्य सिंह राठौर ने विदेश में उच्च शिक्षा के अवसरों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने विदेश में अध्ययन के लाभ, प्रवेश प्रक्रिया, विभिन्न देशों में उपलब्ध छात्रवृत्तियों तथा विश्व की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने छात्रों को अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानने, एवं अपनी क्षमताओं को जागृत करने तथा आत्मविश्वास विकसित कर तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

यूको बैंक के क्यू-3 नतीजे: मुनाफा 15.65 प्रतिशत बढ़ा, एनपीए में उल्लेखनीय गिरावट

भोपाल। वित्तीय वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में यूको बैंक का प्रदर्शन मजबूत रहा। 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक का निवल लाभ 15.65प्रतिशत की वृद्धि के साथ बढ़कर 739 करोड़ रहा, जबकि परिचालन लाभ 1,680 करोड़ दर्ज किया गया। यूको बैंक का कुल कारोबार 13.25प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 5.53 लाख करोड़ तक पहुंच गया। इस दौरान सकल अग्रिमों में 16.74प्रतिशत और कुल जमा में 10.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, बैंक का कासा अनुपात बढ़कर 38.41प्रतिशत हो गया। बैंक की आस्ति गुणवत्ता में निरंतर सुधार देखने को मिला। सकल एनपीए घटकर 2.41प्रतिशत और निवल एनपीए घटकर 0.36प्रतिशत रह गया। इसके साथ ही रिटेल, कृषि और एमएसएमई (आरएएम) अग्रिमों में 25.86प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो बैंक के संतुलित और सतत विकास को दर्शाती है।

दूषित पानी से 25वीं मौत, चार बच्चियों के पिता ने तोड़ा दम

कमाने वाले शख्स के जाने से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

जागरण, इंदौर। शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से एक और मौत हो गई है। ऐसे में मरने वालों का आंकड़ा अब 25 पर पहुंच गया है। भागीरथपुरा के रहने वाले चार बच्चियों के पिता हेमंत गायकवाड़ ने तड़के इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हेमंत उर्फ बाला 22 दिसंबर को दूषित पानी पीने के बाद अचानक बीमार पड़ गए थे। पहले उन्हें परदेशीपुरा स्थित वर्मा नर्सिंग होम में भर्ती किया लेकिन हालत बिगड़ने पर 7 जनवरी को अरविंदो हॉस्पिटल रेफर किया। यहां कई दिनों तक उनका इलाज चला लेकिन उनकी जान नहीं बच पाई। अस्पताल

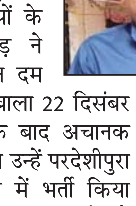

प्रबंधन के मुताबिक, उन्हें सेल कार्सिनोमा नामक कैंसर और किडनी की बीमारी थी। लेकिन उल्टी दस्त के कारण भर्ती किया गया था। इसके बाद उनकी हालत खराब होती गई। हेमंत परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी चार बेटियां- रिया, जिया, खुशबू और मनाली हैं। पिता की मौत के बाद परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। हेमंत को उनकी बिटिया ने अपने चाचा के साथ मुखाग्नि दी। यह दृश्य देखकर मुक्तिधाम में मौजूद कई लोगों की आंखों से आंसू निकल पड़े।

80 हजार के तगादे पर चचेरे भाइयों ने जंजीर से बांध पीट-पीटकर की हत्या

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। 80 हजार रुपए और मोबाइल के विवाद में सगे चचेरे भाइयों ने युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात शिव शक्ति नगर, घासमंडी क्षेत्र की

है। मृतक की पहचान 28 साल के नरेंद्र बाथम के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार नरेंद्र अपने रुपए और मोबाइल वापस मांगने ताऊ दयानंद बाथम के घर पहुंचा था। नरेंद्र के पैसे मांगने पर घर पर मौजूद उसके चचेरे भाई जगदीश, राकेश और बल्लू आक्रोशित होकर गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ा तो आरोपियों ने नरेंद्र के हाथ लोहे की जंजीर से बांध दिए और बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी, उसे जमीन पर पटककर पेट और चेहरे पर लात-घूंसे मारे। तीनों तब तक मारते रहे, जब तक नरेंद्र बेहोश नहीं हो गया। इसके बाद उस पर ठंडा पानी डालकर होश में लाया गया और दोबारा पीटा। आरोपियों ने उसके सिर पर पैर भी रखा। इसके बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। नरेंद्र को बेहोशी की हालत में देखकर उस पर पानी छिड़का, जिससे उसे कुछ होश आया। इसके बाद परिजन उसे घर ले गए, कपड़े बदलवाकर सुला दिया। परिजनों को लगा कि वह ठीक है, लेकिन शाम को जब उसे जगाने की कोशिश की गई तो वह नहीं उठा। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

81,909

-270

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Eternal	287.20	5.16%
Ultra Tech Cement	12,280.00	1.43%
Interglobe Avi	4,952.00	1.41%
JSW Steel	1,178.90	1.26%
Hindalco	944.15	1.20%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
ICICI Bank	1,371.50	-1.95%
Trent	3,846.10	-1.87%
TATA Cons. Prod	1,197.50	-1.81%
Bharat Elec	409.50	-1.64%
Apollo Hospital	6,911.50	-1.24%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	91.700
€ यूरो	107.32
¥ येन	0.5803
£ पौंड	122.98

ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ का बिल अमेरिकी खरीदारों ने चुकाया

भारतीय निर्यातकों ने दाम नहीं घटाए, यूएस को भेजी जाने वाली खेप घटा दी

मुंबई, जेएनएन। अमेरिका ने जब भारत से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत तक भारी टैरिफ लगाया, तो माना जा रहा था कि भारतीय निर्यातक दबाव में आकर कीमतें घटा देंगे, लेकिन जमीनी हकीकत ने इस उम्मीद को गलत साबित कर दिया। भारतीय निर्यातकों ने अपने दाम जस के तस रखे। घाटा उठाने के बजाय उन्होंने अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान की मात्रा ही कम कर दी।

जर्मनी के कील इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमी की नई रिसर्च बताती है कि अमेरिका जाने वाला भारतीय निर्यात 18 से 24 प्रतिशत तक घट गया। इसके उलट यूरोप, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे दूसरे बाजारों में भारतीय निर्यात पर टैरिफ की मार नहीं पड़ी। इससे यह साफ हो गया कि टैरिफ का असर कीमतों पर नहीं बल्कि व्यापार की मात्रा पर पड़ा। रिसर्च में सबसे अहम सुराग कीमतों से मिला। अगर भारतीय निर्यातक टैरिफ का बोझ खुद उठा रहे होते, तो अमेरिका भेजे गए सामान के दाम दूसरे देशों के मुकाबले गिरते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और यूरोपीय संघ, कनाडा व ऑस्ट्रेलिया को भेजे गए भारतीय सामान के दाम लगभग एक जैसे रहे। इसका मतलब साफ है कि टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई। हालांकि यह तस्वीर भारत के लिए राहत देने वाली नहीं है। दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 1.83 प्रतिशत घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया। इससे भी बड़ा झटका जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर को लगा, जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच निर्यात 44 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया। कील इंस्टीट्यूट का कहना है कि टैरिफ असल में अमेरिकी जनता पर लगाया टैक्स है। यह दावा कि विदेशी देश या निर्यातक टैरिफ चुकाते हैं, आंकड़ों के सामने टिक नहीं पाया।

दुनिया भर के आंकड़ों से निकला फैसला

कील इंस्टीट्यूट ने जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच दुनिया भर के 2.5 करोड़ से ज्यादा व्यापारिक सौदों और करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के कारोबार का विश्लेषण किया। अध्ययन में सामने आया कि वैश्विक स्तर पर लगाए गए टैरिफ का सिर्फ 4 प्रतिशत बोझ निर्यातकों ने झेला, जबकि पूरे 96 प्रतिशत की कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ी। रिपोर्ट बताती है कि भारत पर अगस्त में अचानक टैरिफ बढ़ाए गए। 7 अगस्त को 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया और 27 अगस्त को इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। इसी तेज और अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने भारत को अध्ययन का अहम उदाहरण बना दिया।

निर्यातकों ने पीछे हटना क्यों चुना

संस्थान के मुताबिक इसके पीछे कई ठोस वजहें थीं। भारत ने उन सामानों के लिए दूसरे बाजार खोज लिए, जो अमेरिका में महंगे हो गए थे। इसके साथ ही 50 प्रतिशत टैरिफ का असर खत्म करने के लिए कीमतों में 33 प्रतिशत की कटौती करनी पड़ती, जिससे निर्यातकों को सीधा नुकसान होता। इसके अलावा अमेरिका के कई आयातकों के विदेशी सप्लायरों से पुराने कारोबारी रिश्ते हैं, जिन्हें बदलना आसान नहीं है।

सरकार ने सिडबी को 5 हजार करोड़ की इक्विटी सहायता की मंजूर

एमएसएमई को मिलेगा सस्ता कर्ज कारोबार को मिलेगी नई रफ्तार

नईदिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने को मंजूरी दे दी है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। सरकार का मानना है कि इस कदम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण उपलब्धता बढ़ेगी और उन्हें कम ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता मिल सकेगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह राशि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के जरिए सिडबी में तीन किस्तों में डाली जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 में 3,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में 1,000-1,000 करोड़ रुपए की इक्विटी डाली जाएगी। पहली किस्त 31 मार्च 2025 की बुक वैल्यू 568.65 रुपए प्रति शेयर पर होगी, जबकि बाकी दो किस्तें संबंधित वित्त वर्ष के पिछले साल की 31 मार्च की बुक वैल्यू पर तय होंगी।

देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है एमएसएमई

सरकार के अनुसार, इस अतिरिक्त पूंजी से सिडबी को बाजार से कम लागत पर संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी। इससे बैंक एमएसएमई सेक्टर को ज्यादा प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर कर्ज दे सकेगा। मौजूदा समय में एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं और रोजगार सृजन में इनकी भूमिका बेहद अहम है। बताया गया है कि इस इक्विटी निवेश के बाद वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक जिन 76.26 लाख एमएसएमई को वित्तीय सहायता मिल रही है, उनकी संख्या बढ़कर वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक करीब 1.02 करोड़ तक पहुंच सकती है यानी लगभग 25.74 लाख नए एमएसएमई को सिडबी के जरिए औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा जाएगा।

देश में रोजगार के नए अवसर भी तेजी से बढ़ेंगे

सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से देश में रोजगार के अवसर भी तेजी से बढ़ेंगे। अनुमान है कि 2027-28 के अंत तक इस पूंजी निवेश के चलते करीब 1.12 करोड़ नए रोजगार पैदा हो सकते हैं। इससे न केवल छोटे उद्योगों को मजबूती मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि सिडबी को मजबूत करने का यह फैसला मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्टार्टअप इकोसिस्टम को भी समर्थन देगा। आसान और सस्ता कर्ज मिलने से छोटे कारोबारी नई तकनीक अपनाने, उत्पादन बढ़ाने और नए बाजारों में प्रवेश करने में सक्षम होंगे, जिससे देश की समग्र आर्थिक वृद्धि को बल मिलेगा।

सेंसेक्स 271 अंक टूटा निफ्टी 25,157 पर बंद

बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से बाजार में गिरावट

मुंबई, जेएनएन। एशियाई बाजारों से कमजोर रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में लाल निशान में बंद हुए। सरकारी और प्राइवेट बैंकिंग शेयरों में बिकवाली ने बाजार को नीचे की तरफ खींचा। वहीं, ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच तनाव ने निवेशकों की घबराहट बढ़ा दी है। इससे निवेशकों की भावनाओं पर नेगेटिव असर पड़ा है।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बड़ी गिरावट लेकर 81,794 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कारोबार के दौरान यह 700 अंक तक गिर गया था। अंत में 270.34 अंक या 0.32 फीसदी की गिरावट के साथ 81,919.06 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 गिरावट के साथ 25,141 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 25,500 के नीचे फिसल गया था। अंत में 75 अंक या 0.30 फीसदी गिरकर 25,157 पर बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स में रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में वैश्विक जोखिम कारकों के चलते तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। इससे निवेशकों की धारणा पर दबाव बना रहा। हालांकि कारोबार के अंतिम दौर में वैल्यू खरीदारी आने से शुरुआती नुकसान की कुछ हद तक भरपाई हो सकी। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के कमजोर तिमाही नतीजे भी शेयर बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि रुपए में कमजोरी और व्यापारिक संबंधों को लेकर बनी अनिश्चितता से यह अस्थिरता आगे भी बनी रह सकती है।

इन कंपनियों के शेयरों ने बनाया दबाव

सेंसेक्स की कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सिस बैंक और लार्सन एंड टुब्रो सबसे ज्यादा दबाव बनाने वाले शेयरों में शामिल रहे। इसके उलट, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंडिगो सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाले शेयर रहे। ब्रोडर बाजार में मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत गिरा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.9 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। सेक्टोरल आधार पर केमिकल इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही व यह 2.12 प्रतिशत टूट गया।

बाजार पर नजर

भारत में एक्टिव मोमेंटम वाला सैमको मिड कैप फंड लॉन्च

मुंबई, जेएनएन। सैमको एसेट मैनेजमेंट ने बुधवार को सैमको मिड कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह भारत का पहला एक्टिव रूप से मैनेज मोमेंटम-आधारित मिड कैप फंड है, जो उन उभरते बिजनेस की पहचान कर उनमें निवेश करेगा, जो मजबूतर रेवेन्यू और प्राइस मोमेंटम दिखा रहे हैं। सैमको के इस न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में सब्सक्रिप्शन शुरू हो गया है। निवेशक 4 फरवरी तक इसमें पैसा लगा सकते हैं।

सैमको मिड कैप फंड

- फंड का नाम-सैमको मिड कैप फंड
- फंड टाइप-ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम
- एनएफओ ओपन डेट-21 जनवरी, 2026
- एनएफओ क्लोजिंग डेट -4 फरवरी, 2026
- मिनिमम निवेश -5,000 और उसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल में
- मिनिमम एसआईपी निवेश -250 और उसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल में
- एग्जिट लोड -पहले 12 महीनों में, यदि 10 प्रतिशत से अधिक यूनिट्स रिडीम की जाती हैं, तो 1 प्रतिशथ का एग्जिट लोड लगेगा
- बेंचमार्क - निफ्टी मिड कैप 150 टीआरआई
- रिस्क लेवल -बहुत ज्यादा जोखिम
- फंड मैनेजर-उमेश कुमार मेहता, निराली भंसाली, धवल धनानी और कोमल ग्रोवर

सीएआरआई मोमेंटम स्ट्रैटेजी पर चलेगा फंड: सैमको मिड कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो मुख्य रूप से मिड-कैप कंपनियों में निवेश करेगी, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन में रैंक 101 से 250 के बीच है। इसका मकसद एक अनुशासित निवेश ढांचे के भीतर विकास और स्थिरता का मिश्रण प्रदान करना है। यह फंड सैमको की सीएआरआई मोमेंटम स्ट्रैटेजी-क्रॉस-सेक्शनल, एब्सोल्यूट, रेवेन्यू और अर्निंग्स मोमेंटम- पर आधारित है। यह स्ट्रैटेजी क्वांटिटेटिव मॉडल और फंडामेंटल एनालिसिस को मिलाकर उन कंपनियों की पहचान करती है, जो बेहतर प्राइस व बिजनेस मोमेंटम दिखाती हैं।

भारतीय बाजार में एंट्री की तैयारी कर रही ऐपल पे

मुंबई, जेएनएन। अमेरिका की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी ऐपल इंक. की डिजिटल भुगतान सेवा ऐपल पे इसी साल भारतीय बाजार में दस्तक देने की तैयारी कर रही है। वह यहां मौजूद प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्ड नेटवर्कों के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर सकती है।

साल के अंत तक बाजार में हलचल मचा सकता है डिजिटल भुगतान

सूत्रों ने बताया कि भारतीय बाजार में ऐपल पे की शुरुआत इसी कैलेंडर वर्ष के आखिर तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार में औपचारिक तौर पर प्रवेश करने से पहले कंपनी को कई नियामकीय मंजूरिया हासिल करना जरूरी है। ऐपल पे सेवा चीन सहित सभी प्रमुख देशों में उपलब्ध है, मगर नियामकीय अनुपालन सहित तमाम कारणों से भारत में अब तक उसकी शुरुआत नहीं हो पाई है। ऐपल पे गेटवे के लिए कंपनी को देश में कार्ड जारी करने वाली प्रमुख कंपनियों के साथ वाणिज्यिक करार करना होगा और फीस संबंधी मुद्दों पर बातचीत करनी होगी। ऐपल पे असल में ऐपल पेमेंट्स सर्विसेज एलएलसी द्वारा प्रदान की जाने वाली एक सेवा है, जो ऐपल इंक. की सहायक कंपनी है। न तो ऐपल इंक. कोई बैंक है और न ही ऐपल पेमेंट्स सर्विसेज एलएलसी। ऐसे में ऐपल पे में इस्तेमाल होने वाला कोई भी कार्ड किसी कार्ड जारीकर्ता द्वारा पेश होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, ऐपल को वाणिज्यिक तालमेल के लिए बैंकों (क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड जारीकर्ताओं) के साथ गठजोड़ करना होगा।

इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ग्रो ने लॉन्च किया ग्रो प्राइम

मुंबई, जेएनएन। इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ग्रो ने ग्रो प्राइम के पायलट लॉन्च की घोषणा की है। यह एक स्पेशल ऑप्ट-इन फीचर है, जिसे यूजर्स को अपने म्युचुअल फंड निवेश को ज्यादा बेहतर ढंग से मैनेज करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। ग्रो ने एक बयान में बताया कि इस सर्विस को चुनने पर यूजर्स को अपने पोर्टफोलियो से जुड़ी खास जानकारी, 24 घंटे 7 दिन चैट सपोर्ट और पर्सनलाइज ग्राइडेंस मिलेगा, जिससे वे बेहतर निवेश फैसले ले सकेंगे। यह फीचर यूजर्स को यह समझने में मदद करेगा कि कौन-से म्युचुअल फंड उनके लक्ष्यों के अनुरूप हैं। रिस्क और रिटर्न की अपेक्षाओं के अनुसार पोर्टफोलियो को कैसे संतुलित किया जाए और निवेश से जुड़े अहम फैसलों, रिडेम्प्शन तथा री-बैलेंसिंग को कैसे मैनेज किया जाए। ग्रो के सीओओ और को-फाउंडर हर्ष जैन ने कहा कि ग्रो एक डायरेक्ट म्युचुअल फंड प्लेटफॉर्म है, जिसे खुद निवेश करने वाले निवेशकों के लिए तैयार किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में हमारे कई ग्राहकों ने ऐसे फीचर्स की मांग की है, जो उन्हें अपने म्युचुअल फंड पोर्टफोलियो को बेहतर ढंग से मैनेज करने में मदद करें, स्कीम्स पर गहराई से रिसर्च उपलब्ध कराएं और अहम निवेश फैसले लेने में मार्गदर्शन दें। ग्रो प्राइम इसी जरूरत का समाधान है। यह एक ऑप्ट-इन फीचर होगा, जो रेगुलर म्युचुअल फंड्स के साथ उपलब्ध रहेगा।

स्टारलिंक की हुई अब गोवा में एंट्री

कंपनी के साथ सरकार ने किया बड़ा समझौता

नई दिल्ली, जेएनएन। डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से गोवा सरकार ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य सरकार ने एलन मस्क के स्वामित्व वाली कंपनी स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक साझेदारी का मकसद उन स्थानों पर हाई-स्पीड सैटेलाइट ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करना है, जहां स्थलीय नेटवर्क की कवरेज सीमित है या बिल्कुल नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग और स्टारलिंक के बीच यह समझौता मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, आईटी मंत्री रोहन खौंटे और मुख्य सचिव वी. कैंडवेलौ की उपस्थिति में हुआ। स्टारलिंक की ओर से कंपनी के इंडिया हेड प्रभाकर जयकुमार ने इस साझेदारी का प्रतिनिधित्व किया।

डिजिटल बदलाव और स्मार्ट गवर्नेंस पर फोकस : समझौते के अनुसार, दोनों पक्ष डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने, आपातकालीन प्रतिक्रिया में सुधार लाने और आपदा प्रबंधन क्षमताओं को मजबूत करने के क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। इसके अलावा, गोवा में स्मार्ट गवर्नेंस पहल के लिए भी इस साझेदारी का इस्तेमाल होगा।

म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
कार्यालय मुख्य अभियंता (अउदा-नि.), ब्लॉक नं.-4, शक्ति भवन, जबलपुर-08

निविदा सूचना

निविदा विशेषी.क्र. मुख्य अभियंता (अउदा-नि.)
TC/2026/359 से TC/2026/364, क्रमांक 1687 दिनांक 19.01.2026

(i) अउदा-निर्माण संभाग एमपीपीटीसीएल, भोपाल कार्यक्षेत्र के विभिन्न उपकेंद्रों में 220 KV, 132 KV, 33 KV फीडर-बे, अतिरिक्त परिणामित्र एवं परिणामित्र के क्षमता उन्नयन एवं अन्य विभिन्न सिविल रख-रखाव कार्य। (भोपाल, रायसेन, सीहोर, विदिशा एवं राजगढ़) (ii) अउदा-निर्माण संभाग एमपीपीटीसीएल, भोपाल कार्यक्षेत्र के विभिन्न उपकेंद्रों में 220 KV, 132 KV, 33 KV फीडर-बे, अतिरिक्त परिणामित्र एवं परिणामित्र के क्षमता उन्नयन एवं अन्य विभिन्न सिविल रख-रखाव कार्य। (नर्मदापुरम, बैतूल एवं पिपरिया कार्यक्षेत्र) (iii) अउदा-निर्माण संभाग एमपीपीटीसीएल, ग्वालियर कार्यक्षेत्र के विभिन्न उपकेंद्रों में 220 KV, 132 KV, 33 KV फीडर-बे, अतिरिक्त परिणामित्र एवं परिणामित्र के क्षमता उन्नयन एवं अन्य विभिन्न सिविल रख-रखाव कार्य। (ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना एवं दतिया कार्यक्षेत्र) (iv) अउदा-निर्माण संभाग एमपीपीटीसीएल, ग्वालियर कार्यक्षेत्र के विभिन्न उपकेंद्रों में 220 KV, 132 KV, 33 KV फीडर-बे, अतिरिक्त परिणामित्र एवं परिणामित्र के क्षमता उन्नयन एवं अन्य विभिन्न सिविल रख-रखाव कार्य। (गुना, शिवपुरी, श्योपुर एवं पिछोर कार्यक्षेत्र), (v) अउदा-निर्माण संभाग एमपीपीटीसीएल, इंदौर के अन्तर्गत विभिन्न उपकेंद्रों में 220 KV/132 KV वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर हेतु फाउण्डेशन, सोक पिट, ऑयल टैंक इत्यादि के निर्माण से सम्बन्धित सिविल कार्य। (vi) अउदा-निर्माण संभाग एमपीपीटीसीएल, उज्जैन के अन्तर्गत विभिन्न उपकेंद्रों में 220 KV/132 KV वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर हेतु फाउण्डेशन, सोक पिट, ऑयल टैंक इत्यादि के निर्माण से सम्बन्धित सिविल कार्य। उपरोक्त कार्यों हेतु पात्र ठेकेदारों से ऑनलाइन पृथक-पृथक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के खुलने की दिनांक एवं अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट **www.mptransco.nic.in** एवं **www.mptenders.gov.in** का अवलोकन अथवा दूरभाष क्र. 0781-2702128/2702276 पर कार्यालयीन समय में सम्पर्क करें।

"विद्युत की बचत कीजिये"

म.प्र. माध्यम/124078/2026 — मुख्य अभियंता (अउदा-नि.)

IN THE COURT OF I CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, TALUKA BINA, DISTRICT SAGAR
PRESIDING OFFICER : श्री मृदुल जैन

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCS A/0000111/2025)

दीपक रजक.......................................वादी
V/s
आम नागरिक ....प्रतिवादी

Process Id-/2026
पेशी दिनांक:- 28/02/2026

प्रेषिती-(1) आम नागरिक पता- मंडीबामोरा बीना जिला सागर यह कि प्रार्थी दीपक रजक ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 20 January 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

मृदुल जैन
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड
बीना जिला सागर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें : 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

बदलाव — इटरनल कंपनी के मैनेजमेंट में बड़ा परिवर्तन, एक फरवरी से होगा प्रभावी

सीईओ गोयल का इस्तीफा, ढ़ीढसा को कमान

मुंबई, जेएनएन। जोमैटो की पैरेंट कंपनी इटरनल के मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि दीपिंदर गोयल ने इटरनल ग्रुप के डायरेक्टर, मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के पद से इस्तीफा दे दिया है। यह इस्तीफा 1 फरवरी 2026 से प्रभावी होगा। कंपनी के बोर्ड ने उनकी जगह अलबिंदर सिंह ढ़ीढसा को नए सीईओ और की मैनेजेरियल पर्सनल (केएमपी) के रूप में नियुक्त किया है।

शेयरहोल्डर्स को लिखे पत्र में गोयल ने कहा कि हाल ही में, मैं खुद को कुछ नए विचारों की ओर खिंचा हुआ महसूस कर रहा हूं, जिनमें काफी ज्यादा जोखिम वाले प्रयोग और इनोवेशन शामिल हैं। ऐसे विचार उन परियोजनाओं के लिए ज्यादा बेहतर हैं, जो इटरनल जैसी लिस्टेड कंपनी के बाहर आगे बढ़ाए जाएं। उन्होंने आगे कहा कि इटरनल को अपने बिजनेस से जुड़े नए विकास क्षेत्रों का पता लगाते समय फोकस और अनुशासन बनाए रखना चाहिए। जबकि मुझे लगता है कि व्यक्तिगत रूप से मैं इटरनल में जो काम कर रहा हूं उसे जारी रखने के साथ-साथ बाहर नए विचारों की खोज भी कर सकता हूं। भारत में एक लिस्टेड कंपनी के सीईओ से जुड़ी उम्मीदें, कानूनी और अन्य जिम्मेदारियां ऐसा करने के लिए एक एकाग्र फोकस की मांग करती हैं।

एक फरवरी को संभालेंगे कंपनी का कार्यभार

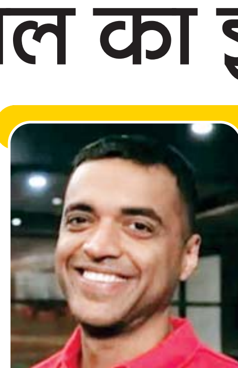

शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि उसके बोर्ड ने अलबिंदर सिंह ढ़ीढसा को नए सीईओ और की मैनेजेरियल पर्सनल (केएमपी) के रूप में नियुक्त किया है। ढ़ीढसा 1 फरवरी से ही नए सीईओ के रूप में कंपनी की कमान संभालेंगे। गोयल ने कहा कि ब्लिंकिट के अधिग्रहण से लेकर ब्रेकइवन तक की यात्रा उनके नेतृत्व में पूरी हुई। उन्होंने टीम, कंपनी का कल्चर, सप्लाई चेन और ऑपरेटिंग रिदम को मजबूत किया। उन्होंने आगे कहा कि ढ़ीढसा में एक अनुभवी फाउंडर का डीएनए है और उनकी क्रियान्वयन क्षमता मुझसे कहीं ज्यादा है। वह इटरनल के ग्रुप सीईओ के रूप में नेतृत्व देने में पूरी तरह सक्षम हैं। ब्लिंकिट हमारी सबसे बड़ी विकास संभावनाओं में से एक है और अलबिंदर (अलबी) की जरुरत बनी रहेगी। हमारी विकेंद्रीकृत संरचना, जिसमें हर बिजनेस का सीईओ उसे पूर्ण स्वामित्व के साथ ऑपरेट करता है, वैसे ही बनी रहेगी और यह अलबी को इस काम को अच्छे से करने में मदद करेगी।

73 फीसदी बढ़ा इटरनल का मुनाफा

दिसंबर तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 73 प्रतिशत उछलकर 102 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 59 करोड़ रुपए था। तिमाही के दौरान कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 202 प्रतिशत उछलकर 16,315 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 5,405 करोड़ रुपए था। कंपनी के रेवेन्यू में यह तेज बढ़त क्विक कॉमर्स कारोबार में आई मजबूती की वजह से देखने को मिली।

दीपिंदर गोयल संभालेंगे डायरेक्टर की कमान: एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि बोर्ड ने दीपिंदर गोयल को वाइस चेयरमैन और डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। यह नियुक्ति शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद प्रभावी होगी और मंजूरी मिलने की तारीख से 5 वर्षों की अवधि के लिए होगी।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Water Work Department
Municipal Corporation Rest House, Shyamla Hills, Bhopal
Office Telephone No.0755-2701669

NOTICE INVITING e-TENDER

Online tenders are being invited for the following work from the appropriated firm that Registered in the office of Madhya Pradesh (Central Registration Cell). The tender documents can be obtained online on the website http://mptenders.gov.in as per the Key Dates in the Notice published on the above website and detailed information can also be seen on website http://mptenders.gov.in

Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in news papers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website. http://mptenders.gov.in

S. No.	Tender Call	Tender ID.	Details of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (EMD)	Bid Submission End Date
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	Fourth Call	2025_UAD_441375_4	Supply of 700 MT. ferric alum Grade- IV under Narmada water supply project Shahganj.	58,10,000.00	43,575.00	02.02.2026 06:00 PM

T. N. 3021/025/026

Executive Engineer
Water Works Department
Municipal Corporation, Bhopal

अभिषेक की धमाकेदार पारी, न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बनाकर 48 रन से जीती टीम इंडिया

भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई

जेएनएन, नागपुर

भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 35 गेंद में 84 रन की धमाकेदार पारी से बुधवार को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 48 रन से जीत दर्ज की। इस तरह पांच मैच की सीरीज में भारत 1-0 से आगे हो गया। टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं दिखाया और उनकी खूब धुनाई करते हुए अपनी पारी में आठ छक्के और पांच चौके लगाए। रिंकू सिंह ने अंत में 20 गेंद में नाबाद 44 रन बनाए। इससे भारत ने सात विकेट पर 238 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जो न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले भारतीय टीम ने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 234/4 का स्कोर बनाया था। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ग्लेन फिलिप्स (78) के अर्धशतक के बावजूद टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 190 रन ही बना सकी। भारत ने हालांकि इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को आउट करने के कई मौके गंवाए। लेकिन बड़ा स्कोर होने से भारत को जीत दर्ज करने में परेशानी नहीं हुई। अर्शदीप सिंह (31 रन देकर एक विकेट) ने भारत को शानदार शुरुआत कराई और पारी की दूसरी ही गेंद पर डेवोन कॉनवे को विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथों कैच आउट कराया। दूसरे ओवर में हार्दिक पंड्या (20 रन देकर एक विकेट) ने रचिन रविंद्र को आउट किया जिससे न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए। टिम रॉबिन्सन (21) सातवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती (37 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर पवेलियन लौट गए। फिलिप्स और मार्क चैपमैन (39 रन) ने मिलकर 42 गेंद में 79 रन जोड़े। लेकिन अक्षर पटेल (42 रन देकर एक विकेट) ने 14वें ओवर में भारत को फिलिप्स का अहम विकेट दिलाया जिन्हें लॉग ऑन पर शिवम दुबे ने कैच आउट किया। दुबे ने अंतिम ओवर में लगातार गेंद पर डेरिल मिचेल (28 रन) और क्रिस्टियन क्लार्क (शून्य) के विकेट लिए। कप्तान मिचेल सैंटनर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले अभिषेक और कप्तान सूर्यकुमार यादव (32 रन, 22 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 99 रन की साझेदारी की।

81 छक्के अभिषेक शर्मा के टी-20 इंटरनेशनल में हो गए हैं। सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में उन्होंने युवराज सिंह (74) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सबसे ज्यादा छक्के भारत की ओर से पूर्व कप्तान रोहित शर्मा (205) ने लगाए हैं।

22 गेंद में अभिषेक ने अर्धशतक पूरा किया, जो टी-20 उनका सातवां अर्धशतक भी है। वे न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय बन गए। उन्होंने रोहित शर्मा और केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा। रोहित ने 2020 में हैमिल्टन में 23 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। वहीं, राहुल ने 2020 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 23 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी।

9 हजार रन भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी-20 क्रिकेट में पूरे किए। सूर्यकुमार टी-20 में नौ हजार रन बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले ये कारनामा रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन कर चुके हैं।

■ अभिषेक टी-20 सबसे ज्यादा बार 25 या उससे कम गेंदों में फिफ्टी जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह आठ बार यह कारनामा कर चुके हैं। उन्होंने सूर्यकुमार, फिल सॉल्ट और एविन लुईस को पछाड़ा है। तीनों खिलाड़ी सात-

238/7 रन भारत का न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 में ये सबसे बड़ा स्कोर है। टीम इंडिया ने 44वीं बार टी-20 इंटरनेशनल में 200 से अधिक रन बनाए हैं। भारत टी-20 इंटरनेशनल में 10 या उससे अधिक बार 200 से अधिक का स्कोर बनाने वाली एकमात्र टीम है। भारत के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 8 बार 200 से अधिक स्कोर बनाया है।

■ अभिषेक शर्मा के टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन पूरे हो गए। इसके साथ ही उन्होंने आंद्रे रसेल का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। वह 170 प्लस के स्ट्राइक रेट के साथ 5000 टी-20 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक ने 2910 गेंदों में इतने रन बनाए, जबकि रसेल ने 3086 गेंदें खेली। सूर्यकुमार ने 5000 रन पूरे करने के लिए 3142 गेंदें ली।

स्कोर बोर्ड

भारतः 238/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
सैमसन का. रविंद्र बो. जेमीसन	10	7	2	0
अभिषेक का. जेमीसन बो. सोढ़ी	84	35	5	8
किशन का. चैपमैन बो. डफी	8	5	2	0
सूर्यकुमार का. रॉबिंसन बो. सैंटनर	32	22	4	1
हार्दिक का. चैपमैन बो. डफी	25	16	3	1
शिवम का. एंड बो. जेमीसन	9	4	0	1
रिंकू सिंह नाबाद	44	20	4	3
अक्षर का. मिचेल बो. क्लार्क	5	5	0	0
अर्शदीप सिंह नाबाद	6	6	1	0

अतिरिक्तः 15, **कुलः** 20 ओवर में सात विकेट पर 238 रन, **विकेट पतनः** 1-18, 2-27, 3-126, 4-149, 5-166, 6-185, 7-209, **गेंदबाजीः** जैकब डफी 4-0-27-2, जेमीसन 4-0-54-2, क्रिस्टियन क्लार्क 4-0-40-1, ईश सोढ़ी 3-0-38-1, ग्लेन फिलिप्स 1-0-20-0, मिचेल सेंटनर 3-0-37-1, डैरिल मिचेल 1-0-21-0.

न्यूजीलैंडः 190/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
कॉन्वे का. सैमसन बो. अर्शदीप	0	2	0	0
रॉबिंसन का. शिवम बो. वरुण	21	15	2	1
रविंद्र का. अभिषेक बो. हार्दिक	1	5	0	0
फिलिप्स का. शिवम बो. अक्षर	78	40	4	6
चैपमैन का. अभिषेक बो. वरुण	39	24	4	2
मिचेल का. बिश्नोई बो. शिवम	28	18	4	0
मिचेल सैंटनर नाबाद	20	13	2	0
क्लार्क का. रिंकू बो. शिवम	0	1	0	0
काइल जेमीसन नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्तः 2, **कुलः** 20 ओवर में सात विकेट पर 190 रन, **विकेट पतनः** 1-0, 2-1, 3-52, 4-131, 5-143, 6-189, 7-189, **गेंदबाजीः** अर्शदीप 4-0-31-1, हार्दिक पंड्या 2-0-20-1, बुमराह 3-0-29-0, अक्षर पटेल 3.3-0-42-1, वरुण चक्रवर्ती 4-0-37-2, शिवम दुबे 3-0-28-2, अभिषेक शर्मा 0.3-0-3-0.

रणजी ट्रॉफीः दूसरा चरण आज से, बड़े सितारों की होगी भिड़ंत

राजकोट, जेएनएन। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का रोमांच गुरुवार से एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। टूर्नामेंट अब उस मोड़ पर आ खड़ा हुआ है, जहां से नॉकआउट की दौड़ अपने निर्णायक दौर में कदम रखेगी। टीमों के पास अब गलती की गुंजाइश लगभग खत्म हो चुकी है। सफेद गेंद के टूर्नामेंट की वजह से पांच राउंड के बाद रणजी ट्रॉफी को विराम दिया गया था। लगभग दो महीने के अंतराल के बाद अब टूर्नामेंट फिर से अपनी रफ्तार पकड़ेगा। क्वार्टरफाइनल से पहले एलीट डिविजन की हर टीम को दो और मैच खेलने हैं। क्वार्टरफाइनल 6 फरवरी से शुरू होंगे। नॉकआउट मुकाबले पूरे फरवरी महीने चलेंगे और इसी दौरान टी-20 विश्व कप भी आयोजित होगा। फाइनल 24 से 28 फरवरी के बीच खेला जाना है। चारों एलीट ग्रुप से टॉप दो टीमें नॉकआउट में पहुंचेंगी।

गिल बनाम जडेजा, मप्र के खिलाफ खेलेंगे राहुल

राजकोट के मैदान पर भारत के दो दिग्गज आमने-सामने होंगे। पंजाब और सौराष्ट्र की भिड़ंत में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल और दिग्गज ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा एकदूसरे के खिलाफ खेलेंगे। वहीं, अनंतपुर में नीतीश रेड्डी आंध्रा की जर्सी में विजय हजारे ट्रॉफी की नई चैंपियन विदर्भ को चुनौती देंगे। कर्नाटक के लिए केएल राहुल मध्यप्रदेश के विरुद्ध अपना दम दिखाएंगे। इस बीच रिषभ पंत की कमी उनकी टीम को खलेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले चोटिल हुए पंत अभी भी रीहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इस वजह से वे सत्र के आखिरी दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के ठीक बाद तेज गेंदबाज सिराज एक नई भूमिका में दिखेंगे। वे बतौर कप्तान हैदराबाद के लिए अपना रणजी अभियान शुरू करेंगे। अंतरराष्ट्रीय मैचों से लौट रहे, सिराज कप्तान के रूप में जी राहुल सिंह की जगह लेंगे। वह ग्रुप-डी में 42 बार के चैंपियन मुंबई के खिलाफ हैदराबाद की कप्तानी करेंगे।

टॉप रन स्कोरर्सः गोवा के अभिनव तेजराना आठ पारियों में 651 रन बनाकर सूची में सबसे ऊपर हैं। उनके बाद दिल्ली के सनत संगवान दस पारियों में 634 रन के साथ दूसरे और कर्नाटक के करुण नायर सात पारियों में 602 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। प्लेट ग्रुप में अरमान जाफर छह पारियों में 717 रन के साथ सबसे आगे हैं।

मुंबई का दबदबा, लेकिन रहाणे की कमी खलेगी

मुंबई का दबदबा आज भी कायम है, मगर अब घरेलू क्रिकेट में उनकी बादशाहत वैसी बेमिसाल नहीं रही जैसी कभी हुआ करती थी। अगर पिछले एक दशक पर नजर डालें, तो उन्होंने केवल दो बार ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। हालांकि, मौजूदा फॉर्म के लिहाज से वे काफी बेहतर स्थिति में हैं और पांच मैचों में तीन जीत दर्ज कर ग्रुप-डी की अंक तालिका में सबसे ऊपर काबिज हैं। इसी ग्रुप से जम्मू और कश्मीर भी नॉकआउट का टिकट पाने की पुरजोर कोशिश में जुटी है। मुंबई को इस बार अनुभवी अजिंक्य रहाणे की कमी खलेगी, क्योंकि उन्होंने निजी कारणों से ब्रेक लिया है। सत्र की शुरुआत से पहले ही रहाणे ने नेतृत्व की जिम्मेदारी से हाथ पीछे खींच लिए थे, लिहाजा टीम की कमान अब भी शार्दुल ठाकुर के कंधों पर ही रहेगी।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-18 क्रिकेटः इंदौर ने भोपाल डिवीजन को आठ विकेट से हराया

भोपाल, खेप्र। इंदौर डिवीजन ने हीरालाल गायकवाड़ ट्रॉफी अंडर-18 बॉयज इंटर डिविजनल मल्टीडे क्रिकेट टूर्नामेंट में भोपाल डिवीजन को आठ विकेट से शिकस्त दी। जबलपुर के एमपीसीए मैदान पर भोपाल ने इंदौर को मात्र 26 रन का लक्ष्य दिया, जिसे उसने दो विकेट खोकर 10.3 ओवर में हासिल कर लिया। फालोऑन खेलते हुए भोपाल डिवीजन दूसरी पारी में 112 रन पर सिमट गई। कनिष्क गौतम ने 26 और मलय श्रीवास्तव ने 24 रन बनाए। 'दौर डिविजन के सौम्य पाटीदार ने 5 और मोहित पटेल ने 3 विकेट लिए। भोपाल ने पहली पारी में 161 रन बनाए थे। जिसके जवाब में इंदौर ने 248 रन बनाए।

इंटर प्रेस क्रिकेटः जनचर्चा और स्वदेश ज्योति की आसान जीत

भोपाल, खेप्र। स्वदेश ज्योति और जनचर्चा ने 31वें आईईएस डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में आसान जीत दर्ज की। ओल्ड कैंपियन मैदान पर एनएसटी ने नौ विकेट पर 117 रन बनाए। विश्वनाथ पटेल ने 29, संजय ने 26 और सचिन मदनानी ने 18 रन की पारी खेली। स्वदेश ज्योति के कृष्णकांत गंगवार ने दो विकेट लिए। जवाब में स्वदेश ज्योति ने जरूरी रन 13.5 ओवर में एक विकेट पर बना लिए। भूषण शर्मा ने 51 और कप्तान अक्षत शर्मा ने 45 रनों की नाबाद पारी खेली। भूषण मानसरोवर प्लेयर आफ द मैच चुने गए। जबकि अक्षत शर्मा और केके गंगवार संयुक्त आरएनटीयू मोस्ट वेल्युएबल प्लेयर बने। दूसरे मैच में सुपर हीटर्स ने अंकित (46) की पारी की बदौलत 17.3 ओवर में 123 रन बनाए। जनचर्चा के जमरान जावेद और रिषभ ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में जनचर्चा ने 14.4 ओवर में तीन विकेट पर जरूरी रन बना लिए। सौरभ राजपूत ने 48 और जोंटी ने 29 तथा धनंजय ने 24 रन बनाए।

सीनियर स्टेट कराटे में शहर के पीयूष पवार ने जीता स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। शहर के पीयूष पवार ने सीनियर स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2025-26 में स्वर्ण पदक अर्जित किया। इंदौर में आयोजित इस राच्य स्तरीय प्रतियोगिता में पीयूष ने स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) का प्रतिनिधित्व करते हुए 84 किग्रा भारवर्ग में सोने का तमगा हासिल किया। पीयूष ने फाइनल में देवास के हर्ष चौहान को शिकस्त दी। तीन मिनट की फाइनल फाइट में दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला 3-3 अंकों से बराबरी पर रहा। इसके पश्चात सेंशु के आधार पर पीयूष को विजेता घोषित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने पीयूष को पदक जीतने पर बधाई दी।

सिंधू, लक्ष्य, श्रीकांत और अनमोल इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

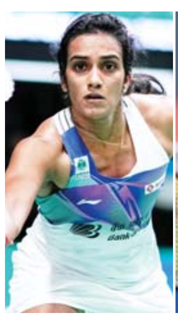

जकार्ता, जेएनएन। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत बुधवार को इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में जापान की मनामी सुइजु पर 53 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 22-20, 21-18 से जीत दर्ज की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने मुकाबले में जापान के विश्व में नंबर 22 कोकी वातानाबे को एक घंटे 12 मिनट में 21-15, 21-23, 24-22 से हराया। अब उनका मुकाबला चौथे वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन से होगा, जिन्होंने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को 21-14, 21-15 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई पर 21-13, 16-21, 21-14 की जीत के साथ की। उनका अगला मुकाबला हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अनमोल खरब ने चीनी ताइपे के पाई यू पो पर सीधे गेम में 21-16, 21-17 से जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि आयुष शेट्टी, एचएस प्रणय और किरण जॉर्ज पहले ही दौर में बाहर हो गए। आयुष को आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के अलवी फरहान से 8-21, 13-21 से और किरण को इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्ला से 17-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणय को केवल 35 मिनट तक चले मैच में मलेशिया के ली जी जिया ने 19-21, 11-21 से बाहर का रास्ता दिखाया। महिला एकल में मालविका बंसोड़ को 37 मिनट तक चले मैच में कनाडा की छठी वरीयता प्राप्त मिशेल ली से 21-23, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सबालेंका, गॉफ, अल्काराज व ज्वेरेव आस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में

जेएनएन, मेलबर्न

दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ आस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई, जबकि पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज और एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी अपने मुकाबले जीत गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की विजेता सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने ओल्गा डानिलोविच को 6-2, 6-2 से मात दी। अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को 7-6, 6-3, 6-2 से हराया। पिछले साल के फाइनल में यानिक सिनर से हारने वाले ज्वेरेव ने एलेक्जैंडर मुलर को 6-3, 4-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। स्थानीय दावेदार एलेक्स डि मिनौर ने हमाद मेदजेदोविच को 6-7 (5), 6-2, 6-2, 6-1 से मात दी और अब उनका सामना फ्रांसेस टियाफो से होगा, जिन्होंने फ्रांसिस्को कोमेसाना को 6-4, 6-3, 4-6, 6-2 से हराया। सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा, जिन्होंने 28वीं वरीयता प्राप्त और पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडूकानू को 7-6, 6-2 से हराया। महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को 7-5, 6-1 से मात दी। तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को 6-2, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेटिन हालिस को 6-7, 6-3, 6-4, 6-2 से हराया, जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से मात दी। 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया।

गुकेश ने प्रज्ञाननंदा से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी (नीदरलैंड), जेएनएन। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञाननंदा के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली, जबकि अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके। प्रज्ञाननंदा का इस टूर्नामेंट में सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजी ड्रॉ खेली। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन के हाथों अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चेक गणराच्य के खिलाड़ी दाई वान गुयेन को पराजित किया। अब्दुसत्तोरोव और नीमन चार में से तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं।

वनडे रैंकिंगः कोहली को पछाड़कर मिचेल शीर्ष पर

दुबई, जेएनएन। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे सीरीज जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था। मिचेल ने इस सीरीज में दो शतक लगाए और 34 वर्षीय यह बल्लेबाज मात्र 54वीं पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है, जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं। यह दूसरी बार है, जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे, जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था। मिचेल और कोहली के बाद अफगानिस्तान के इब्राहिम जदरान (764 अंक) तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने भारत के रोहित शर्मा (757 अंक) को चौथे स्थान पर पहुंचा दिया। गेंदबाजी रैंकिंग के शीर्ष स्थान पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। अफगानिस्तान के स्टार राशिद खान (710 अंक) पहले स्थान पर बने हुए हैं।

रोहित शर्मा को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की जाएगी

पुणे, जेएनएन। भारत के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा को क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए शनिवार को अजींक्या डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय (एडीवाईपीयू) के दीक्षांत समारोह में मानद डॉक्टरेट (डी.लिट.) की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने बुधवार को घोषणा की कि उसके ऐतिहासिक 10वें दीक्षांत समारोह में रोहित प्रमुख आकर्षण होंगे। विश्वविद्यालय ने कहा, प्रशंसक उन्हें क्रिकेट के हिटमैन के रूप में जानते हैं, लेकिन दीक्षांत समारोह रोहित शर्मा के लिए एक अलग तरह का मील का पत्थर है।

अभिषेक बच्चन की ईटीपीएल में फ्रेंचाइजी के मालिक बने स्टीव वॉ, मैक्सवेल व ड्वायेर

सिडनी, जेएनएन। यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट स्टार स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल के साथ हॉकी स्टार जैमी ड्वायेर के फ्रेंचाइजी मालिक के रूप में जुड़ने की घोषणा की। वैश्विक बहु देश फ्रेंचाइजी लीग ईटीपीएल बालीवुड स्टार अभिषेक बच्चन ने शुरू की है, जिसे आईसीसी से मान्यता प्राप्त है।

इसे नीदरलैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड का समर्थन हासिल है। लीग पिछले साल शुरू की गई थी, लेकिन छह टीमों का यह टूर्नामेंट इस साल खेला जाएगा, जिसमें 34 मैच होंगे। ईटीपीएल ने पहली तीन टीमों एम्सटर्डम, एडिनबर्ग और बेलफास्ट के मालिकों की घोषणा कर दी है। एम्सटर्डम टीम के मालिक ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर वॉ और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी कप्तान ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ड्वायेर की अगुआई वाला समूह होगा। एडिनबर्ग टीम के मालिक न्यूजीलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नाथन मैकुलम और काइल मिल्स होंगे। बेलफास्ट टीम ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल, बीमा कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड की होगी।

टी-20 विश्व कप के लिए भारत नहीं आने पर बांग्लादेश की जगह दूसरी टीम लाएगी आईसीसी

रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मिल सकता है मौका

दुबई, जेएनएन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को एक और दिन का समय दिया है कि वह अपना अंतिम फैसला बताएं कि क्या टी-20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश की टीम भारत जाएगी या नहीं? अगर सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश अपने फैसले पर अडिग रहती है तो फिर आईसीसी ने उनकी जगह रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में लाने का फैसला लिया है। बुधवार को आईसीसी की बोर्ड मीटिंग में यह तय किया गया, क्योंकि ज्यादातर ने इस पक्ष में मत दिया कि अगर बांग्लादेश अपने भारत में नहीं खेलने के फैसले पर टिकी रहती है, तो उनकी जगह दूसरी टीम को लाया जाए। मीटिंग में मौजूद 15 डायरेक्टर में सिर्फ पीसीबी ने बीसीबी का समर्थन किया। यह मीटिंग तब की गई जब पीसीबी ने आईसीसी और बाकी बोर्ड को पत्र लिखकर बताया कि वह बीसीबी के श्रीलंका में खेलने के फैसले का समर्थन करते हैं। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह के अलावा मीटिंग में सभी पूर्ण सदस्य देश के डायरेक्टर मौजूद थे।

भारत में खतरा नहीं

आईसीसी ने बोर्ड मीटिंग के बाद कहा कि यह फैसला सभी सुरक्षा आकलन को मद्देनजर रखते हुए लिया गया है और उनसे पता चला है कि बांग्लादेश के खिलाड़ियों, मीडियाकर्मियों, अधिकारियों और फैंस को भारत में कोई खतरा नहीं है। आईसीसी बोर्ड को यह लगता है कि जब टूर्नामेंट इतना नजदीक है, तो ऐसे में किसी बड़ी कारण के बिना कोई भी बदलाव करना मुश्किल है। ऐसा करने पर फिर आगे होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में भी इसका असर देखने को मिल सकता है और इससे आईसीसीकी निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जापान के पूर्व पीएम आबे के हत्यारे को उम्रकैद

टोक्यो, जेएनएन। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने वाले आरोपी को अदालत ने बुधवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। 8 जुलाई 2022 को नारा शहर में चुनाव प्रचार के दौरान शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सरकारी वकील ने अदालत में कहा कि आरोपी तेत्सुया यामागामी का अपराध बेहद गंभीर है और इसके लिए सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। वहीं यामागामी की ओर से बचाव पक्ष ने दलील दी कि वह धार्मिक शोषण का शिकार था। उसके वकीलों ने बताया कि यामागामी की मां यूनिफिकेशन चर्च से जुड़ी थीं और उसी वजह से परिवार भारी कर्ज में डूब गया था। यामागामी ने अदालत में बताया कि शुरू में उसका इरादा चर्च से जुड़े अधिकारियों पर हमला करने का था।

प्रयागराज में एयरफोर्स का एयरक्राफ्ट क्रैश

प्रयागराज, जेएनएन। प्रयागराज में बुधवार दोपहर सेना का एयरक्राफ्ट तालाब में गिर गया, जहां हादसा हुआ वह शहर का बीचों-बीच का इलाका है। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। हादसा बुधवार दोपहर करीब 12.20 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। रेस्क्यू टीम ने एयरक्राफ्ट तक पहुंच रेस्क्यू किया।

संभल कोर्ट के जज का ट्रांसफर

एएसपी चौधरी पर दिया था एफआईआर का आदेश

लखनऊ, जेएनएन। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मंगलवार को संभल के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट विभान्शु सुधीर सहित 14 न्यायिक अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया है। चंदौसी में सिविल जज, सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह ने सुधीर की जगह ली है। वहीं सुधीर को अब सुल्तानपुर में सीनियर डिविजन का सिविल जज बनाया गया है। विभान्शु सुधीर ने 19 जनवरी को संभल हिंसा के दौरान एक युवक की मौत के संबंध में तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी और एसएचओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। संभल पुलिस ने कहा, वे सीजेएम कोर्ट के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपील करेंगे। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की तरफ से जारी ट्रांसफर आर्डर में कन्नौज के सेशन जज हरेंद्रनाथ को पॉक्सो मामले के कोर्ट में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज कन्नौज नियुक्त किया गया है।

असम के कोकराझार में तनाव के बाद सेना तैनात

गुवाहाटी, जेएनएन। असम के कोकराझार जिले में हालात बिगड़ने के बाद बुधवार को सेना तैनात कर दी गई है। जिले में बोडो और आदिवासी समुदायों के बीच हुई झड़पों में दो लोगों की मौत के बाद हिंसा भड़क उठी थी। हमलों की आशंका के चलते कई ग्रामीण अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग गए हैं। सेना के जवानों ने मंगलवार रात करिगांव और आसपास के इलाकों में गश्त शुरू कर दी थी। बुधवार को तनावग्रस्त इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया गया। इस समय कोकराझार जिले में सेना की कुल चार टुकड़ियां तैनात हैं। प्रशासन का दावा है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। इससे पहले ही इलाके में रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई थी। पूरे जिले में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है ताकि भीड़ जुटने और हिंसा फैलने से रोका जा सके।

बोडो-आदिवासी झड़प में 2 की मौत, गांव खाली कर भागे लोग

बसंत की आमद | देशभर में बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा के लिए कलाकार व मूर्तिकार देवी सरस्वती की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। रंगाई-पुताई, स्प्रे और सजावट का काम तेज है, ताकि ज्ञान, संगीत और बुद्धि की देवी के स्वागत की तैयारियां पूरी हो सकें।

क्रिप्टो निवेशकों की चाह

पारंपरिक व्यवस्था की तरह ही लगाएं टैक्स

यूनियन बजट 2026 से पहले एक सर्वे में पता चला कि ज्यादातर भारतीय क्रिप्टो निवेशक चाहते हैं कि क्रिप्टो पर कर स्टॉक्स या म्यूचुअल फंड जैसी पारंपरिक व्यवस्था के अनुसार लगे।

61% निवेशक चाहते हैं कि क्रिप्टोकरेंसी का टैक्सेशन स्टॉक्स या म्यूचुअल फंड जैसी पारंपरिक वित्तीय प्रणाली के अनुरूप हो।

17% निवेशक अलग और स्वतंत्र टैक्स ढांचे के पक्ष में हैं।

66% निवेशक वर्तमान क्रिप्टो टैक्स सिस्टम को अनुचित मानते हैं।

90% प्रतिभागी जानते हैं

30% लाभ कर

- नुकसान सेट-ऑफ और कैरी-फॉरवर्ड की अनुपस्थिति
- 1 फीसदी लेन-देन टीडीएस

59% निवेशक वर्तमान टैक्स नीति के कारण क्रिप्टो ट्रेडिंग में कमी दिखा रहे हैं।

17% निवेशकों ने बढ़ी हुई भागीदारी बताई।

16% का कहना है कि टैक्स नीति का कोई असर नहीं पड़ा।

वर्ल्ड इकॉनामिक फोरमः ट्रंप बोले- ग्रीनलैंड चाहिए, पर ताकत से नहीं

बर्फ का एक टुकड़ा चाहिए वह भी नहीं दे रहा यूरोप

दावोस, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में ग्रीनलैंड को लेकर अपना रुख खुलकर सामने रखा। ट्रंप ने दुनिया के सामने ग्रीनलैंड पर कब्जे के प्लान को सही ठहराते हुए कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा अमेरिका के अलावा कोई और देश नहीं कर सकता। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड हासिल करने के लिए ताकत का इस्तेमाल नहीं करेगा। इसके बावजूद उन्होंने इस मुद्दे पर विरोध करने वालों पर तीखे बयान दिए और डेनमार्क को 'एहसानफरामोश' तक कह दिया। ट्रंप के भाषण के लिए 45 मिनट तय थे, लेकिन उन्होंने करीब 75 मिनट तक संबोधन किया। ट्रंप ने शिकायती लहजे में कहा कि वह महज 'एक बर्फ का टुकड़ा' चाहते हैं, लेकिन यूरोप इसे देने को तैयार नहीं है।

अमेरिकी दबदबे वाली वैश्विक व्यवस्था खत्मः मार्क कार्नी

दावोस। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था को लेकर एक बड़ा और स्पष्ट संदेश दिया। कार्नी ने कहा कि अमेरिका के दबदबे वाली वैश्विक व्यवस्था अब समाप्त हो चुकी है और यह मान लेना गलत होगा कि पुराना सिस्टम दोबारा लौट आएगा। कार्नी ने अपने संबोधन में कहा, 'दुनिया बदलाव की ओर नहीं, बल्कि टूटने की ओर आगे बढ़ रही है। अब पुराना सिस्टम वापस नहीं आने वाला।' उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में जिस 'नियम आधारित व्यवस्था' की बात की जाती है, वह हमेशा वास्तविकता में पूरी तरह लागू नहीं रही। उनके मुताबिक दुनिया का संचालन लंबे समय से शक्ति-संतुलन और राष्ट्रीय हितों के आधार पर होता रहा है।

ग्रीनलैंड पर यूरोप की 'एकजुटता' बनी मजाकः ग्रीनलैंड के नाम पर यूरोपीय देशों ने एक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है, लेकिन इसमें ब्रिटेन ने केवल 1 सैनिक भेजकर 'सैन्य एकजुटता' की गंभीरता पर ही बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेनमार्क, नॉर्वे, फिनलैंड, स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड्स और ब्रिटेन जैसे नाटो देशों ने मिलकर 'ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस' नामक जॉइंट मिलिट्री ऑपरेशन शुरू किया है।

ट्रंप के दबाव से बदला इजरायल का रुखः ट्रंप के सख्त रुख और दबाव के आगे आखिरकार इजरायल ने ट्रंप के प्रस्तावित 'गाजा बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का फैसला कर लिया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने आधिकारिक तौर पर ऐलान किया कि इजरायल अब इस बोर्ड का संस्थापक सदस्य होगा, और वह तुर्की व कतर के साथ मिलकर इस परिषद में हिस्सा लेगा।

जी7 की इमरजेंसी मीटिंग में नहीं जाएंगे ट्रंपः अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ते तनाव के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस हफ्ते पेरिस में जी7 की एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। इस बैठक का मकसद अमेरिका के साथ बढ़ते विवादों खासकर ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप के रुख और टैरिफ (आयात शुल्क) नीति पर चर्चा करना बताया जा रहा है। लेकिन अब इस अहम मीटिंग से पहले ही साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे।

बांग्लादेश में सुरक्षा चिंता बढ़ी

अधिकारियों के परिवारों को केंद्र ने दी लौटने की सलाह

नई दिल्ली, जेएनएन। बांग्लादेश में भारतीय संस्थानों के खिलाफ हिंसा की आशंका और सुरक्षा हालात को देखते हुए भारत सरकार ने बड़ा एहतियाती कदम उठाया है। सरकार ने बांग्लादेश में तैनात भारतीय राजनयिकों और अधिकारियों के परिवारों (डिपेंडेंट्स) को भारत लौटने की सलाह दी है। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि बांग्लादेश में भारतीय मिशन और सभी पोस्ट खुले रहेंगे और पूरी तरह काम करते रहेंगे। एक आधिकारिक सूत्र के मुताबिक, 'सुरक्षा स्थिति को देखते हुए एहतियातन हमने मिशन और पोस्ट के अधिकारियों के आश्रितों को भारत लौटने की सलाह दी है। बांग्लादेश में भारतीय मिशन और सभी पोस्ट खुले हैं और सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।' एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह व्यवस्था फिलहाल के लिए है और हालात का आकलन करने के बाद इसकी बाद में समीक्षा की जाएगी। यानी यदि स्थिति सामान्य होती है तो आगे इस फैसले में बदलाव भी संभव है।

हालांकि सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि यह कदम दूतावास या कांसुलेट बंद करने जैसा नहीं है। भारतीय दूतावास और अन्य कार्यालय पूरी ताकत के साथ काम करते रहेंगे और बांग्लादेश में भारत की राजनयिक गतिविधियां जारी रहेंगी। सरकार का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि अगर हालात अचानक बिगड़ें, तो परिवार जोखिम में न पड़ें।

आशंका के बीच एहतियाती फैसला

यह फैसला हाल के दिनों में बांग्लादेश में सामने आए भारत-विरोधी प्रदर्शनों और उनके हिंसक होने की आशंका के मद्देनजर लिया गया है। बताया जा रहा है कि कुछ प्रदर्शन ऐसे रहे हैं जो नियंत्रण से बाहर जाने की स्थिति में दिखे, जिससे भारतीय संस्थानों और कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

हाईकोर्ट नहीं दे सकता पुलिस को धारा 41ए के पालन का आदेश

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर (एफआईआर) रद्द करने से जुड़ी सुनवाई में एक अहम और दूरगामी फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि जब कोई हाईकोर्ट किसी एफआईआर को खारिज (रद्द) करता है, तो वह पुलिस को सीआरपीसी की धारा 41ए का पालन करने का निर्देश नहीं दे सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह अधिकार क्षेत्र से बाहर की बात है, क्योंकि एफआईआर रद्द होने की स्थिति में धारा 41ए जैसे आदेश देना कानूनन उचित नहीं माना जा सकता।

यह फैसला तेलंगाना हाईकोर्ट से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया। दरअसल, तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक एफआईआर को रद्द करते हुए पुलिस को यह निर्देश दे दिया था कि वह सीआरपीसी की धारा 41ए का पालन करे। इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश को गलत ठहराते हुए कहा कि एफआईआर रद्द करने वाली याचिका में अदालत जांच एजेंसी को 41ए का पालन करने का निर्देश नहीं दे सकती। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की दो सदस्यीय पीठ ने की। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि 41ए का निर्देश अंतरिम राहत जैसा बन जाता है।

करीना कपूर ने बताई अपनी 'सुपरपावर' सब्जी, बोलीं-

'कूल' नहीं, पर पेट के लिए फायदेमंद लौकी

मुंबई, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान हमेशा से हेल्दी, मौसमी और घर का बना खाना खाने की सलाह देती रही हैं। अब एक बार फिर उन्होंने अपनी डाइट से जुड़ी एक खास बात साझा की है। करीना के मुताबिक उनकी पसंदीदा 'सुपरपावर' सब्जी कोई महंगी या ट्रेंडिंग चीज नहीं, बल्कि हमारे घरों में आसानी से मिलने वाली लौकी है। करीना ने कहा कि लौकी भले ही सुनने में 'कूल' न लगे, लेकिन यह गट यानी पेट और पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद है। करीना कपूर ने एक रैपिड फायर इंटरव्यू में कहा था, 'मैं लौकी की बहुत बड़ी फैन हूं। मुझे लगता है यह गट-फ्रेंडली सब्जी है। इसने मुझे बहुत मदद की है। कई बार मैं दवा नहीं लेती, लेकिन दूधी सूप, सादी लौकी सलाद या लौकी की सब्जी खा लेती हूं। यह सच में मदद करती है।' करीना ने इसे अपनी 'सुपरपावर वेजिटेबल' बताया और कहा कि लौकी का स्वाद फार्म से सीधे आने जैसा ताजा लगता है। बता दें कि लौक लो-कैलोरी और हाई-फाइबर वाली सब्जी है और इससे पेट हल्का रहता है और मेटाबॉलिज्म बेहतर हो सकता है। डाइटीशियन के मुताबिक लौकी की कूलिंग नेचर गर्मियों में उसे खास बनाता है। ऐसे मौसम में शरीर को ऐसा भोजन चाहिए होता है जो जल्दी पच जाए और पेट पर भारी न पड़े। लौकी हल्की, शांत करने वाली और आसानी से पचने वाली सब्जी है, जो कई 'ट्रेंडी' हेल्थ फूड्स से ज्यादा असरदार साबित हो सकती है। लौकी में 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है, जिससे यह शरीर को हाइड्रेट रखती है और पाचन में मदद करती है। लौकी का नियमित सेवन शरीर से टॉक्सिन्स हटाने और पाचन तंत्र को साफ रखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा लौकी में पोटैशियम अच्छा होता है, जो शरीर में नमक के असर को संतुलित करता है।

दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की प्रॉपर्टी का विवाद

रानी ने दायर की याचिका, बहु प्रिया पर धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली/मुंबई। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की संपत्ति और कंपनियों के नियंत्रण को लेकर चल रहा विवाद अब और गहरा गया है। संजय कपूर की मां और डॉ सुरिंदर कपूर की पत्नी रानी कपूर ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक नई याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने अपनी बहू प्रिया सचदेव कपूर और अन्य परिजनों पर धोखाधड़ी के जरिए पारिवारिक संपत्ति और कंपनियों पर नियंत्रण हथियाने का गंभीर आरोप लगाया है। रानी कपूर का कहना है कि उनके पति की विरासत और सोना समूह से जुड़ी कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी को अवैध तरीके से कब्जाने की कोशिश की गई है। याचिका में रानी कपूर ने दावा किया है कि बहू प्रिया कपूर ने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर एक 'फर्जी ट्रस्ट' बनाया, जिसका नाम आरके फैमिली ट्रस्ट बताया गया है। उनका आरोप है कि इसी ट्रस्ट के जरिए डॉ सुरिंदर कपूर की विरासत, पारिवारिक संपत्तियों का नियंत्रण, और सोना समूह की प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी को अवैध तरीके से अपने पक्ष में करने की कोशिश हुई। रानी का कहना है कि ट्रस्ट के जरिए संपत्ति को इधर-उधर करने और नियंत्रण बदलने की कोशिश की जा रही है।

हाईकोर्ट से मांग

- 26 अक्टूबर 2017 के ट्रस्ट डीड को 'अवैध और शून्य' घोषित किया जाए।
- पारिवारिक संपत्तियों की बहाली हो।
- ट्रस्ट और संबंधित लेन-देन की खातों की जांच की जाए।
- ट्रस्ट के बैंक खातों के संचालन पर रोक लगाई जाए।

पाक रक्षा मंत्री ने 'फर्जी पिज्जा हट' का ही कर डाला उद्घाटन

सोशल मीडिया पर उड़ रहा मजाक, कंपनी ने झाड़ा पल्ला

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब और शर्मनाक विवाद में फंस गए हैं। मामला सियालकोट कैंटोनमेंट का है, जहां उन्होंने पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन उद्घाटन के कुछ ही घंटों बाद खुद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बताते हुए साफ कर दिया कि इसका उनकी आधिकारिक फ्रेंचाइजी से कोई लेना-देना नहीं है। इस घटना के बाद पाकिस्तान में राजनीतिक हलकों से लेकर सोशल मीडिया तक ख्वाजा आसिफ की जमकर किरकिरी हो रही है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ हाथ में कैंची लेकर फीता काटते दिख रहे हैं। वह कैमरे के सामने पोज देते नजर आए और आउटलेट को उद्घाटन का 'औपचारिक' रूप भी दिया गया। आउटलेट को गुब्बारों से सजाया गया था और बाहर पिज्जा हट के नाम और ब्रांडिंग का इस्तेमाल किया गया, जिससे लोगों को यह आधिकारिक फ्रेंचाइजी लग रही थी। लेकिन जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर कहा कि सियालकोट कैंटोनमेंट में खुला यह आउटलेट उनके नेटवर्क का हिस्सा नहीं है।

पिज्जा हट ने कहा-

'हमारा कोई संबंध नहीं'

पिज्जा हट पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि यह आउटलेट उनके ब्रांड का गलत इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी के मुताबिक यह रेस्टोरेंट पिज्जा हट इंटरनेशनल की रेसिपी, क्वालिटी प्रोटोकॉल, फूड सेफ्टी नियम, और ऑपरेशनल स्टैंडर्ड का पालन नहीं करता। कंपनी ने यह भी बताया कि उसने अपने ट्रेडमार्क के दुरुपयोग को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है और तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

रिपोर्ट | आर्थिक थिंक टैंक आईसीआरआईईआर की रिपोर्ट ने बताया, देश में मुफ्त राशन के बावजूद क्यों है कुपोषण

भोजन की कमी नहीं, लेकिन गुणवत्ता में आई गिरावट

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने पिछले कुछ दशकों में खाद्यान्न उत्पादन के मामले में बड़ी छलांग लगाई है। देश आज 140 करोड़ लोगों का पेट भरने के साथ-साथ अतिरिक्त अनाज उत्पादन कर निर्यात भी कर रहा है। सरकारी गोदामों में अनाज भरा है और 80 करोड़ लोगों को हर महीने मुफ्त राशन भी मिल रहा है। लेकिन इसके बावजूद एक सवाल बार-बार खड़ा होता है कि अगर पेट भर रहा है, तो कुपोषण 'जिंदा' क्यों है? देश के प्रमुख आर्थिक थिंक टैंक आईसीआरआईईआर (इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनामिक रिलेशन्स) की एक रिपोर्ट ने इसी सवाल का जवाब देते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कुपोषण की बड़ी वजह अब भोजन की कमी नहीं, बल्कि भोजन की पोषण गुणवत्ता में गिरावट है। और इसके पीछे सबसे बड़ी समस्या है मिट्टी की बिगड़ती सेहत।

मिट्टी की हालत बिगड़ने से अनाज की 'ताकत' गायब

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मिट्टी की गुणवत्ता तेजी से गिर रही है। खेतों की मिट्टी में अब नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, जिंक जैसे अहम पोषक तत्वों की भारी कमी हो रही है। इसका असर सीधा फसल की गुणवत्ता पर पड़ता है। यानी गेहूं, चावल, दाल जैसी फसलें मात्रा में तो पैदा हो रही हैं, लेकिन उनमें पहले जैसी पोषक क्षमता नहीं रह गई है। यही वजह है कि थाली में दाल-चावल-रोटी मौजूद होने के बावजूद शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पा रहा और कुपोषण बना हुआ है।

> उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार ज्यादा खाद डालने से मिट्टी की प्राकृतिक ताकत कमजोर हो रही है। अगर इस संकट से निपटना है, तो फसलों में पोषक तत्व बढ़ाने के लिए सरकार को नीति बनानी होगी और किसानों को जागरूक करना होगा।
>
> • **रितिका जुनेजा**, रिसर्च फेलो, आईसीआरआईईआर

उर्वरकों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहा मिट्टी को कमजोर

आई सी आर आई ई आर की रिसर्च फेलो रितिका जुनेजा के मुताबिक भारत में मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट अब चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी है। इसकी सबसे बड़ी वजह किसानों द्वारा बेतहाशा रासायनिक उर्वरकों का उपयोग है।

'फूड सिक्योरिटी' मिली, लेकिन 'न्यूट्रिशन सिक्योरिटी' नहीं

आईसीआरआईईआर के प्रोफेसर डॉ. अशोक गुलाटी के मुताबिक भारत ने 2024-25 में 357.7 मिलियन टन का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हासिल किया है। इससे देश ने खाद्य सुरक्षा तो सुनिश्चित कर ली, लेकिन पोषण सुरक्षा के मामले में हम पिछड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समस्या भोजन की 'कमी' नहीं, बल्कि भोजन की 'गुणवत्ता' है। यानी पेट तो भर रहा है, लेकिन शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल रहे।

गेहूं-चावल-दाल में भी घट रहे पोषक तत्वः रिपोर्ट में चिंता जताई गई है कि पोषक तत्वों और मिट्टी में मौजूद कार्बनिक पदार्थों की कमी का असर अब गेहूं, चावल और दाल तक में दिख रहा है। जबकि यही देश में करोड़ों लोगों का मुख्य भोजन है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक पब्लिक हेल्थ अलार्म जैसा है। उदाहरण के तौर पर अगर मिट्टी में जिंक की कमी होगी तो फसल में भी जिंक कम होगा। इसे खाने वाले बच्चों में बौद्धिक विकास प्रभावित हो सकता है, लंबाई रुक सकती है और सीखने-समझने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 500/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

वर्ल्ड इकॉनामिक फोरम: भारतीय तकनीक और बाजार बने दुनियाभर के आकर्षण का केंद्र, केंद्रीय मंत्री वैष्णव बोले-

भारत के एआई मॉडल में बढ़ी वैश्विक रुचि

नई दिल्ली, जेएनएन। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों को सुलभ, समावेशी और व्यापक स्तर पर लागू करने का दृष्टिकोण दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र बना है। उन्होंने बताया भारत का फोकस तकनीक को कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित रखने के बजाय समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने पर है, जिससे व्यापक और संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके। वैष्णव ने कहा कि दुनिया में भारत के तकनीकी मॉडल को लेकर काफी जिज्ञासा है। भारत यह दिखा रहा है कि अत्याधुनिक तकनीकों को किस तरह समावेशी विकास मॉडल के साथ जोड़ा जा सकता है, ताकि बड़े पैमाने पर लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने इसे तकनीक का लोकतंत्रीकरण बताया और कहा कि यही भविष्य का सही रास्ता है। दावोस में भारत की उपस्थिति मजबूती से महसूस की जा रही है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति को वैश्विक उद्योग जगत ने सराहा है। कई शीर्ष सेमीकंडक्टर कंपनियों के अधिकारियों ने भारत के चिप इकोसिस्टम के विकास की विशेष प्रशंसा की है।

अडानी समूह ने पेश किया 6 लाख करोड़ रुपये के निवेश का ब्लूप्रिंट

56वें वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान अडानी समूह ने भारत में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की एक व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत की। यह निवेश विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल प्लेटफॉर्म और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि यह योजना भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप है और इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर देश की आर्थिक वृद्धि को नई गति देना है। अडानी ग्रुप के अनुसार, यह निवेश महाराष्ट्र, असम और झारखंड जैसे राज्यों में फैला होगा और यह रणनीति केवल अलग-अलग परिसंपत्तियों के निर्माण तक सीमित न होकर एकीकृत, तकनीक-आधारित अवसंरचना प्लेटफॉर्म विकसित करने पर केंद्रित है। असम में ग्रुप ने गुवाहाटी स्थित लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को केंद्र बनाकर एक व्यापक विमानन और एयरोस्पेस इकोसिस्टम विकसित करने की योजना बनाई है। यहां आतिथ्य, रिटेल, विमानन प्रशिक्षण अकादमी, फुल-फ्लाइट सिम्युलेटर और विमान रखरखाव, मरम्मत व ओवरहॉल सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। इससे गुवाहाटी को पूर्वोत्तर भारत के एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

टैरिफ पर ईयू को लटनिक की चेतावनी

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने यूरोपीय संघ को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने ट्रंप के टैरिफ के जवाब में कदम उठाए, तो इससे 'टिट-फॉर-टैट' यानी जैसे को तैसा वाली व्यापार जंग शुरू हो सकती है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर अपना दबाव बढ़ा रहा है और इससे जुड़े व्यापारिक तनाव भी बढ़ने की आशंका है। लटनिक ने कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 की पहली तिमाही में 5 फीसदी की दर से बढ़ सकती है।

जेंडर इक्विटी एजेंडा रखेंगी स्मृति ईरानी

दावोस में भारत की लैंगिक समानता और समावेशन से जुड़ी सोच को वैश्विक मंच पर मजबूती से रखने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भाग लेंगी। वह महिला प्रेरक नेटवर्क (विन) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जहां दुनिया भर के प्रभावशाली नेता समावेशन, समानता और सामाजिक प्रभाव जैसे विषयों पर संवाद करेंगे। स्मृति ईरानी, जो एलायंस फॉर ग्लोबल गुड-जेंडर इक्विटी एंड इक्वलिटी नेटवर्क की संस्थापक और चेयरपर्सन हैं।.

चंद्रबाबू नायडू ने एआई पहलों पर की चर्चा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और आंध्र प्रदेश को एआई व डिजिटल कंटेंट का प्रमुख केंद्र बनाने पर उद्योगपतियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जनरेटिव एआई मॉडल के विकास, एक कंटेंट सुपरऐप, शिक्षा जगत के साथ एआई का एकीकरण, एआई-पावर्ड फिल्म सिटी आदि पर चर्चा की।

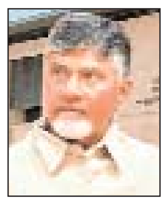

वैश्विक विस्तार से तय होगा एआई का भविष्य: नडेला

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने दावोस में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब केवल विकसित देशों तक सीमित तकनीक नहीं रही है। जब भारत का एक ग्रामीण किसान फसल से जुड़े फैसलों के लिए एआई मॉडल की मदद ले सकता है, तब यह साबित होता है कि एआई भौगोलिक सीमाओं से परे जा चुकी है। नडेला ने कहा कि एआई का भविष्य इस बात से तय होगा कि वह कहां विकसित होती है, इससे ज्यादा इस बात से तय होगा कि वह कितनी तेजी से दुनिया भर में, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों में, अपनाई जाती है। उन्होंने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी के कारण एआई मॉडल और उनके नतीजे आज हर कोने तक पहुंच सकते हैं। एआई अपने स्वभाव से ही एक वैश्विक तकनीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि चुनौती यह है कि देश और कंपनियां ऐसे हालात बना पाएं, जहां कौशल, पूंजी और नीतिगत समर्थन मौजूद हो, ताकि एआई को उत्पादकता और आर्थिक विकास में बदला जा सके। यदि ऐसा हुआ, तो एआई दुनिया के हर हिस्से में स्थानीय स्तर पर आर्थिक लाभ पैदा कर सकती है, न कि सिर्फ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में। एआई को केवल विकसित देशों तक सीमित मानने की सोच को खारिज करते हुए नडेला ने कहा कि टैलेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, स्टार्टअप्स और तकनीकी समझ दुनिया भर में मौजूद है। असली फर्क बड़े पैमाने पर एआई को अपनाने की प्रतिबद्धता में है।

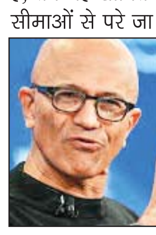

इटारसी के सोनतलाई बीट में बाघ का शव मिलने से हड़कंप

जागरण, इटारसी। वन परिक्षेत्र इटारसी के सोनतलाई बीट में बुधवार को एक मादा बाघ का शव मिलने से हड़कंप मच गया। वन विभाग इसे पेट में संक्रमण और प्राकृतिक मौत बता रहा है। वन विभाग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, अधिकारी पिछले दो दिनों से इस बाघ की निगरानी कर रहे थे। बुधवार को जब बाघ के शरीर में कोई हलचल नहीं दिखी, तब पास जाकर देखा तो वह मृत पाई गई।

बड़ा सवाल: विभाग की टीम वाकई निगरानी कर रही थी, तो क्या दो दिनों तक बाघ का एक ही स्थान पर अचेत पड़े रहना उन्हें संदिग्ध नहीं लगा? क्या यह निगरानी कागजों पर हो रही थी?

विभाग की थ्योरी: पोस्टमार्टम के बाद विभाग ने दावा किया है कि मादा बाघ के सभी अंग सुरक्षित हैं, इसलिए यह शिकार नहीं है। चिकित्सकों के प्रारंभिक परीक्षण में मौत की वजह पेट में संक्रमण बताई गई है। साक्ष्यों की पुष्टि के लिए विसरा लैब भेजा गया है।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन को शपथ पत्र पर जानकारी देने को कहा

प्रदेश में कितने शासकीय स्कूल हैं उनमें शिक्षकों के कितने पद खाली

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगल पीठ ने राज्य शासन को शपथ पत्र पर यह जानकारी पेश करने को कहा है कि प्रदेश में कितने शासकीय स्कूल हैं और उनमें शिक्षकों के कितने पद खाली हैं। मामला उस जनहित याचिका से संबंधित है, जिसमें मप्र के शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था के गिरते स्तर को कठघरे में रखा गया है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 24 जनवरी को तय की है। जनहित याचिकाकर्ता डिंडौरी निवासी लोक सिंह की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि अकेले डिंडौरी जिले में 102 सरकारी स्कूल ऐसे हैं जो बिना शिक्षक के चल रहे हैं। जबलपुर की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां शिक्षकों की कमी से 54 स्कूल बंद होने की कगार पर हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि शिक्षकों के अभाव में गरीब बच्चों का भविष्य अंधकार में है व सरकार बुनियादी शिक्षा के दावों पर विफल साबित हो रही है। दलील दी गई कि स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक न होना शिक्षा के अधिकार कानून का सीधा उल्लंघन है।

10 YEAR WARRANTY | BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE | 72198 21111 | SHRIRAM Finance | IDFC FIRST Bank | BAJAJ AUTO CREDIT | L&T Finance | TATA CAPITAL Two Wheeler Loans

*नियम और शर्तें लागू. बचत 31 जनवरी 2026 तक लागू है. दर्शाई गई कुल सेविंग्स का तात्पर्य है कैशबैक से प्राप्त बचत की कुल राशि, ज़ीरो प्रोसेसिंग फ़ीस और 5 फ्री सर्विसेस (3 स्टैंडर्ड फ्री सर्विसेस और 2 अतिरिक्त फ्री सर्विसेस). फ्री सर्विस की बचत, शेड्यूल्ड लेबर चार्जेस के लिए है. लागू ऑफ़र्स, मॉडल्स/राज्यों के अनुसार बदल सकते हैं. शून्य पीएफ़ पर सेविंग्स, फ़ायनान्सर पर निर्भर करते हुए लोकेशन्स के अनुसार बदल सकती हैं. फ़ायनान्स उपलब्ध है फ़ायनान्सर के अपने स्व-निर्णय पर. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नकल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. पल्सर 125 ऑफ़र नेयॉन और कार्बन फ़ाइबर मॉडल्स पर.

Authorised Dealers for BAJAJ Auto Ltd.: **Raisen Road** SURJEET BAJAJ 2590000• **Berasia Road** GURU KRIPA BAJAJ 9329148940 • **MP Nagar** OM ADVANCE BAJAJ 9993377326 • **Biaora** YADAV BAJAJ 7987592880 • **Betul** SACHIN BAJAJ 9827063930 • **Chhatarpur** TIKARIYA BAJAJ 7470901984 • **Guna** KK BAJAJ **7303055855** • Harda SURJEET BAJAJ 9926004248 • **Itarsi** SMH BAJAJ 9399642588, 7000805580 • **Raisen** MOTI BAJAJ 8962448444 • **Sehore** SUDERSHAN BAJAJ **8225023340/9826023340**• **Vidisha** SHREE BALAJI BAJAJ 8839791436 • **Ashoknagar** SAHIL BAJAJ 220590.

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।